हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, रविवार 1 सितंबर 2024

अंतरिक्ष में इस चीज को देख वैज्ञानिक हुए हैरान, तेज रफ्तार से हमारी आकाशगंगा से जा रही बाहर

एजेंसी ›› न्यूयार्क

ब्रह्मांड के रहस्यों को जानने के लिए सालों से वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं। इस दौरान वैज्ञानिकों को कई रहस्यमयी चीजें नजर आती हैं। अब इस बीच वैज्ञानिकों ने हमारी आकाशगंगा में एक तेज रफ्तार से चलने वाली वस्तु देखी है। यह चीज धुंधली दिखाई दे रही है, लेकिन हर सेकेंड 447 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय कर रही है। यह वस्तु दिल्ली से भोपाल डेढ़ सेकेंड से भी कम समय में पहुंच जाएगी। यह एक हाइपरवेलोसिटी ऑबजेक्ट है। नासा के सिटिजन साइंटिस्ट ने इसकी खोज की है।

टेलिस्कोप से जांच की गई थी

बैकयार्ड वर्ल्ड्स के सिटिजन साइंटिस्ट मार्टिन काबातनिक, थॉमस पी. बिकल और डैन केसेलडेन ने कुछ साल पहले एक तेजी से घूम रही वस्तु की खोज की। वैज्ञानिकों ने इसका नाम **CWISE J124909.08+362116.0.** रखा, जिसके बाद धरती पर मौजूद टेलिस्कोप से इसकी जांच शुरू की गई। वैज्ञानिक काबातनिक ने बताया कि जब इसकी खोज की गई थी, तो हमारी दिलचस्पी अलग लेवल पर थी। यह हमारी आकाशगंगा को छोड़कर जा रहा है। इसका मास बहुत कम है। इसके कारण इसे किस अंतरिक्षीय वस्तु के तौर पर रखा जाए। यह समझ में नहीं आ रहा था।

बैकयार्ड वर्ल्ड्स में फोटो का किया जाता है अध्ययन

यह वस्तु बेहद तेजी से हमारी आकाशगंगा के बाहर जा रही है। नासा का एक प्रोग्राम है जिसका नाम बैकयार्ड वर्ल्ड्स: प्लैनेट 9 प्रोजेक्ट। इस प्रोजेक्ट के तहत वो लोग जो विज्ञान की दुनिया से जुड़ना चाहते हैं, वो नासा से जुड़ते हैं। अंतरिक्ष में चीजों की खोज करते हैं। बैकयार्ड वर्ल्ड्स में नासा के वाइस मिशन की फोटो का अध्ययन किया जाता है। इस मिशन ने पूरे अंतरिक्ष में साल 2009 से लेकर 2011 तक इंफ्रारेड नक्शा बनाया है। साल 2013 फिर से इस मिशन की नियोवाइस के नाम से शुरुआत की गई। इसे इसी साल 8 अगस्त को रिटायर कर दिया गया।

ब्लैक होल की तरफ खींचा जा रहा

बैकयार्ड प्रोजेक्ट के साथ काम करने वाले वैज्ञानिकों ने 4000 से अधिक ब्राउन ड्वार्फ खोजे थे, लेकिन कोई आकाशगंगा से बाहर नहीं जा रहा है। इसमें दूसरों तारों की तुलना में लोहा और धातु कम हैं। लगता है कि यह हमारी आकाशगंगा के पहले जेनरेशन के तारों के समय का है। जब हमारी आकाशगंगा का निर्माण हुआ था। इसकी रफ्तार को लेकर दो थ्योरी है। पहली यह है कि किसी सुपरनोवा के फटने के बाद निकला व्हाइट ड्वार्फ है, जो सुपरनोवा से बहुत अधिक पदार्थ लेकर निकल गया या दूसरी थ्योरी यह है कि ग्लोब्यूलर क्लस्टर से निकला है। यह अब किसी ब्लैक होल की तरफ खींचा जा रहा है। इसकी वजह से इसे ज्यादा गति मिल रही है।

खबर संक्षेप

शेख हसीना के खिलाफ हत्या के दो नए मामले दर्ज

ढाका। बांग्लादेश में आरक्षण सुधार विरोधी प्रदर्शन के दौरान दो बीएनपी कार्यकर्ताओं सहित तीन लोगों की मौत को लेकर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके पूर्व कैबिनेट मंत्रियों के खिलाफ हत्या के दो नए मामले दर्ज किए गए हैं। शुक्रवार को ढाका की अदालतों में ये दोनों मामले दर्ज किये गए जो 76 वर्षीय हसीना के खिलाफ दर्ज विभिन्न मामलों में नवीनतम मामले हैं।

नौ साल की श्रेयोवी को 'वाइल्डलाइफ पुरस्कार'

नई दिल्ली। भरतपुर के केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के जंगलों में सुबह की सैर पर निकली नौ वर्षीय श्रेयोवी मेहता ने अपने कैमरे से दो मोरनियों की खूबसूरत तस्वीर ली। इसके लिए उसे इस साल के सर्वश्रेष्ठ 'वाइल्डलाइफ' फोटोग्राफर पुरस्कार के लिए नामित किया गया। एनएचएम द्वारा प्रतिष्ठित पुरस्कार के 60वें संस्करण में मेहता को '10 वर्ष और उससे कम' श्रेणी में उपविजेता घोषित किया गया है।

जहाज में छिपे घाना के तीन नागरिक गिरफ्तार

पारादीप। ओडिशा के पारादीप बंदरगाह के अधिकारियों ने कोयले से लदे एक मालवाहक जहाज पर छिपने का प्रयास कर रहे घाना के तीन नागरिकों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि घाना के नागरिक फिलहाल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की हिरासत में हैं। शुक्रवार को जहाज - 'एमवी ग्रेट शेंग वेन' - पारादीप बंदरगाह के प्रतिबंधित क्षेत्र में रुका था।

एलएसी विवाद के बाद से ही भारत, चीन के द्विपक्षीय संबंध पटरी से उतरे

भारत के सामने 'चीन संबंधी विशेष समस्या' उससे जुड़े निवेश की समीक्षा की दरकार

हरिभूमि न्यूज ›› नई दिल्ली

एलएसी विवाद और हिंद महासागर क्षेत्र में जारी चीन की आक्रामकता के बीच शनिवार को विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने भारत और चीन संबंधों को एक तल्ख टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि भारत के सामने 'चीन संबंधी विशेष समस्या' है। जो दुनिया के सामने खड़ी 'चीन संबंधी सामान्य समस्या' से अलग है। उसके साथ हमारे संबंधों और सीमा पर बनी हुई स्थिति को देखते हुए चीन के निवेश की समीक्षा की जानी चाहिए।

राजधानी में आयोजित 'ईटी वर्ल्ड लीर्डस फोरम' में नए भारत के जोखिम, सुधार और जिम्मेदारियां विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने यह जानकारी दी। उनका यह बयान एक ऐसे समय में सामने आया है। जब पूर्वी लद्दाख में जारी विवाद को चार साल से अधिक का समय होने पर बीते दिनों इसके समाधान के लिए बीजिंग में दोनों देशों के बीच स्थापित कूटनीतिक तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 31 वीं बैठक हुई थी। एलएसी विवाद के बाद से ही भारत, चीन के द्विपक्षीय संबंध पटरी से उतरे हुए हैं। जयशंकर ने कहा, बीते चार वर्षों से सीमा पर हमारी स्थिति बहुत कठिन है। लेकिन इस परिस्थिति में भी भारत की प्रतिक्रिया समझदारी भरी है।

कूटनीतिक बैठक के बाद विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर का आया बयान

भारत के अलावा यूरोप अमेरिका भी परेशान

विदेश मंत्री ने कहा कि चीन कई मायनों में एक अनूठी समस्या है। इसके पीछे की वजह उसका एक अनूठी राजनीति और अनोखी अर्थव्यवस्था होना है। जब तक कोई इस विशिष्टता को समझने की कोशिश नहीं करता। तब तक उसे इससे निकाले जाने वाले निर्णय, निष्कर्ष और नीतिगत कदमों से समस्या होगी। उन्होंने कहा कि हम दुनिया के अकेले देश नहीं जो चीन पर बहस कर रहे हैं। यूरोप की प्रमुख आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के केंद्र में चीन है। ऐसे ही अमेरिका को भी चीन से परेशानी है और यह कई मायनों में ठीक भी है।

यूं समस्या बना चीन का व्यापारिक घाटा : दुनिया के बाकी देशों के साथ ही भारत भी चीन के जिस व्यापारिक घाटे की समस्या से त्रस्त है। उसका संबंध दशकों पहले शुरू की गई ड्रैगन की उस प्रणाली से है। जिसमें हमने चीन के उत्पादन की प्रकृति और उन सभी लाभों को नजरअंदाज कर दिया था। जो उसे इससे प्राप्त हुए। चीन को अपने साथ लाए गए सभी लाभों में समान अवसर प्राप्त हुए। हालांकि भारत का कभी यह मानना नहीं रहा है कि उसे चीन के साथ व्यापार और निवेश नहीं करना चाहिए।

भू-राजनीतिक जोखिमों का हो रहा आकलन

उन्होंने कहा कि यूरोप में जारी युद्ध, पश्चिम एशिया का संघर्ष और एशिया के तनावपूर्ण हालातों में प्रत्येक के साथ क्षेत्रीय दावों और सीमा संघर्षों का फिर से उभरना जोखिम उत्पन्न करता है। लेकिन दुनिया का ध्यान जोखिम कम करने पर केंद्रित है। वहीं अब सभी सरकारें भू-राजनीतिक जोखिमों का गहनता से आकलन कर रही हैं। वर्तमान में बने हुए वैश्विक परिदृश्य में खतरों का प्रबंधन और उन्हें दूर करना अंतरराष्ट्रीय संबंधों और नीतियों को आकार देने में चिंता का एक केंद्रीय विषय बन गया है।

दुनिया में चीन के निवेश की जांच जारी

एस.जयशंकर ने कहा कि भारत द्वारा चीन के निवेश की समीक्षा दोनों के संबंधों और सीमा पर बनी हुई स्थिति के परिप्रेक्ष्य में भी जरूरी है। हालांकि, भारत अकेला नहीं है जो चीन के निवेश की जांच के पक्ष में है। दुनिया में कई देश ऐसे हैं, जिनकी सीमा चीन से नहीं लगती है। लेकिन वो भी चीनी निवेश की जांच कर रहे हैं। इसमें यूरोप और अमेरिका शामिल हैं। इसके अलावा यहां समस्या यह नहीं है कि आपका चीन के साथ निवेश है। समीक्षा के स्तर और उससे निपटने के तरीके पर ध्यान देना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने तीन वंदे भारत की दी सौगात

सभी के लिए रेल यात्रा को आरामदायक बनाने प्रतिबद्ध

एजेंसी ›› नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि रेलवे ने काफी समय से लंबित समस्याओं के समाधान में बड़ी प्रगति की है और यह क्रम तब तक नहीं रुकेगा, जब तक रेल समाज के सभी वर्गों के लिए आरामदायक यात्रा की गारंटी नहीं बन जाती।

प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाए जाने के कार्यक्रम के दौरान की। मोदी ने कहा कि राष्ट्र वंदे भारत रेलगाड़ियों के आधुनिकीकरण और विस्तार के साथ विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने मेरठ को लखनऊ, मदुरै को बेंगलुरु और चेन्नई को नागरकोइल से जोड़ने वाली तीन नयी वंदे भारत ट्रेन को शनिवार को हरी झंडी दिखाई। मोदी ने कहा, वर्षों से अपनी कड़ी मेहनत के जरिए रेलवे ने काफी समय से लंबित समस्याओं के समाधान में बड़ी प्रगति की है और नयी उम्मीदें एवं समाधान पेश किए हैं।

ये तीन वंदे भारत

- मेरठ को लखनऊ
- मदुरै को बेंगलुरु
- चेन्नई को नागरकोइल

तमिलनाडु का विकास सरकार की प्राथमिकता

मोदी ने कहा कि संपूर्ण दक्षिण भारत के साथ-साथ तमिलनाडु का विकास सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि रेलवे की विकास यात्रा सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। पीएम ने यह भी कहा कि तमिलनाडु और कर्नाटक के लिए बजटीय आवंटन में वृद्धि से दक्षिणी राज्यों में रेल परिवहन मजबूत हुआ है।

- महाराजा दिव्य सिंह देब की अध्यक्षता में हुई एसजेटीएमसी की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए

जगन्नाथ संस्कृति के प्रसार के लिए शुरू होगा एफएम रेडियो स्टेशन

एजेंसी ›› पुरी

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति (एसजेटीएमसी) ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए पुरी जगन्नाथ मंदिर के वास्ते 413 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी है। उसने जगन्नाथ संस्कृति के प्रसार के लिए एक एफएम रेडियो स्टेशन स्थापित करने का निर्णय भी लिया है।

पुरी के गजपति महाराजा दिव्य सिंह देब की अध्यक्षता में हुई एसजेटीएमसी की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने संवाददाताओं को बताया कि एसजेटीएमसी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 413 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी है। यह 103 करोड़ रुपए अतिरिक्त बजट है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा मंदिर के लिए 500 करोड़ रुपए का योगदान देने के बाद इस साल मंदिर का बजट लगभग 913 करोड़ रुपए होगा।

मंदिर के सभी रिकॉर्ड किए जाएंगे डिजिटल

पाधी ने कहा कि मंदिर में आने वाली महिलाओं, बच्चों, दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के लिए समर्पित कतारें बनाने का भी निर्णय लिया गया। श्रद्धालु देवी-देवता के दर्शन अच्छे से कर सकें, इसके लिए मार्ग को ऊंचा किया जाएगा। सुचारू रूप से अनुष्ठान कराने के लिए हर महीने एक 'नीति' उप-समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा, मंदिर के सभी रिकॉर्ड डिजिटल किए जाएंगे।

ओडिशा की शराब दुकानों में अब ऑर्केस्ट्रा की भी इजाजत

एजेंसी ›› भुवनेश्वर

ओडिशा की नई आबकारी नीति में 'लाइसेंस' प्राप्त शराब की दुकानों में संगीत प्रदर्शन और 'ऑर्केस्ट्रा' की अनुमति दी गई है। इसमें कहा गया कि, लेकिन लाइसेंसी शराब की दुकानों में किसी भी प्रकार के नृत्य प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। नई आबकारी नीति एक सितंबर से लागू होगी। शुक्रवार को जारी नई नीति विज्ञप्ति में कहा गया है, 'किसी भी 'ऑन शॉप' (जहां परिसर में ही बैठकर शराब पीने की भी व्यवस्था हो) परिसर में नृत्य प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, ऐसी दुकान में ओडिशा आबकारी नियम, 2017 के तहत आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के बाद अपने लाइसेंस प्राप्त परिसर के भीतर संगीत प्रदर्शन या ऑर्केस्ट्रा आयोजित किए जा सकते हैं।

बीयर बार को बीयर बेचने की भी अनुमति : ओडिशा आबकारी नीति (आबकारी शुल्क, कर और मार्जिन संरचना के साथ-साथ नियामक दिशानिर्देश) एक सितंबर से लागू की जाएगी। 2024-25 के दौरान राज्य में कोई भी नई भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) 'ऑफ शॉप' (जहां ग्राहक सिर्फ शराब खरीद सकते हैं, बैठकर पीने की व्यवस्था नहीं होती) स्वीकृत नहीं की जाएगी। तीन सितारा और उससे ऊपर की श्रेणी के होटलों और बीयर बार को बीयर बेचने की अनुमति होगी।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखे
94060-21769

छह दिन की बच्ची की हत्या

चौथी बेटी होने पर ताने से दुखी मां ने नवजात को मार डाला

एजेंसी ›› नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के ख्याला इलाके में 28 वर्षीय एक महिला ने अपनी छह दिन की बेटी की कथित तौर पर हत्या कर उसके शव को पास के घर की छत पर फेंक दिया। पुलिस ने महिला का हवाला देते हुए बताया कि उसकी तीन बेटियां थीं और फिर चौथी बार भी बेटी का जन्म होने पर लोगों के तानों से परेशान होकर उसने नवजात की हत्या कर दी। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) विचित्र वीर ने कहा, हमें शुक्रवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे फोन पर यह सूचना मिली कि छह दिन की बच्ची लापता है। नवजात की मां शिवानी ने प्रारंभिक पूछताछ के दौरान दावा किया कि उसे पिछली रात अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी, जिसके बाद वह अपने मायके चली गई थी। रात करीब दो बजे बच्ची को दूध पिलाने के बाद वह उसे अपने पास लेकर सो गई, जब वह सुबह साढ़े चार बजे उठी तो बच्ची गायब थी।

छत पर बैग में मिली बच्ची

पुलिस अधिकारी ने बताया कि आसपास के इलाके में सीसीटीवी फुटेज की जांच करने और आसपास के घरों की तलाशी लेने के लिए एक टीम गठित की गई। जब बच्ची की तलाश की जा रही थी तो शिवानी ने कहा कि उसे टांके हटवाने के लिए अस्पताल जाना है। इससे पुलिस को उस पर शक हुआ, लेकिन उसकी चिकित्सीय स्थिति को देखते हुए उसे जाने दिया गया। इस बीच तलाश के दौरान पुलिस को पास के मकान की छत पर एक बैग मिला और जब बैग खोलकर देखा गया तो उसमें बच्ची मिली। इसके बाद बच्ची को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि इसके बाद शिवानी को ढूंढने के लिए पुलिस की एक टीम को अस्पताल, बस स्टेशन और शाहदरा में उसके घर पर भेजा गया और जब उसे पकड़ लिया गया तो पूछताछ करने पर वह टूट गई तथा उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। शिवानी ने शुरुआती पूछताछ में बताया कि नवजात बच्ची उसकी चौथी बेटी थी और उसकी दो बेटियों की पहले ही मौत हो चुकी है। उसने लोगों से मिल रहे तानों से परेशान होकर अपनी छह दिन की बच्ची की जान ले ली। शिवानी जब अपनी बच्ची को दूध पिला रही थी तो वह इन बातों को सोच-सोचकर परेशान हो गई और फिर उसने बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी तथा उसके शव को पास की छत पर फेंक दिया।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर
मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
मो. 9039050422
मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 1 सितंबर 2024

2014 में जब मोदी जी प्रधानमंत्री बने, तब से उन्होंने इन तीनों क्षेत्रों पूर्वोत्तर भारत, वामपंथी उग्रवादी क्षेत्र और जम्मू कश्मीर में समानांतर काम किए। सरकार के प्रयास से कुल हिंसक घटनाओं में 60% की कमी आई और कुल मृत्यु में 71% की कमी आई

सवाल: क्या विकास पहुंचने से आम लोगों का विश्वास नक्सलियों में कम हो रहा है और अभी नक्सलियों के कब्जे में कितना क्षेत्र बचा है ?

जवाब : मेरा मानना है कि यदि इस देश में पहले की सरकारें नक्सलवाद से एकीकृत व समन्वित तरीके से लड़ रही होतीं, तो यह समस्या कब की समाप्त हो चुकी होती। परंतु दुर्भाग्य से पूर्व की अधिकतर सरकारों ने नक्सलवाद पर राजनीति की, यहां तक कि कई पार्टियों ने उन्हें पोषित भी किया। आज मोदी सरकार को इस लड़ाई में जो सफलता मिल रही है, उसका एक मुख्य कारण हमारी राजनीतिक इच्छाशक्ति, जीरो टॉलरेंस के साथ विकास के कार्य, जिससे आम लोगों का ऐसी विभाजनकारी ताकतों में आस्था का कम होना है। चाहे इन क्षेत्रों में 11,461 किलोमीटर सड़कें बनानी हो,90 वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में बैंकिंग सेवाओं के साथ सुसज्जित 4903 नए डाकघर खोलने हों,पहले चरण में 4080 करोड़ की लागत से 2343 मोबाइल टावर और दूसरे चरण में 2210 करोड़ की लागत से 2542 मोबाइल टावरों की स्थापना के कार्य आदेश से संचार सुविधा को गति देना हो, इन क्षेत्रों के लिए 254 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों, जिनमें से 130 क्रियाशील हैं। इसके साथ-साथ 46 आईटीआई और 49 एसडीसीएस स्थापित करने हों, हमारी सरकार ने वामपंथी उग्रवाद के मूल कारण को ही समाप्त कर दिया है। आज सरकार के प्रयासों से नक्सली कुछ अंचलों तक ही सिमट कर रह गए हैं, जिनका जल्द ही पूर्णतया सफाया होने वाला है।

'हरिभूमि समाचार पत्र समूह' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से 'विशेष साक्षात्कार'

वामपंथी उग्रवाद का अब देश से 'खात्मा' तय : शाह

1 छत्तीसगढ़ सरकार ने मोदी सरकार की सभी योजनाओं का शत-प्रतिशत सेचुरेशन करने के लिए मार्च 2025 का लक्ष्य रखा

2 वामपंथी उग्रवाद को सीमित करना देश के सुरक्षाबलों और लोकतंत्र की विजय

3 277 नए सुरक्षा कैंप बनाकर सिक्योरिटी वैक्यूम को भरा जा रहा है

विशेष पेज

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से विशेष बातचीत- *पेज 4 पर भी*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अमित शाह! भारतीय राजनीति में यह नाम विगत एक दशक से भरोसे का पर्याय बना हुआ है। फिर चाहे उन पर यह भरोसा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपने सर्वाधिक विश्वस्त सहयोगी के रूप में हो, भाजपा कार्यकर्ताओं का सुयोग्य नेतृत्वकर्ता के रूप में हो या आम जनता के दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ साहसिक फैसले क्रियान्वित करने वाले गृहमंत्री के रूप में हो। अमित शाह को यह भरोसा है कि इस देश के बड़े हिस्से में पांच दशक से नासूर बना हुआ नक्सलवाद कुल जमा डेढ़ साल का मेहमान रह गया है। इसकी वजह मोदी सरकार द्वारा समेकित रणनीति से उठाए गए ठोस कदम हैं। तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए देश के गृहमंत्री अमित शाह ने अपने अत्यंत व्यस्त कार्यक्रम के बीच नक्सल समस्या समेत देश- प्रदेश से जुड़े तमाम विषयों पर हरिभूमि समाचार पत्र समूह के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से खुल कर बातचीत की। सात राज्यों के पुलिस -प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ मैराथन बैठक के दौरान निकले निष्कर्ष के चलते मार्च 2026 तक देश से नक्सली खात्मे का दावा कर चुके शाह से तकरीबन आधी रात को लिए गए इस साक्षात्कार के खास अंश।

हरिभूमि विशेष

सवाल : *आप कश्मीर से आतंकवाद, उत्तरपूर्व से उग्रवाद और छत्तीसगढ़ से लगातार नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। क्या नक्सलवाद भी आतंकवाद जितनी ही बड़ी समस्या है?*

जवाब : देखिए, इन सभी में एक समानता है और वो है हिंसा, इनसे मानव जीवन को लगातार क्षति पहुंची है, इससे कुछ क्षेत्रों में लोगों के जीवन को पीढ़ियों तक को तबाह कर दिया, इनकी प्रवृत्तियां अलग हैं, काम करने के तरीके अलग हैं। भारत की आतंरिक सुरक्षा चुनौतियों में 3 हॉटस्पॉट थे – पूर्वोत्तर भारत, वामपंथी उग्रवादी क्षेत्र और जम्मू - कश्मीर। 2014 में जब मोदी जी प्रधानमंत्री बने, तब से उन्होंने इन तीनों क्षेत्रों में समानांतर काम किए। सरकार के प्रयास से कुल हिंसक घटनाओं में 60% की कमी आई है और कुल मृत्यु में 71% की कमी आई है। हमने इसके लिए मल्टी एजेंसी एप्रोच अपनाया और आपराधिक न्याय के कानूनों में आतंकवाद और संगठित अपराध को परिभाषित किया। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाकर आतंकवाद के फलने-फूलने के रास्ते बंद किए। इस कारण वहां साल 2023 में रिकॉर्ड 2 करोड़ से अधिक पर्यटक आए और 33 साल बाद सिनेमा हॉल खुले। पूर्वोत्तर में पिछले 10 वर्षों में शान्ति के 10 महत्वपूर्ण समझौते हुए और पूर्वोत्तर में अधिकतर जगहों से अफस्पा (एएफएसपीए) को हटा दिया गया है। वामपंथी उग्रवाद क्षेत्रों में 11,461 किलोमीटर से अधिक सड़क बनाई गई हैं, 955 नई बैंक शाखाएं, 839 एटीएम और 4903 डाकघर खोले गए, जिससे पहली बार वहां के लोगों के जीवन में विकास उनके घर तक पंहुचा है, जो कभी दूर-दूर तक दिखाई नहीं पड़ता था। अगर हम बीते 10 सालों के तुलनात्मक आंकड़ें देखें तो नक्सली घटनाओं में 53% की कमी आई है, नक्सली हिंसा के कारण होने वाली आम नागरिक की मृत्यु में 69% की कमी और सुरक्षा बलों की मृत्यु में 73% की कमी आई है। हमने नक्सलवाद, आतंकवाद और पूर्वोत्तर से उग्रवाद, तीनों को कभी एक दूसरे से कमतर नहीं आंका और तीनों दिशाओं में एकसाथ काम किए, जिसके अब सकारात्मक परिणाम आए हैं।

सवाल : *आपने नक्सलमुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया है। यह कब तक पूरा हो पाएगा?*

जवाब : वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए मोदी सरकार की रणनीति एकदम स्पष्ट रही है। हम इन क्षेत्र के लोगों को विकास की मुख्यधारा का हिस्सा बनाकर, उनके जनजीवन में बदलाव लाकर,युवाओं को विकसित और आत्मनिर्भर भारत के साथ जोड़कर इन क्षेत्रों से वामपंथी उग्रवाद को हमेशा के लिए समाप्त करना चाहते हैं। हमारी लड़ाई नक्सलवाद से है, जो गरीबी, विकास के साधनों का अभाव और अवसरों की कमी को अपना अस्त्र बनाकर युवाओं को हिंसा के रास्ते पर ले जाते थे। हमारी यह रणनीति आज सकारात्मक परिणाम लेकर आ रही है और मुझे पूरा विश्वास है कि मार्च 2026 से पहले देश पूरी तरह से वामपंथी उग्रवाद से मुक्त होने वाला है।

आस्था से खिलवाड़, श्री गणेश के सिक्स पैक दो हाथ धारी, बना दिए राधा-कृष्ण, पहलवान

भगवान श्री गणेश सहज, सरल और दयालू माने जाते हैं। भक्तों पर कृपा करते हैं और मन, वचन और कर्म से की गई पूजा-अर्चना से प्रसन्न हो जाते हैं। लेकिन कहते हैं न, भव बिन हो न प्रीत। कुछ ऐसा ही लोग फिर से करने लगे हैं। गणेश स्थापना से पहले कुछ लोग मूर्तिकारों को आर्डर देकर विकृत और मजाकिया प्रतिमाएं बनवा रहे हैं। किसी ने गणेश जी को सिक्स पैक में दिखा दिया है। किसी ने उन्हें राधा-कृष्ण के स्वरूप में प्रतिमाएं बनवा ली हैं। इतना ही नहीं, एक मूर्तिकार ने गणेश जी को पतंग उड़ाते हुए दिखाया है।

लवकुश शुक्ला ▶▶ रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

उल्लेखनीय है कि श्री गणेश आरती में उनका स्वरूप का अलौकिक वर्णन है। आरती में कहा गया है कि-एक दंत दयावंत,चार भुजा धारी । माथे सिंदूर सोहे, मूसे की सवारी। अर्थ है कि श्री गणेश भगवान गणेश एक दांत वाले और दयालु हैं। उनकी चार भुजाएं हैं। उनके माथे पर सिंदूर (लाल रंग) शोभा देता है और वे मूषक (चूहे) की सवारी करते हैं। करीब एक दशक पहले हरिभूमि ने अभियान चलाकर श्री गणेश प्रतिमाओं के साथ मजाक को लेकर अभियान चलाया था। उस वक्त हिंदू संगठनों ने तीव्र विरोध किया और ऐसी प्रतिमाएं बनाने वाले कलाकारों के खिलाफ एफआईआर कराई। उसके बाद यह चलन समाप्त हो गया था।

दांत गायब, दो हाथ बनाए: माना में आराध्य देव गणेश का बाल स्वरूप में दांत गायब व ▶▶ शेष पेज 2 पर

एक दशक बाद फिर विकृत प्रतिमाएं

एक दशक बाद मूर्तिकारों द्वारा श्री गणेश के मूल स्वरूप से फिर छेड़छाड़ करते हुए प्रतिमा बनाई जा रही हैं। मूर्तिकार किस समिति ने उन्हें विकृत स्वरूप देने के लिए आर्डर किया है, बताने के लिए तैयार नहीं हैं। मूर्तिकारों के शेड में जाने के बाद हरिभूमि की टीम ने कतार में सजाई गई मूल प्रतिमाओं के बीच छिपाई गई विकृत एवं अधूरे स्वरूप वाली प्रतिमाओं का जायजा लिया। तीन ▶▶ शेष पेज 2 पर

दर्ज करवाएंगे एफआईआर

देवी-देवताओं के मूल स्वरूप से अगर किसी भी मुर्तिकार द्वारा छेड़छाड़ किया जाता है, तो ऐसे लोगों के खिलाफ धर्म जागरण सेना की ओर से विरोध किया जाएगा। साथ ही ऐसा कृत्य करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दास्त नहीं करेंगे। जहां भी ऐसी प्रतिमाएं दिखेंगी, उनका जबरन विर्सजन कराया जाएगा।

- पुष्पेंद्र उपाध्याय, धर्म जागरण प्रशासन समन्वयक, रायपुर

मूल स्वरूप बिगाड़ना पाप

भगवान श्री गणेश के स्वरूप को देखकर हंसने का कृत्य चंद्रमा ने किया था। इससे गणेश के श्राप स्वरूप गणेश चतुर्थी के दिन चंद्रमा का दर्शन पाप की श्रेणी में आता है। स्वरूप बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसी प्रतिमा का स्थापना से पहले विसर्जन करें।

- पं.मनोज शुक्ला, भागवताचार्य एवं वेदाचार्य, रायपुर

थनौद से राजधानी आएगी 15 फीट की दो दर्जन मूर्तियां

कटघोरा में विराजेंगे 20 फीट के गणपति, तीन लाख रुपए कीमत

हरिभूमि न्यूज/राजनांदगांव। गणेश पर्व को अब महज सात दिन शेष रह गए है, ऐसे में तैयारियों का दौर तेज हो गया है। मूर्तियों के साथ ही पंडाल को आकर्षक रूप दिया जा रहा है। गणेश पर्व को लेकर ही दुर्ग जिले के थनौद ग्राम में करीबन पांच ▶▶ शेष पेज 2 पर

15 हजार से तीन लाख तक कीमत

थनौद ग्राम में बड़ी मूर्तिया बनाने के लिए प्रख्यात राधे मूर्तिकार ने बताया कि उनके पास इस सीजन में तीन फीट से 20 फीट तक की मूर्तिया तैयार की जा रही है। सबसे छोटी तीन फीट की ▶▶ शेष पेज 2 पर

काम का लालच देकर ले गए राजस्थान, बनाया गया बंधक

बड़ा सवाल आखिर किसका हुआ कफन-दफन

एक साल पहले रायगढ़ में मिली थी लाश, पत्नी-बेटियों को मृत समझकर किया था कफन-दफन, अब जीवित लौटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबिकापुर

अब तक आपने फिल्मों में ही देखा होगा कि जिसे मृत समझकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया हो और वह फिर अचानक सामने आकर खड़ा हो जाए। ऐसा ही कुछ हुआ है बलरामपुर जिले के कुसमी में रहने वाले अबुल हसन के साथ। करीब एक साल पहले जिस पत्नी राबिया परवीन और बेटियों सिजरा व गुलस्ता का उसने कफन दफन किया था वो अब जीवित लौट आए हैं। महिला और बच्चियों के सकुशल लौटने से अबुल हसन का परिवार फिर से एक हो गया है लेकिन इस घटना ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर जिन दो बच्चियों और ▶▶ शेष पेज 2 पर

भागकर आई मायके, पहुंची पति के पास

राबिया परवीन के अनुसार राजस्थान में वह बंधक बन गई थी जहां उसे पर्याप्त पैसे नहीं मिलते थे। ऐसे में वह भागना चाहती थी। महिला की तबियत खराब हुई तो वह अस्पताल गई जहां किसी दूसरी महिला का मोबाइल लेकर उसने अपनी बहन को फोन किया। बहन को यकीन नहीं हो रहा था तो उसने वीडियो कॉल किया।

मिली है जानकारी

राजेश अग्रवाल, एसपी, बलरामपुर ने बताया, मामले की जानकारी मिली है। रायगढ़ में महिला व बच्चियों की जो लाश मिली थी वो काफी सड़ी गली थी। मृतका के पति ने उनकी शिनाख्त उम्र के हिसाब से की थी। वर्तमान में जो महिला लौटी है उसकी पहचान की जांच का विषय है।

पति से झड़गा के बाद भागी घर से

राबिया परवीन ने बताया कि घर की माली हालत ठीक नहीं थी। ऐसे में आए दिन परिवार में विवाद होता था। विवाद के कारण ही वह घर से भाग गई थी। महिला के अनुसार उसे किसी ने एक नंबर देकर बताया था कि अगर वह काम करना चाहती है तो उनसे संपर्क कर लें। महिला झगड़े के बाद घर से निकलने के बाद अंबिकापुर पहुंची जहां ▶▶ शेष पेज 2 पर

भरोसा नहीं था वापस आएंगे

अबुल हसन ने बताया कि सूचना पर जब हम रायगढ़ पहुंचे तो हमें लाशें दिखाई गई। मुझे शुरू से शक था कि ये मेरी पत्नी और बच्चों की लाश नहीं है लेकिन दो दिनों बाद पुलिस ने पीएम रिपोर्ट के बाद लाश हमें सौंप दी जिसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। हालांकि उसने पत्नी और बच्चों के वापस लौटने की उम्मीद छोड़ दी थी लेकिन जब वे वापस घर आई तो अबुल हसन भी खुश है।

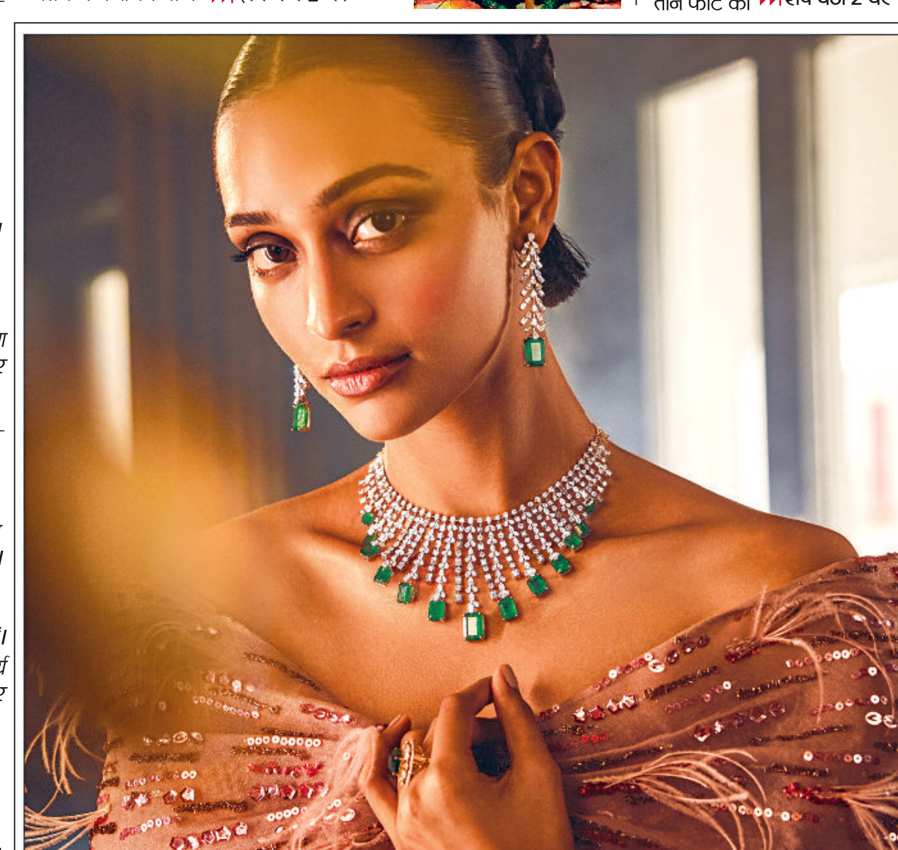

SAWANSUKHA

Scan for an extra 2% discount on your purchase

Birthday sale

Last day today

Conditions apply

Sadar Bazar Raipur

91470 75332 | Sundays open

आजकल विपक्ष खासकर कांग्रेस पीएम मोदी की राजग सरकार पर यूटर्न सरकार का आरोप लगा रही है। हाल के एक दो महीनों में कुछेक फैसलों पर सरकार ने तर्कसंगत निर्णय किया है, तो विपक्ष ने सरकार पर अटैक का बहाना ढूंढ़ लिया है। प्रधानमंत्री के साथ विमर्श के बाद आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं तेलुगूदेशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने अपने राज्य में 'जाति जनगणना' के बजाय 'कौशल जनगणना' कराने का फैसला लिया है। लिहाजा टीडीपी ने विपक्ष के एक 'राजनीतिक हथियार' को कुंद कर दिया है। कैबिनेट ने 10 राज्यों में 12 औद्योगिक स्मार्ट सिटी बनाने की परियोजना को स्वीकृति दे दी है। इस तरह लगातार काम करने, योजनाएं बनाने, रोज़गार के अवसर पैदा करने के मद्देनजर सवाल है कि क्या प्रधानमंत्री दबाव में यह सब कर रहे हैं? दलित, आदिवासी, ओबीसी का प्रलाप ऐसा रहा कि राहुल गांधी ने हास्यास्पद बयान दिया कि मिस इंडिया, बॉलीवुड, ओलंपिक खिलाड़ी और क्रिकेटर, उद्योगपति, मीडिया और न्यायपालिका आदि में इन जातियों के लिए कोई आरक्षण ही नहीं है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी आजकल बयान दे रहे हैं कि मोदी जी 'जाति जनगणना' करा दीजिए। नहीं तो ऐसी स्थिति आने वाली है कि आप नये प्रधानमंत्री को यह काम करते देखेंगे। दरअसल विपक्ष मुग़ालते में है कि इससे प्रधानमंत्री मोदी दबाव में आ जाएंगे और 'जाति जनगणना' करवा सकते हैं। यह विचार ही बेमानी है, क्योंकि डॉ. मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार के दौरान 'जातीय जनगणना' करवाई गई थी, लेकिन उसे सार्वजनिक नहीं किया गया। बेटियों और महिलाओं के खिलाफ राष्ट्रपति ने मार्मिक और अभूतपूर्व प्रतिक्रिया दी है। यह सब दबावमुक्त सरकार ही कर सकती है। जनधन योजना को भी दस वर्ष पूरे हुए हैं। इन्हीं मुद्दों पर पेश है आजकल का यह अंक...

किसी दबाव में नहीं प्रधानमंत्री मोदी

विश्लेषण

सुशील राजेश

वरिष्ठ स्तंभकार

मोदी सरकार पांच साल का यह कार्यकाल भी आराम से पूरा करेगी। बिहार में भाजपा, जद-यू, लोजपा (रामविलास) और हम आदि पार्टियां एनडीए के बैनर तले ही 2025 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगी, यह तय हो चुका है। टीडीपी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री और भाजपा अध्यक्ष की 2-3 बैठकें हो चुकी हैं और समर्थन में कोई दरारें भी नहीं हैं, तो फिर प्रधानमंत्री मोदी दबाव में क्यों होंगे? यदि प्रधानमंत्री मोदी दबाव महसूस कर रहे होते और अपनी सरकार को कमज़ोर, अस्थिर स्थिति में पाते, तो राष्ट्रपति का ऐसा पत्र कभी भी जारी न किया जाता, लेकिन दुष्कर्म और हत्याओं की नृशंसताओं पर खुद प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति के जरिए, यह संदेश देश को देना चाहते थे।

क्या प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में दबाव में हैं? यह आकलन विपक्षी दलों का है। विपक्ष ने मोदी सरकार की उम्र 6 माह आंकी है, लेकिन मेरा आकलन है कि सरकार पर कोई भी संकट नहीं है। चूंकि कुछ मामलों में प्रधानमंत्री को अपने निर्णय से पीछे हटना पड़ा है या वक़्फ़ बोर्ड संशोधन बिल को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को सौंपना पड़ा है अथवा मीडिया से जुड़े एक बिल को भी फिलहाल ठंडे बस्ते के हवाले करना पड़ा है, लिहाजा माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी दबाव में हैं।

'कौशल जनगणना' कराने का फैसला

दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री के साथ विमर्श के बाद आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं तेलुगूदेशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने अपने राज्य में 'जाति जनगणना' के बजाय 'कौशल जनगणना' कराने का फैसला लिया है। लिहाजा टीडीपी ने विपक्ष के एक 'राजनीतिक हथियार' को कुंद कर दिया है। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को निर्देश दिया है कि जिस रफ्तार से हमने 10 साल में काम किया है, वह आगामी पांच साल भी बरकरार रहनी चाहिए। कैबिनेट ने 10 राज्यों में 12 औद्योगिक स्मार्ट सिटी बनाने की परियोजना को स्वीकृति दे दी है। इसे ग्रेटर नोएडा और धोलेरा की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इससे 40 लाख प्रत्यक्ष-परोक्ष नौकरियां पैदा होंगी और 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश मिलेगा। 2030 तक 2 लाख करोड़ रुपये के निर्यात का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र में 76,000 करोड़ रुपये की वाधवन बंदरगाह योजना की आधार-शिला रखी है। भारत सरकार ने रेलवे कॉरिडोर के विस्तार की घोषणा भी की है। जाहिर है कि रोज़गार के नये अवसर बनेंगे। इस तरह लगातार काम करने, योजनाएं बनाने, रोज़गार के अवसर पैदा करने के मद्देनजर सवाल है कि क्या प्रधानमंत्री दबाव में यह सब कर रहे हैं?

बहुमत भाजपा-एनडीए के पक्ष में

आम चुनाव का जनादेश जून, 2024 में सार्वजनिक किया गया था। जनादेश आधा-अधूरा था, क्योंकि किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था, लेकिन 240 सीट जीत कर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी रही और उसके एनडीए गठबंधन के पक्ष में 293 सीटें आईं। कांग्रेस 99 सीट पर ही अटक कर रह गई और 'इंडिया' गठबंधन 234 सीट ही हासिल कर सका। आईने और सत्य की तरह स्पष्ट है कि निर्णायक बहुमत भाजपा-एनडीए के पक्ष में रहा, तो फिर विपक्ष किस मुग़ालते में है कि वह ज्यादा ताकतवर है और उसकी वैकल्पिक सरकार बन सकती है। बेशक आंध्र की टीडीपी के 16 सांसद और बिहार के जद-यू के 12 सांसद महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जिन पर सरकार स्थित है। गौरतलब यह है कि आंध्र में औसतन हर परिवार पर 7 लाख रुपये और प्रति व्यक्ति 2 लाख रुपये का कर्ज है। राज्य को नई राजधानी अमरावती में बनाने और अन्य परियोजनाओं के लिए कमोबेश 3-4 लाख करोड़ रुपये की जरूरत है। आर्थिक विकास के मद्देनजर बिहार देश में सबसे पिछड़ा और विपन्न राज्य है। दोनों राज्यों को मोदी सरकार ने करीब 75,000 करोड़ रुपये की शुरुआती मदद दी है।

कांग्रेस की राज्य सरकारें 'दिवालिया'

क्या कांग्रेस और विपक्ष दोनों राज्यों की अपेक्षित आर्थिक मदद कर सकते हैं? कांग्रेस की राज्य सरकारें खुद ही 'दिवालिया' स्थिति में हैं। तो टीडीपी और जद-यू एनडीए से अलग क्यों होंगे? यदि एनडीए में ऐसा सहयोग बना रहता है, तो मोदी सरकार पांच साल का यह कार्यकाल भी आराम से पूरा कर सकती है। बिहार में भाजपा, जद-यू, लोजपा (रामविलास) और हम आदि पार्टियां एनडीए के बैनर तले ही 2025 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगी, यह तय हो चुका है। टीडीपी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री और भाजपा अध्यक्ष की 2-3 बैठकें हो चुकी हैं और समर्थन में कोई दरारें भी नहीं हैं, तो फिर प्रधानमंत्री मोदी दबाव में क्यों होंगे? आंध्र में 'कौशल जनगणना' के पायलट प्रोजेक्ट में करीब 33 लाख छोटी-बड़ी, मध्यम कंपनियों में सर्वेक्षण किए जाएंगे कि आखिर कंपनियां किस शिक्षा और हुनर के कामगार को नौकरी दे सकती हैं? आंध्र में करीब 3.5 करोड़ लोग 15-59 आयु-वर्ग के हैं। उनकी शिक्षा और हुनर क्या हैं, इसका भी सर्वेक्षण कराया जाएगा। दरअसल, भारत सरकार की प्राथमिकता है कि कौशल विकास को इतना बढ़ाया जाए कि विश्व में भारत का स्थान संवर सके। अभी भारत 109 देशों की सूची में 87वें स्थान पर है, जबकि चीन 36वें स्थान पर है। ये दो देश ही दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं। माना जा रहा है कि जाति के आधार पर नौकरी लेने के बजाय कौशल के आधार पर रोज़गार मिले, मोदी सरकार और आंध्र सरकार का यह नज़रिया है। अलबत्ता वे आरक्षण के बिल्कुल भी खिलाफ नहीं हैं। इस प्रोजेक्ट से रोज़गार और नौकरियों के अवसर स्पष्ट और व्यापक होंगे। यदि यह प्रोजेक्ट सफल रहा, तो फिर भाजपा शासित राज्यों में भी ऐसे ही सर्वेक्षण कराए जाएंगे। बेशक मोदी सरकार के सामने बेरोज़गारी सबसे बड़ी और चिन्ताजनक चुनौती है। देश में सबसे अधिक बेरोज़गारी आंध्र और हरियाणा में है। आईएमएफ की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने हाल ही में कहा है कि 2030 तक भारत को कमोबेश 6 करोड़ अतिरिक्त रोज़गार पैदा करने ही होंगे। कुछ अर्थशास्त्री तो यह संख्या 10 करोड़ तक आंक रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चिंतित सरोकार तो हो सकता है, लेकिन इस संदर्भ में प्रधानमंत्री को दबाव में माना जाए, यह पूर्वाग्रही आकलन है। दरअसल, आम चुनाव में कांग्रेस, सपा, राजद आदि ने एक 'छद्म नेरेटिव' गढ़ा था कि यदि भाजपा को 400 सीट मिल गईं, तो वे संविधान बदल देंगे। संविधान नहीं रहा, तो आरक्षण भी खत्म हो जाएगा। आरक्षण नहीं रहा, तो दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों की नौकरियों का क्या होगा? वह नेरेटिव सफल रहा और भाजपा को 272 सीट वाला बहुमत भी नहीं मिल पाया। उसी को आधार बनाकर ये विपक्षी दल आजकल भी राजनीति कर रहे हैं और 'जाति जनगणना' का अनर्गल अलाप कर रहे हैं। अक्तूबर-नवम्बर में हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, महाराष्ट्र आदि राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। उप्र में भी 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं।

'जाति जनगणना' बेमानी, विपक्ष मुगालते में

लिहाजा राहुल गांधी व अखिलेश यादव का सोचना है कि 'जाति जनगणना' के मुद्दे पर हिन्दुओं को बांटा जा सकता है और वे जातियां मोदी-भाजपा को चुनाव हरा सकती हैं। दलित, आदिवासी, ओबीसी का प्रलाप ऐसा रहा कि राहुल गांधी ने हास्यास्पद बयान दिया कि मिस इंडिया, बॉलीवुड, ओलंपिक खिलाड़ी और क्रिकेटर, उद्योगपति, मीडिया और न्यायपालिका आदि में इन जातियों के लिए कोई आरक्षण ही नहीं है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी आजकल बयान दे रहे हैं कि मोदी जी 'जाति जनगणना' करा दीजिए। नहीं तो ऐसी स्थिति आने वाली है कि आप नये प्रधानमंत्री को यह काम करते देखेंगे। दरअसल विपक्ष मुग़ालते में है कि इससे प्रधानमंत्री मोदी दबाव में आ जाएंगे और 'जाति जनगणना' करवा सकते हैं। मैं इसे बेमानी मानता हूं, क्योंकि डॉ. मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार के दौरान 'जातीय जनगणना' करवाई गई थी, लेकिन उसे सार्वजनिक नहीं किया गया। इस सवाल का जवाब कांग्रेस और उसके सहयोगी दल ही दे सकते हैं।

प्रभावशाली नेता रणनीति पर कर रहे मंथन

उस जनगणना के आंकड़े भारत सरकार में हैं, जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी ने वे देखे होंगे। प्रधानमंत्री यह काम तब करा सकते हैं, जब वह नौकरशाही में 'सीधी भर्तियां' करने की माकूल स्थिति में होंगे। सरकार में विशेषज्ञों को शीर्ष स्थानों पर जरूर रखा जाएगा, लेकिन उनमें आरक्षण की गुंज़ाइश के साथ ऐसा किया जाएगा। मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री और भाजपा के अन्य बड़े नेता इस रणनीति पर मंथन कर रहे हैं कि अधिकतर हिन्दू, जिनमें दलित, आदिवासी, ओबीसी भी शामिल हों, भाजपा के पक्ष में मतदान करें। आरक्षण पर पीएम ऐसा जवाब देने की फिराक़ में हैं कि 'जाति जनगणना' प्रासंगिक और प्रभावशाली मुद्दा ही न रहे। एक और मुद्दा देश के सामने आया है, जिससे साबित होता है कि प्रधानमंत्री मोदी दबाव में नहीं हैं। वह है-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का तीन पन्नों का पत्र, जो उन्होंने पीटीआई के संपादकों को लिखा था। बेटियों और महिलाओं के खिलाफ राष्ट्रपति ने विस्फोटक, मार्मिक और अभूतपूर्व प्रतिक्रिया दी है। भारत में राष्ट्रपति सार्वजनिक बयान नहीं देते। वह केंद्रीय कैबिनेट की सलाह से ही काम करते हैं। यह पत्र जारी करने से पूर्व प्रधानमंत्री दफ्तर भेजा गया होगा। फिर कैबिनेट की संस्तुति के बाद ही पत्र देश के सामने आया होगा! यह भी संभव है कि यह पत्र सरकार के स्तर पर लिखवाया गया हो और फिर 'राष्ट्रपति भवन' ने उसे जारी किया हो! राष्ट्रपति ने यहां तक कहा था कि बस, अब बहुत हो गया।' राष्ट्रपति छोटी बच्चियों के साथ दरिंदगी से बहुत आहत लगीं। उन्होंने समाज के सामने एक मुश्किल सवाल रख दिया कि क्या कोई सभ्य समाज ऐसे बर्बर, जघन्य अपराधों को बर्दाश्त कर सकता है? मेरा मानना है कि यदि प्रधानमंत्री मोदी दबाव महसूस कर रहे होते और अपनी सरकार को कमज़ोर, अस्थिर स्थिति में पाते, तो राष्ट्रपति का ऐसा पत्र कभी भी जारी न किया जाता, लेकिन दुष्कर्म और हत्याओं की नृशंसताओं पर खुद प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति के जरिए, यह संदेश देश को देना चाहते थे। प्रधानमंत्री फांसी तक की बात कह चुके हैं। बहरहाल, कई और मुद्दे हैं, जिन्हें सोशल मीडिया पर कुकुरमुत्तों की तरह उग रही विचारकों की जमात ने उठाए हैं और वे प्रधानमंत्री मोदी को दबाव में पाते हैं, लेकिन मैं देश की स्थिति और उसके निरंतर आर्थिक विकास से संतुष्ट हूं।

जनधन खाता लाया आर्थिक-सामाजिक बदलाव

अर्थव्यवस्था

सतीश सिंह

एजीएम एसबीआई और स्तंभकार

अट्ठाईस अगस्त 2014 को शुरू किए गए प्रधानमंत्री जनधन योजना यानि पीएमजेडीवाई के 28 अगस्त 2024 को 10 साल पूरे हो गए। अपने 10 सालों के सफर के दौरान इस योजना ने कई उपलब्धियां हासिल की। यह योज़ना वित्तीय समावेशन की संकल्पना को साकार करने, महिला सशक्तिकरण को बढ़ाने, डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया को गांव-गांव व घर-घर तक पहुंचाने, ग्रामीण क्षेत्र में बिचौलिए व सूदखोरों या महाजनों की भूमिका को कम करने, चोरी-चकारी की घटनाओं में कमी लाने, भ्रष्टाचार कम करने, सामाजिक बदलाव लाने, जमा और खर्च आदि में तेजी को सुनिश्चित करने में सफल रही है। चालू वित्त वर्ष में 16 अगस्त तक इस योज़ना के तहत 3 करोड़ नए खाते खोले गए हैं।

खातों की संख्या 53.13 करोड़

मार्च 2015 में जनधन खातों की संख्या 14.72 करोड़ थी, जो 16 अगस्त 2024 में बढ़कर 53.13 करोड़ हो गई, जो खाता खोलने के मामले लगभग 4 गुणा वृद्धि को दर्शाता है। खोले गए खातों में से 66.6 प्रतिशत खाते ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में हैं। सबसे महत्वपूर्ण है कि 53.13 करोड़ खाते चालू या सक्रिय हैं और उनमें 2.3 लाख करोड़ रूपये का अधिशेष है, जबकि मार्च 2015 तक महज 14.7करोड़ खाते खोले जा सके थे और उनमें 15,670 करोड़ रुपए जमा थे। अगस्त 2024 में जनधन खातों में औसत अधिशेष 4,352 रूपये रहा,जो मार्च 2015 में 1,065 रूपये था। उल्लेखनीय है कि 16 अगग्स्त 2024 तक सिर्फ 8.4 प्रतिशत जनधन खातों में ही शून्य अधिशेष था। 53.13 करोड़ खातों में से 29.56 करोड़ खाते महिलाओं के हैं, जो प्रतिशत में 55.6 है। जनधन खाता खोलने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सकारात्मक और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकारी बैंकों ने कुल खोले गए जनधन खातों में से 78 प्रतिशत खाते खोले हैं। उत्तरप्रदेश में सबसे अधिक 9.4 करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं, जबकि बिहार 6 करोड़ जनधन खाते खोलकर मामले में दूसरे स्थान पर है।

कोरोना काल में रही खास भूमिका

जनधन खाते, मोबाइल और आधार कार्ड ने कोरोना महामारी में आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से किसान सम्मान निधि का वितरण छोटे एवं सीमांत किसानों के बीच करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसकी वजह से कोरोना महामारी के दौरान बड़ी संख्या में वंचित तबके के लोग असमय काल-कवलित होने से बच गए। आज जनधन खातों की वजह से गांवों के 5 किलोमीटर के दायरे के 99.95 प्रतिशत लोगों की पहुंच बैंकिंग सुविधाओं तक हो गई है।

ओवरड्राफ्ट की भी सुविधा

गांव के लोग बैंक की शाखाओं, बैंकिंग कोरेस्पोंडेंट और भारतीय पोस्ट पेमेंट बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई बैंकिंग सुविधाओं का लाभ किसी न किसी रूप में ले रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा शुरू किए गए फोन आधारित गैर वित्तीय सेवाओं का लाभ भी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोग बिना बैंक शाखा गए ले रहे हैं, जिससे उनका कीमती समय व्यर्थ में बर्बाद नहीं हो रहा है। जनधन खाता खोलने, खातों के रखरखाव और न्यूनतम अधिशेष राशि के नहीं रहने या खाता अधिशेष शून्य रहने पर भी बैंक द्वारा कोई शुल्क नहीं लिया जाता है और ग्राहकों को 10,000 रुपये तक ओवरड्राफ्ट की सुविधा भी दी जा रही है। बैंक रुपे कार्ड भी निःशुल्क जारी कर रहे हैं, जिसके साथ ग्राहकों को 2 लाख रुपये तक का मुफ्त दुर्घटना बीमा भी दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री जनधन योजना की वजह से आज 80 प्रतिशत व्यस्क के पास औपचारिक बैंक खाता है, जबकि 2011 में यह प्रतिशत महज 50 थी। इस योजना ने वैश्विक स्तर पर वित्तीय समावेशन के संदर्भ में भारत का मान बढ़ाया है, साथ ही इसके कारण परिवार की जगह व्यक्तिगत स्तर पर आमजन की पहुंच बैंक सुविधाओं तक हुई है। वितीय समावेशन के लिए समुचित परिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के लिए जरूरी है कि आमजन की भागीदारी के साथ-साथ सरकार की भी मामले में सक्रिय हिस्सेदारी हो। इस संदर्भ में सरकार और आमजन बढ़चढ़ कर काम कर रहे हैं और निजी स्तर पर भी इसे बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है। हालांकि, अभी भी जनधन खातों के साथ-साथ लोगों को वित्तीय रूप से साक्षर करने और उन्हें ऑनलाइन धोखाधड़ी के खतरों से अवगत कराने की आवश्यकता है, जिसे निजी और सरकारी दोनों इकाइयों द्वारा लगातार किए जाने की जरूरत है,तभी प्रभावी तरीके से इन लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है। जनधन खातों से आज रुपे कार्ड ने ग्रामीणों की पहुंच दुनिया-जहान के बाजारों तक कर दी है। अब गांव के घरों में भी अमेज़न, फ्लिपकार्ट आदि देश-विदेश में बने उत्पादों की डिलीवरी कर रहे हैं।

बचत करने की प्रवृति विकसित

इतना ही नहीं, जनधन खातों ने लोगों के बीच बचत करने की प्रवृति विकसित की है साथ ही साथ खर्च करने की प्रवृति में भी इजाफा किया है, जिसका मुख्य कारण ग्रामीणों की ऑनलाइन बाजार तक पहुँच का होना है। इन बदलावों से आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आ रही है। जनधन खाते सामाजिक बदलाव के भी वाहक हैं। इनकी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं में कमी आ रही है और लोगों की जुआ खेलने और शराब पीने की लत में भी कमी देखी जा रही है। जनधन खातों ने डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने, ई-कॉमर्स के कारोबार को बढ़ाने और यूनिफाइड पेमेंट सिस्टम (यूपीआई) के जरिये डिजिटल भुगतान के मामले में दुनिया में भारत को शीर्ष पर पहुंचाने में भी मदद की है। जुलाई 2024 तक भारत में यूपीआई के जरिये 5570 करोड़ लेनदेन किए गए थे।

सरकारी योजनाओं से जोड़ें खाते

सामाजिक और आर्थिक मोर्चों पर और भी बेहतरी लाने के लिए जनधन खातों के साथ-साथ अब सरकार और बैंकों को ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में सूक्ष्म और लघु स्तर पर ऋण की सुविधा किफ़ायती दर पर उपलब्ध कराने की भी जरूरत है, ताकि ग्रामीण भारत आत्मनिर्भर बन सके और ग्रामीण क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सेदारी बढ़ सके। साथ ही साथ देश में समावेशी विकास की संकल्पना भी शत-प्रतिशत साकार हो सके। मौजूदा डिजिटलाइजेशन के दौर में यह भी जरूरी है कि शहरी व ग्रामीण आमजन को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने और उन्हें साक्षर करने की दिशा में निरंतर काम करते रहा जाये। साथ ही, सरकार को चाहिए कि वह जनधन खातों के साथ अन्य सरकारी योजनाओं को आपस में जोड़ने की व्यवस्था करे ताकि अधिक से अधिक संख्या में वंचित तबके को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

वित्तीय समावेशन के 10 स्वर्णिम वर्ष

जनधन योजना

शंभू भद्र

वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

एक समय था जब देश में बैंक में खाता खोलना जग जीतने जैसा काम था। पीएसयू बैंकों में खाता खोलने के लिए इतने कागजी दस्तावेजों की अनिवार्यता थी कि अपना ही पैसा जमा करने के लिए लोगों को पापड़ बेलने पड़ते थे। नब्बे के दशक में पीएसयू बैंकों के सरकारी बाबूइज्म को निजी क्षेत्र के बैंकों ने पहचान कर खूब फायदा उठाया और केवल खाता खोलने के लिए मिनिमम बैलेंस के नाम पर नौकरीपेशा मध्यवर्ग और छोटे व मध्यम कारोबारियों को जमकर चूना लगाया। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक आदि जैसे निजी बैंकों का उदय पीएसयू बैंकों के बाबूइज्म के स्याहकाल में ही हुआ। उसके बाद तो अनेक निजी बैंक आए, दबाव में सरकारी बैंक भी लचीले हुए, इसके बावजूद देश की करीब चालीस करोड़ से अधिक आबादी बैंकिंग सिस्टम से दूर थी। 21 वीं सदी में इतनी बड़ी आबादी का बैंकिंग सिस्टम से दूर रहना सरकार के वित्तीय समावेशन के लक्ष्य में बड़ी बाधा था। सरकार की डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) स्कीम की सफलता में भी बैंकों में खाता नहीं होने से दिक्कत आ रही थी। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में व्याप्त भ्रष्टाचार को रोकने में मुश्किल आ रही थी। इस दौर में ही बांग्लादेश में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में एक बड़ा प्रयोग हो रहा था। ग्रामीण बैंक के संस्थापक मोहम्मद यूनुस बैंकिंग क्षेत्र में क्रांति ला रहे थे। मोहम्मद यूनुस बिना दस्तावेज खाता खोलकर व बिना गारंटी छोटे लोन देकर बांग्लादेश की बड़ी आबादी को बैंकिंग सिस्टम में लेकर आए। उनके इस भागीरथ प्रयास के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार भी मिला। भारत में भी ऐसे प्रयोग की जरूरत थी। भारतीय बैंकिंग व्यवस्था पूंजीगत तरलता की समस्या से जूढ रहे थे। यूपीए सरकार ने आधार योजना से नागरिकों के बायो फिजिकल पहचान के क्षेत्र में व्यापक आधार तैयार कर दिया था। वर्ष 2014 में पीएम नरेन्द्र मोदी की सरकार आई। पीएम मोदी इन सब स्थितियों पर अच्छे से गौर किया और उन्होंने देश की बड़ी आबादी को बैंकिंग सिस्टम में लाने के लिए जनधन खाता योजना लांच की, जिसमें जीरो बैलेंस पर खाता खोलने का अभियान शुरू हुआ। प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) वित्तीय समावेशन के लिए एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में 28 अगस्त 2014 को लॉन्च की गई। वर्ष 2024 के 28 अगस्त को जनधन योजना के दस साल पूरे हुए। इस योजना ने देश में बैंकिंग सिस्टम व वित्तीय समावेशन की तस्वीर बदल दी। पीएमजेडीवाई के बुधवार (28 अगस्त) को 10 साल पूरे होने पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना की महत्वपूर्ण उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि यह वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और करोड़ों लोगों को सम्मान देने में सर्वोपरि योजना रही है। विशेष रूप से महिलाएं, युवा और हाशिए पर रहने वाले समुदाय। पीएमजेडीवाई के दस वर्ष के दरम्यान में 53.13 करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं, जिनमें 29.56 करोड़ महिला लाभार्थी हैं, जो क्रमशः यूरोपीय संघ की जनसंख्या से अधिक और अमेरिका की जनसंख्या के लगभग बराबर हैं।

जनधन खाते धारकों को रूपे कार्ड दिया जाता है, तो वर्ष 2015 में 15.74 करोड़ रूपे कार्ड धारक थे, आज वर्ष 2024 के अगस्त माह तक 36.14 करोड़ हो गए हैं। दस वर्ष में जनधन खातों में जमा दो लाख करोड़ रुपये पार कर गए हैं। वर्ष 2015 अगस्त में जनधन खातों 22 हजार 900 करोड़ रुपये जमा हुए थे, साल दर साल बढ़ते गए। वर्ष 2016 में 42 हजार करोड़ रुपये, वर्ष 2017 में 65 हजार 799 करोड़ रुपये, वर्ष 2018 में 82 हजार करोड़ रुपये जमा हुए थे। वर्ष 2019 में जनधन खातों में जमा एक लाख करोड़ रुपये पार कर गया। वर्ष 2020 में 1.30 लाख करोड़ रुपये, वर्ष 2021 में 1.45 लाख करोड़ रुपये, वर्ष 2022 में 1.72 लाख करोड़ रुपये, वर्ष 2023 में 2.02 लाख करोड़ रुपये और वर्ष 2024 में अगस्त तक 2.34 लाख करोड़ रुपये जनधन खातों में जमा हैं। ये वो पैसे हैं, जो हाशिये पर जीवन जी रहे लोगों के पास खाते नहीं होने से नकदी के रूप में गुल्लक में रहते थे। गरीबों के इन पैसों ने पब्लिक सेक्टर के बैंकों की तरलता की समस्या को कम किया। हालांकि जनधन की सफलता को देखते हुए पीएसयू बैंकों को अपनी उस रणनीति पर विचार करना चाहिए जिसमें विजय माल्या, नीरव मोदी, मेहुल चौकसी जैसे लोग व कॉरपोरेट बैंकों को सिस्टम का फायदा उठाकर चूना लगाते हैं। माइक्रो लोन व बैंकिंग से बैंक अधिक फायदा उठा सकते हैं बनिस्पत मैक्रो लोन व बैंकिंग से।

जनधन योजना की खासियतें

जब यह योजना शुरू की गई थी, तब बैंकों ने देश भर में 77,892 शिविर आयोजित किए और लगभग 1.8 करोड़ खाते खोले। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इस उपलब्धि को मान्यता दी। वित्तीय समावेशन अभियान के हिस्से के रूप में 1 सप्ताह में खोले गए सबसे अधिक बैंक खाते 18,096,130 हैं और यह उपलब्धि भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा 23 से 29 अगस्त 2014 तक हासिल की गई थी। पिछली सरकारों ने भी वित्तीय समावेशन के लिए पहल की थी, उदाहरण के लिए, पिछली यूपीए सरकार ने उन लोगों के लिए नो-फ्रिल्स बैंक खातों की योजना शुरू की थी जिनके पास खाता नहीं था, लेकिन वे लोकप्रियता हासिल करने में विफल रही थीं। पीएमजेडीवाई का सबसे प्रमुख उद्देश्य बैंक रहित व्यक्तियों के लिए एक बुनियादी बचत बैंक खाता खोलना था। पीएमजेडीवाई खातों में कोई न्यूनतम शेष राशि बनाए रखने की आवश्यकता नहीं थी, और इन खातों में नियमित खातों की तरह जमा पर ब्याज मिलता था। पीएमजेडीवाई खाताधारकों को रुपे डेबिट कार्ड दिए गए। पीएमजेडीवाई खाताधारकों को जारी किए गए रुपे कार्ड पर 1 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर उपलब्ध था। 28 अगस्त, 2018 के बाद खोले गए नए पीएमजेडीवाई खातों के लिए कवर को बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दिया गया। पात्र पीएमजेडीवाई खाताधारक 10,000 रुपये तक की ओवरड्राफ्ट (ओडी) सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

योजना की प्रगति : पीएमजेडीवाई खातों का सबसे बड़ा हिस्सा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (14 अगस्त तक 41.42 करोड़ खाते) के साथ है, इसके बाद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (9.89 करोड़ खाते), निजी क्षेत्र के बैंकों (1.64 करोड़) और ग्रामीण सहकारी बैंकों (0.19 करोड़) का स्थान है। पीएमजेडीवाई खातों के राज्यवार विश्लेषण से पता चलता है कि सबसे अधिक खाते उत्तर प्रदेश में खोले गए हैं, सबसे अधिक आबादी वाला राज्य (9.45 करोड़), और सबसे कम लक्षद्वीप में (केवल 9,256 खाते)। यूपी के अलावा 15 राज्य हैं जहां 1 करोड़ से अधिक पीएमजेडीवाई बैंक खाते हैं। बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, असम, ओडिशा, कर्नाटक, झारखंड, गुजरात, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और हरियाणा। जनधन योजना ने अर्थव्यवस्था के वित्तीय और बैंकिंग क्षेत्रों पर परिवर्तनकारी प्रभाव डाला है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

एमबीबीएस के लिए कटऑफ का टूटा रिकार्ड...

अब तक सबसे ज्यादा कटऑफ

नीट में सफल होने वाले बच्चों को पहली बार सबसे ज्यादा अंक प्राप्त हुए हैं। इस बार कटऑफ बढ़ने की संभावना है। अभी पहली सूची जारी हुई है जिसके आधार पर एडमिशन दिया जा रहा है। कटऑफ दूसरे अथवा मॉपअप राउंड के बाद ही स्पष्ट होगा।

- डॉ. यूएस पैंकरा, डीएमई

रायपुर मेडिकल कालेज में अनारक्षित का नीट स्कोर 660 महासमुंद मेडिकल कालेज के लिए चाहिए कम से कम 598

- पहली बार नीट ज्यादा बढ़ा प्राप्तांक, इस बार 50 नंबर तक बढ़ेगा कटऑफ
- पहला राउंड, रायपुर का कटऑफ 660, पिछली बार 611 अंक में हुआ था प्रवेश

वर्ष 2023 में इतना हुआ था कटऑफ

शास. कालेज	अनारक्षित	ईडब्लूएस	ओबीसी	एसटी	एससी
रायपुर	611	558	601	500	402
बिलासपुर	592	534	573	479	370
राजनांदगांव	561	520	556	468	352
जगदलपुर	571	509	544	443	348
रायगढ़	564	500	550	465	335
अंबिकापुर	557	507	546	447	334
दुर्ग	548	495	543	437	329
कांकेर	530	470	521	425	318
कोरबा	536	475	523	430	317
महासमुंद	533	473	521	425	315

5 सितंबर तक होगा प्रवेश

पहले राउंड में जारी आवंटन सूची के आधार पर स्क्रूटनी और प्रवेश का दौर प्रारंभ हो गया। इस राउंड में एडमिशन की अंतिम तारीख 5 सितंबर तय की गई है। इसके बाद दूसरे राउंड की काउंसिलिंग के लिए च्वाइस फीलिंग की प्रक्रिया 9 से 18 सितंबर तक पूरी की जाएगी।

विकास शर्मा ▶▶ रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ के सरकारी मेडिकल कालेजों में प्रवेश अनारक्षित वर्ग के लिए सपना बन गया है। पहले राउंड में रायपुर मेडिकल कालेज में प्रवेश के लिए अनारक्षित के लिए नीट स्कोर कटऑफ 660 गया है। नीट के कुल अंक 720 होते हैं। 720 में कम से कम 660 अंक रायपुर मेडिकल में प्रवेश के लिए चाहिए। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में सबसे ज्यादा कटऑफ है। यहां तक कि अंतिम स्कोर 598 तक महासमुंद शासकीय कालेज का पहुंचा है। इससे कम अंक प्राप्त करने वालों को छत्तीसगढ़ के सरकारी कालेजों में प्रवेश नहीं मिलेगा। हालांकि यह पहली लिस्ट है। कुछ प्रतियोगी प्रवेश नहीं लेंगे, उसकी वजह से बाद में एडजस्टमेंट होगा। पिछले बार रायपुर मेडिकल कालेज में अनारक्षित केटेगरी में 611अंक प्राप्त करने वालों को एडमिशन मिला था। ▶▶शेष पेज 2 पर

पहले दिन 11 एडमिशन काउंसिलिंग के पहले दिन पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति मेडिकल कालेज में 11 विद्यार्थियों ने एडमिशन लिया। वहीं, निजी मेडिकल कालेज श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में एक प्रवेश हुआ है। राजधानी के दो अन्य निजी मेडिकल कालेज का पहले दिन खाता नहीं खुल पाया है। जीएमसी रायपुर में राज्य कोटे की 189 सीट है वहीं बालाजी, रिम्स और रावतपुरा मेडिकल कालेज में राज्य कोटे की 64-64 तथा प्रबंधन कोटे की 64-64 सीटों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग की जा रही है।

लीला देवी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड फार्मेसी

बी एस सी नर्सिंग [60 Seats]

डिप्लोमा इन फार्मेसी [60 Seats]

महाविद्यालय परिसर : ग्रेटर रायपुर, मोतीपुर, जामगांव रोड, जिला -दुर्ग 9131880895, 8319870997

6, इंस्टीट्यूशनल एरिया, मुखर्जी हॉस्टल के पीछे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर 83700 77700, 7024125200

खबर संक्षेप

एनआईए ने बिहार में छापेमारी कर गोला-बारूद जब्त किए

नई दिल्ली। एनआईए ने प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बिहार के दो जिलों के सात स्थानों पर छापेमारी की। आपत्तिजनक डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और गोला-बारूद जब्त किए।

पांच लाख मूल्य का गुटखा जब्त, दो गिरफ्तार

ठाणे। पुलिस ने नवी मुंबई में एक घर से पांच लाख रुपये से अधिक मूल्य का गुटखा जब्त किया है। दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। नवी मुंबई पुलिस के मादक पदार्थ निरोधी प्रकोष्ठ ने तलोजा के पेंधर गांव में यह अभियान चलाया।

इस खबर से समझिए कि क्यों जरूरी है युक्तियुक्तकरण

गांव के स्कूलों में लाले, शहरों में शिक्षकों की भीड़ 7300 से अधिक टीचर कर रहे सहूलियत की नौकरी

स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण करने का निर्णय लिया गया था। युक्तियुक्तकरण करने का उद्देश्य जिन स्कूलों में राष्ट्रीय मानक से कम बच्चे होंगे, उन्हें आसपास के स्कूलों में मर्ज करने का प्लान था। जिन स्कूलों में अतिशेष शिक्षक होंगे, उनका तबादला कर शिक्षक विहीन या एकल शिक्षक वाले स्कूलों में पदस्थ करने की योजना थी। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से 12 हजार से अधिक शिक्षक मिलने से शिक्षक विहीन और एकल शिक्षक की समस्या का समाधान होना था। राज्य के कबीरधाम और जांजगीर-चांपा जिले को छोड़कर सभी जिलों में शिक्षकविहीन स्कूल हैं। धमतरी जिले में सबसे ज्यादा 112 स्कूल बगैर शिक्षक के चल रहे हैं।

हरिभूमि लाइव

रायपुर- सुरेंद्र शुक्ला, दुर्ग- राहुल शर्मा, जगदलपुर- अनिल सामंत, अंबिकापुर- अजय नारायण पांडे, रायगढ़- पंकज तिवारी, तखतपुर- टेकचंद कारडा की विशेष रिपोर्ट

प्रदेश में साढ़े पांच हजार स्कूल ऐसे हैं, जहां केवल एक ही शिक्षक है। 610 स्कूलों में तो शिक्षक ही नहीं हैं। राज्य के स्कूलों में 7300 से ज्यादा अतिशेष शिक्षक हैं। 4077 स्कूलों का युक्तियुक्तकरण होने से भी करीब 5000 अतिशेष शिक्षक मिलेंगे। दोनों को मिलाकर 12000 अतिशेष शिक्षक विभाग को मिलते। इन शिक्षकों को 5500 से अधिक एक शिक्षकीय स्कूल और 610 स्कूल जहां एक भी शिक्षक नहीं है, वहां पदस्थ करने की योजना बनाई गई थी। ▶▶शेष पेज 2 पर

- स्कूलों को युक्तियुक्तकरण से मिलेंगे 5000 शिक्षक

3500 स्कूलों में राष्ट्रीय मानक से कम बच्चे

मिली जानकारी के अनुसार राज्य के 3500 से 4 हजार स्कूलों में राष्ट्रीय मानक के हिसाब से कम बच्चे हैं। राष्ट्रीय मानक के अनुसार 20 बच्चे होने पर एक स्कूल खोला जा सकता है। करीब 3500 स्कूल ऐसे हैं, जहां दो-दो, चार-चार बच्चे हैं। ऐसे स्कूलों के शिक्षकों के वेतन पर करोड़ों रुपए खर्च हो रहा है। बताया गया है कि इनमें से अधिकतर स्कूल एक ही कैंपस में हैं। उन्हें आपस में मर्ज किया जाएगा, तो स्कूल मर्ज करने का सवाल नहीं उठेगा। 150 स्कूल ऐसे होंगे, जिनमें पांच से सात बच्चे हैं और उन्हें पास के गांवों में युक्तियुक्तकरण कर शिफ्ट करने की योजना बनाई गई थी।

रायगढ़

ब्लॉक	एकल शिक्षक प्राशा		
रायगढ़	09	घरघोड़ा	20
पुसौर	15	तमनार	18
धरमजयगढ़	89	खरसिया	22
		लैलूंगा	93

प्राइमरी स्कूलों में केवल एक शिक्षक, 8 स्कूल बिना शिक्षक के संचालित

जिले में 266 प्रायमरी स्कूल ऐसे हैं जहां एक ही शिक्षक है। मतलब पहली से पांचवीं तक के लिए केवल एक शिक्षक। सात प्रायमरी और एक मिडिल स्कूल में तो कोई शिक्षक ही नहीं है। सबसे खराब हालत धरमजयगढ़ और लैलूंगा की है। एकल शिक्षक स्कूलों में 70 प्रश तो इन्हीं दोनों ब्लॉकों के हैं।रायगढ़ जिले के सात ब्लॉकों का आंकड़ा देखेंगे तो भेदभाव साफतौर पर दिखेगा। आदिवासी ब्लॉकों को शिक्षा विभाग ने भगवान भरोसे छोड़ दिया है। 266 एकल शिक्षकीय प्रायमरी स्कूलों में से धरमजयगढ़ में 89 और लैलूंगा में 93 स्कूल हैं। रायगढ़ में सबसे कम 9 स्कूल ऐसे हैं। शिक्षक विहीन स्कूलों में 3 धरमजयगढ़, 3 घरघोड़ा, 1 खरसिया और एक लैलूंगा में हैं। मतलब 70 प्रतिशत शिक्षक विहीन स्कूल धरमजयगढ़ और लैलूंगा में हैं। लैलूंगा में तो एक मिडिल स्कूल भी शिक्षक विहीन है। शिक्षकों की ट्रांसफर और पोस्टिंग का समय आता है तो सांठगांठ शुरू हो जाती है। हर शिक्षक शहर में ▶▶शेष पेज 2 पर

- लैलूंगा और धरमजयगढ में स्कूली शिक्षा की सबसे अधिक अव्यवस्था

सकर्रा में दो के लिए तीन तो छवारी पाली में 18 बच्चों को पढ़ाने पांच शिक्षक

- सक्ती जिले में शिक्षा व्यवस्था का अनोखा हाल

जांजगीर-चांपा

नवगठित जिला सक्ती के सकर्रा गांव के दो बच्चों वाले स्कूल में तीन शिक्षक हैं। तो छवारी पाली में 18 बच्चों को पढाने के लिए पांच शिक्षक पदस्थ हैं। विडंबना यह है कि इन स्कूलों की यह दर्ज संख्या इसी साल कम नहीं हुई है, बल्कि पिछले साल भी यहां गिनती के बच्चे ▶▶शेष पेज 2 पर

चितावर के स्कूल में शिक्षक ही नहीं

तखतपुर

शासन द्वारा युक्ति युक्तिकरण स्थगित कर देने से उन स्कूलों में शिक्षक नहीं पहुंच पाएंगे जहां शालाएं संचालित तो हैं पर एक भी शिक्षक नही है। ग्राम चितावर में जहां एक भी शिक्षक नहीं है वहीं नगर के मिडिल स्कूल में 9 शिक्षक पदस्थ हैं। उधार के भवन और उधार के शिक्षक से चितावर ▶▶शेष पेज 2 पर

जामा मिडिल स्कूल में 5 बच्चों को पढ़ाने के लिए 6 शिक्षक

- गांवों के दर्जनों स्कूल 1 शिक्षक के भरोसे

अंबिकापुर

शहरी क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षकों की संख्या अधिक होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों की पढ़ाई ध्वस्त हो गई है। शहरी क्षेत्र के स्कूलों में बच्चों की संख्या कम होने के बावजूद स्वीकृत पद से अधिक शिक्षक पदस्थ हैं वहीं ग्रामीण क्षेत्र के स्कूल वर्षों से शिक्षकों की कमी से जूझ रहे ▶▶शेष पेज 2 पर

दुर्ग में 12 ऐसे स्कूल जहां एक भी शिक्षक नहीं

दुर्ग

दुर्ग में 12 ऐसे स्कूल हैं जहां एक भी शिक्षक नहीं है। यह स्कूल गांव-देहात के हैं। वहीं शहरों में शिक्षकों की भरमार है। शहरों में30 बच्चों पर 4 और 130 बच्चों पर 11 शिक्षक जैसे कई उदाहरण हैं। तीस बच्चों पर प्राथमिक स्कूल में एक और मिडिल में 35 बच्चों पर एक शिक्षक का प्रावधान है। ▶▶शेष पेज 2 पर

दीक्षांत समारोह में दी उपाधि...

बिलासपुर। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर के अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 5वां दीक्षांत समारोह में शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा शामिल हुए। उन्हें भारतीय न्याय व्यवस्था में अमूल्य योगदान पर पी.एच.डी. की मानद उपाधि से विभूषित किया गया। कार्यक्रम में इससे पहले दीक्षांत समारोह शोभायात्रा निकाली गई। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि विश्वविद्यालय ▶▶शेष पेज 2 पर

ग्राम पंचायत गेतरा में खुंटिया नाला के किनारे संचालित हैं एक दर्जन से अधिक खदान

छुही मिट्टी की खदान धंसी, मलबे में दबने से युवती की मौत, दो गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मानीचौक

ग्राम पंचायत गेतरा में छुही मिट्टी खोदने के दौरान मिट्टी की खदान धसक गई। खदान के मलबे में दबने से एक युवती की मौत हो गई जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। गंभीर रूप ▶▶शेष पेज 2 पर

सुबह होते ही पहुंच जाती है दूर-दूर की महिलाएं

की जा रही कार्रवाई

छुई खदान के धंसने से एक युवती की मौत हो गई है वहीं दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हैं। मृतका का शव पीएम के लिए भेजा गया है।

- विमलेश दुबे, टीआई, सूरजपुर कोतवाली

टीकाकरण के बाद दो नवजात की मौत, दवाओं की बैच सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर/कोटा

कोटा के ग्राम पंचायत पटैता कोरीपारा में टीकाकरण के बाद 2 नवजात की मौत हो गई। दो दिन पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पंचायत के 7 बच्चों का टीकाकरण किया गया था। शनिवार को इनमें से दो बच्चों की मौत हो गई है। वहीं 5 बच्चों को भर्ती कराया गया है। करगी रोड कोटा नगर से 6 किमी दूर ग्राम पंचायत पटैता कोरीपारा में दो नवजात बच्चों की मौत टीकाकरण के 24 घंटे के भीतर हो गई है। मामले की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। कोटा बीएमओ ने खबर फैलते ▶▶शेष पेज 2 पर

- कोटा क्षेत्र के ग्राम पंचायत पटैता कोरीपारा की घटना

निर्वाचन आयोग ने बदली तारीख

हरियाणा में अब 5 अक्टूबर को होगा मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने बिश्नोई समुदाय के सदियों पुराने त्योहार को ध्यान में रखते हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख एक अक्टूबर से बढ़ाकर पांच अक्टूबर कर दी। जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों की मतगणना अब चार अक्टूबर के बजाय आठ अक्टूबर को होगी। निर्वाचन आयोग ने कहा कि यह निर्णय बिश्नोई समुदाय के मतदान के अधिकार और परंपराओं का सम्मान करने के लिए लिया गया है, जिसने अपने गुरु जम्भेश्वर की याद में 300-400 साल पुरानी परंपरा को बरकरार रखा है।

हरियाणा में एक ही चरण में मतदान

बता दें कि हरियाणा विधानसभा की 90 सीटों के लिए एक ही चरण में मतदान होगा। चुनाव आयोग ने पहले हरियाणा के लिए 1 अक्टूबर को मतदान कराने की घोषणा की थी। वहीं नतीजे 4 अक्टूबर को आने थे। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में भी चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ था। यहां भी नतीजे 4 अक्टूबर को ही आने थे, लेकिन अब आयोग ने तारीखों में बदलाव किया है। हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर 2024 को समाप्त होने वाला है।

भाजपा-लोकदल ने भी की थी तारीख बदलने की मांग

भाजपा और इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) की ओर से भी चुनाव आयोग से तारीख बदलने की मांग की गई थी। दोनों दलों ने आयोग से लिखित रूप से अनुरोध करते हुए कहा था कि चुनाव की तारीख 1 अक्टूबर को आगे बढ़ाया जाए। यह तारीख सप्ताहांत, सार्वजनिक छुट्टियों और धार्मिक त्योहारों से टकरा रही है। उनके अनुसार, 29 और 30 सितंबर को शनिवार और रविवार की छुट्टियां हैं। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के कारण फिर से अवकाश रहेगा। ऐसे में लोग छुट्टियों का फायदा उठाकर अपने शहर से बाहर जा सकते हैं, जिससे मतदान का प्रतिशत कम हो सकता है।

कांग्रेस नेता ने परिवार समेत खाया जहर, बड़े बेटे की अस्पताल में मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर-चांपा

कोतवाली क्षेत्र में एक कांग्रेस नेता ने परिवार सहित जहर खा लिया है। बड़े बेटे की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार शारदा चौक निवासी पंचराम यादव (66) उसकी पत्नी दिनेश नंदनी यादव (55) पुत्र नीरज यादव (बंटी) (28) और सूरज यादव (25) ने 30 अगस्त को एक ▶▶शेष पेज 2 पर

पुलिस कर रही मामले की जांच

तीन सदस्यों का हो रहा इलाज

परिवार के तीन सदस्यों का उपचार बिलासपुर के आरबी हॉस्पिटल में चल रहा है। तीनों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। कोतवाली थाना प्रभारी प्रवीण द्विवेदी ने बताया कि यादव परिवार के चार सदस्यों के जहर सेवन के कारणों का पता नहीं चला है। बड़े बेटे की मौत हो गई है। मामले की जांच की जा रही है।

डेब्यू फिल्म के लिए मिली थी सिर्फ 11 हजार रुपए की फीस

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव आज 31 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाया। इन दिनों एक्टर अमर कौशिक के निर्देशन में बनी और सिनेमाघरों में लगी फिल्म 'स्त्री 2' की वजह से खूब चर्चा बटोर रहे हैं। एक्टर ने फिल्म 'लव सेक्स और धोखा' से एक्टिंग डेब्यू किया था। उन्हें यह पहला ब्रेक दिबाकर बनर्जी ने दिया था। कई ऑडिशन देने और लंबे संघर्ष के बाद निर्देशक दिबाकर बनर्जी की फिल्म 'लव, सेक्स और धोखा' में राजकुमार राव को ब्रेक। यह फिल्म साल 2010 में आई थी। राजकुमार को 'लव, सेक्स और धोखा' के लिए सिर्फ 11 हजार रुपए फीस दी गई थी। इस साल मई में उनकी फिल्म 'श्रीकांत' रिलीज हुई, जो कि बायोपिक है। इसमें एक्टिंग अपने अभिनय के लिए एक्टर की खूब सराहना हुई।

जर्नलिज्म की इज्जत रखो

मुंबई। कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी 06 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की रिलीज से पहले कंगना रनौत प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसके लिए वो अलग-अलग मीडिया पोर्टल को इंटरव्यू दे रही हैं। फिल्म के प्रमोशन के लिए एक मीडिया पोर्टल को दिए इंटरव्यू के बाद कंगना रनौत का उस मीडिया पोर्टल पर गुस्सा फूटा है। कंगना अपने एक्स हैंडल पर ट्वीट करके मीडिया पोर्टल के साथ नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट कर उस मीडिया पोर्टल से कहा, जर्नलिज्म की इज्जत रखो। दरअसल, मीडिया पोर्टल ने कंगना रनौत के इंटरव्यू के इंटरव्यू का सिर्फ एक छोटा क्लिप जारी किया है। इस क्लिप में कंगना रनौत किसान आंदोलन और आरक्षण पर अपनी राय देती नजर आ रही हैं।

कार्यालय नगर पंचायत मल्हार, जिला- बिलासपुर (छ. ग.)

क्रमांक/1300/नं.पं./ लो.नि.वि./2024-25 मल्हार दिनांक 31-08-2024

निविदा सुधार सूचना

एतद् द्वारा सर्वसम्बंधित को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत मल्हार कार्यालय के पत्र क्रमांक 1298 दिनांक 30-08-2024 के द्वारा मेनुअल निविदा आमंत्रित किया गया है। जिसके हरिभूमि समाचार पत्र में दिनांक 31-08-2024 को प्रकाशित अंक में निविदा तिथियों के प्रकाशन में त्रुटि पायी गयी है। अतः निम्नानुसार निविदा तिथि पढ़ा जावे। शेष यथावत रहेगा।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 23/09/2024 सायं 5.00 बजे तक
2. परीक्षण उपरांत पात्र आवेदकों को निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि - 24/09/2024 सायं 5.00 बजे तक
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय - 27/09/2024 सायं 3.00 बजे तक
4. निविदा खोले जाने की तिथि व समय - 27/09/2024 सायं 4.00 बजे

(समस्त करों का भुगतान कर अच्छे नागरिक का परिचय देवें।)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत मल्हार, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय मां दन्तेवश्वरी मक्का प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी समिति मर्यादित कोण्डागांव, जिला कोण्डागांव (छ.ग.)

पंजीयन क्रमांक-AR/KNG/19 date 12.02.2019 Email Address-mmpskgn@gmail.com

क्रमांक/84/मक्का प्रसं/नि.आं./2024 कोण्डागांव, दिनांक 30.08.2024

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

प्रबंध संचालक, माँ दंतेश्वरी मक्का प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी समिति मर्यादित कोण्डागांव (छ.ग.) निम्न निविदाऐं आमंत्रित करता है, विवरण निम्नानुसार है :-

निविदा सरल क्र.	निविदा कार्य	निविदा क्र.	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खुलने की तिथि एवं समय
1	कुशल तकनीकी कार्यबल आपूर्ति हेतु	158099	08.09.2024 सायं 06.30 PM	09.09.2024 दोपहर 01.00 PM
2	अकुशल कार्यबल आपूर्ति हेतु	158149	27.09.2024 सायं 06.30 PM	30.09.2024 दोपहर 01.00 PM
3	सूखा धान भूसा आपूर्ति हेतु	158189	18.09.2024 सायं 06.30 PM	19.09.2024 सुबह 11.00 AM
4	केमिकल, यीस्ट एवं एंजाईम आपुर्ति के दर अनुबंध हेतु	मक्का. प्रसं./स्था./ निविदा-14/2024	17.09.2024 सायं 05.00 PM	18.09.2024 सुबह 10.30 AM

वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in / https://kondagaon.gov.in से निविदा सरल क्रमांक 01 से 03 तक तथा https://kondagaon.gov.in से निविदा सरल क्रमांक 04 की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सही
प्र.प्रबंध संचालक

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

नि. क्रं.68/न.पा.नि./जोन क्रं.06/2024-25 दिनांक 30/08/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निर्माण कार्य हेतु दिनांक 23.09.2024 को सायं काल 5:30 बजे तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा क्रमांक/ सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.लाख में)	अमानत राशि
158173	वार्ड क्र. 38 से 46 में विभिन्न स्थानों पर पेच रिपेरिंग (सी.सी. सड़क मरम्मत) कार्य।	30.00	23000.00
158163	वार्ड क्र. 38 से 46 तक जल प्रदाय संचालन हेतु 21 अकुशल पंप आपरेटर प्रदाय कार्य।	26.81	21000.00

उपरोक्त प्रदाय कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

जोन आयुक्त, जोन क्र.06
Green City, Clean City, Dream City. नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गोड्डा

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

अल्पकालीन ई0–निविदा संख्याः– 11/2024-25/RWD/EE/GODDA दिनांकः 29-08-2024

कार्य का विवरणः मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, गोड्डा द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/ पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की तिथि/ अवधि	टेन्डर कॉल
1	RWD/EE/GODDA/ 24/2024-25	रामनगर से गंगटा बाईपास तक पथ निर्माण कार्य (लं0–2.245 कि0मी0)	1,56,69,800.00	एक करोड़ छप्पन लाख उनहत्र हजार आठ सौ रू0 मात्र	09(नौ) माह	प्रथम
2	RWD/EE/GODDA/ 25/2024-25	कनमारा से बुढ़वातरी बाँध तक पथ निर्माण कार्य (लं0–2.400 कि0मी0)	2,03,82,600.00	दो करोड़ तीन लाख बेरासी हजार छह सौ रू0 मात्र	12(बारह) माह	प्रथम
3	RWD/EE/GODDA/ 26/2024-25	लक्ष्मीकित्ता से रमला संथाली तक पथ निर्माण कार्य (लं0–1.450 कि0मी0)	1,46,72,500.00	एक करोड़ छियालीस लाख बहत्तर हजार पाँच सौ रू0 मात्र	09(नौ) माह	प्रथम
4	RWD/EE/GODDA/ 27/2024-25	नहर चौक से जगता टोला तक पथ निर्माण कार्य (लं0–4.930 कि0मी0)	4,22,04,000.00	चार करोड़ बाइस लाख चार हजार रू0 मात्र	15(पन्द्रह) माह	प्रथम
5	RWD/EE/GODDA/ 28/2024-25	चनायचक से सनौर तक पथ निर्माण कार्य (लं0–4.650 कि0मी0)	4,94,63,900.00	चार करोड़ चौरानबे लाख तिरेसठ हजार नौ सौ रू0 मात्र	15(पन्द्रह) माह	प्रथम
	RWD/EE/GODDA/ 29/2024-25	मुख्य पथ से बढ़गामा तक पथ निर्माण कार्य (लं0–2.260 कि0मी0)	2,02,25,500.00	दो करोड़ दो लाख पचीस हजार पाँच सौ रू0 मात्र	12(बारह) माह	प्रथम
	RWD/EE/GODDA/ 30/2024-25	तेलनीमोड़ से रमडु ग्राम तक पथ निर्माण कार्य (लं0–2.250 कि0मी0)	2,50,43,500.00	दो करोड़ पचास लाख तैतालीस हजार पाँच सौ रू0 मात्र	12(बारह) माह	प्रथम
	RWD/EE/GODDA/ 31/2024-25	ग्राम गंगटाकला पुराना पंचायत भवन से जंगल टोला होते हुए छोटा पुल तक पथ निर्माण कार्य (लं0–2.135 कि0मी0)	2,09,88,700.00	दो करोड़ नौ लाख अठासी हजार सात सौ रू0 मात्र	12(बारह) माह	प्रथम

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः– 03.09.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः– 19.09.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः–20.09..2024 अपराह्न 05.00 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, गोड्डा।
5. ई–निविदा प्रकोष्ठ का मोबाईल नं0– 9973573276
6. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–शुल्क भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जबाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग,
कार्य प्रमण्डल, गोड्डा

PR 334096 Rural Work Department(24-25).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला

mail-rdsdgumla123@gmail.com

अति अल्पकालीन पुर्ननिविदा ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/GUMLA/10/2024-25 (2nd Call)

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः

ग्रुप० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राषि	अग्रधन की राषि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	गुमला जिलान्तर्गत चैनपुर प्रखण्ड के जनावल पंचायत के ग्राम राजाडेरा एवं नवगई डिपाडीह पथ के बीच शंख नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण।	4,67,52,700.00	9,35,100.00	10,000.00	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 06.09.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 06.09.2024 से दिनांक 12.09.2024 को अपराह्न 2:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गुमला।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 13.09.2024 अपराह्न 5:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः–कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06524223013 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।

PR.NO.334354 Rural Development(24-25):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, देवघर

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना (1st Call)

ई–निविदा प्रसंग संख्या - RCD/DEOGHAR/1601//2024-25 (1st Call)
Date :-28.08.2024

1.	कार्य का नाम	पथ प्रमण्डल, देवघर अन्तर्गत "महजोरी से मारगोमुण्डा पथ (कुल लम्बाई–2.271 कि0मी0) का पुनर्निर्माण कार्य"।
2.	प्राक्कलित राशि (रुपये में)	रुपये **5,37,05,830.00** (पाँच करोड़ सैतीस लाख पाँच हजार आठ सौ तीस रुपये मात्र)।
3.	कार्य समाप्ति की अवधि	04 (चार) माह।
4.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	24.09.2024 (12:00 बजे दिन तक)
5.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	04.09.2024 (10:30 बजे पूर्वाह्न)
6	निविदा आमंत्रित करने वाले का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, देवघर।
7	प्रोक्युरमेंट अधिकारी का सम्पर्क नम्बर	**06432-299919**
8.	ई–प्रोक्युरमेंट सेल का हेल्पलाईन नम्बर	0651–2401010

नोट –
निविदा की राशि घट–बढ़ सकती है।
अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखें।

कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, देवघर।

PR 334171 Road(24-25)#D

श्रेया घोषाल ने कैंसिल किया कॉन्सर्ट...

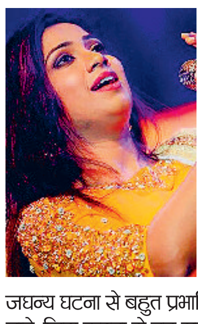

मुंबई। कोलकाता में हुई रेप और मर्डर की घटना ने देश में हर किसी को अंदर तक निचोड़कर रख दिया है। वहीं, बेहतरीन सिंगर श्रेया घोषाल ने कोलकाता में अपना कॉन्सर्ट कैंसिल कर दिया है। सिंगर ने इंस्टाग्राम और एक्स पर घोषणा की कि वह सितंबर में कोलकाता में परफॉर्म नहीं करेंगी क्योंकि वह शहर में हाल ही में एक डॉक्टर के 'भयानक' बलात्कार और हत्या से 'गहराई से प्रभावित' थीं। श्रेया ने लिखा, 'मैं हाल ही में कोलकाता में हुई भयानक और जघन्य घटना से बहुत प्रभावित हूं। खुद एक महिला होने के नाते, जिस क्रूरता से वह गुजरी होगी उसका विचार ही अकल्पनीय है और मेरी रीढ़ में सिहरन पैदा कर देती है। दुखते दिल और गहरे दुख के साथ, मैं और मेरे प्रमोटर हमारे कॉन्सर्ट 'श्रेया घोषाल लाइव, ऑल हार्ट्स टूर इश्क एफएम ग्रैंड कॉन्सर्ट' को पोस्टपोन करना चाहते हैं।

चियान बॉलीवुड में करना चाहते हैं काम...

मुंबई। चियान विक्रम इस वक्त अपनी फिल्म 'तंगालन' को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है और बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। यह 15 अगस्त को साउथ में रिलीज हो चुकी है, और अब 6 सितंबर को हिंदी भाषा में भी रिलीज की जाएगी। चियान विक्रम ने हाल ही एक इंटरव्यू में कहा कि वह बॉलीवुड में काम करना चाहते हैं। एक इंटरव्यू में पूछा गया था कि क्या वह किसी हिंदी फिल्म में काम करेंगे? इस पर विक्रम ने हामी भरी, पर साथ ही यह भी बताया कि वह किस शर्त पर किसी हिंदी फिल्म का हिस्सा बनेंगे। विक्रम ने कहा कि वह रोल उतना ही आकर्षक और दमदार होना चाहिए, जितना वह तमिल फिल्मों में प्ले करते हैं। चियान विक्रम ने कहा कि वह सही मौके का इंतजार कर रहे हैं। वह ऐसा रोल करना चाहते हैं, जो उनके जुनून और समर्पण से मेल खाता हो। अगर हिंदी फिल्म में उन्हें ऐसा रोल मिलता है, तो जरूर करेंगे।

सरोगेसी के जरिए मां बनेंगी टीना

मुंबई। टीवी शो उतरन से दर्शकों के दिल में जगह बना चुकी एक्ट्रेस टीना दत्ता काफी समय से इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। टीना बिग बॉस 16 में भी कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आई थीं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनके पेरेंट्स चाहते हैं कि वो जल्दी से जल्दी मां बन जाएं। हालांकि इस कहानी में एक ट्विस्ट है और वो क्या है ये हम आपको आगे की कहानी में बताएंगे। इंटरव्यू में टीना ने बताया कि उनके पेरेंट्स चाहते हैं कि वो शादी कर लें और अगर वो शादी नहीं करना चाहिए हैं तो सरोगेसी के जरिए बच्चा पैदा कर लें। वहीं टीना ने एग्स फ्रीज करवाने के कंसेप्ट को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, मैं एग फ्रीजिंग के कंसेप्ट को लेकर ओपन हूं। मेरी एक बेस्ट फ्रेंड ने मुझे यह काम करने के लिए कहा है। मुझे लगता है कि जब लड़कियां 20 साल की होती हैं उन्हें तभी अपने एग्स फ्रीज करवा लेने चाहिए क्योंकि उस समय आपके एग्स सबसे ज्यादा फर्टाइल होते हैं। मुझे लगता है कि 35 साल की उम्र तक एग्स फ्रीज करने का सबसे अच्छा समय होता है। सभी लड़कियों को अपने एग्स फ्रीज कर लेने चाहिए।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment
आवश्यकता

मार्केटिंग

आवश्यकता है- पोल्ट्री मेडिसिन की मार्केटिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है। योग्यता- ग्रेजुएशन एंड्राइड मोबाइल एवं टू व्हीलर अनिवार्य सम्पर्क करें मोबाइल नंबर:- 8085585019.(RO-2964)

आवश्यकता है- रियलएस्टेट मार्केटिंग कार्य हेतु अनुभवी लड़के एवं लडकियों के लिए सुनहरा मौका, प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कंपनी मनोज राजपूत लेआउट प्राइवेट लिमिटेड में अनुभवी मार्केटिंग प्रोफेशनल की आवश्यकता है चयनित उम्मीदवारों को सैलरी के साथ इंसेंटिव दिया जाएगा। संपर्क करें- 7247006609, 7247006610.(आरो नं - 6372)

क्लासीफाईड

Healthcare

गुप्त रोगो का सफल ईलाज
पैसा ठीक होने के बाद

- गुप्त रोग, नामर्दी
- लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन
- पेशाब से धातू जाना।
- लिंग में ढीलापन,
- शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।

निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
9174440077, 9009330088

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- आटो पार्टस की पेकिंग हेतु मेहनती लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है। पता-186, मॉडल टाउन शिवाजी चौक के पास, नेहरू नगर भिलाई फोन - 8770483120, 8103772795, वेतन 7000/- (आरो न.-572)

गार्ड/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- TIRUPATI BALAJI FOODS, Tilda Neora Recruitment (Rice Mill) Security Guard/ Supervisor, Accountant, HR Executive, Production Dispatch/ Quality/ Store/ Maintenance Supervisor/ Truck/ Car Driver Contact- 9109994201, 8788197848.(RO-2962)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- अनुभवी और स्मार्ट सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है संपर्क करें:- KOOL BEB'S अग्रसेन चौक नेहरूनगर भिलाई । मो.- 9827490990.(आरो न.-569)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- हार्डवेयर दुकान में कार्य करने के लिए आठवीं पास लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करे:- जैन हार्डवेयर एंड टूल्स, बाम्बे मार्केट, रायपुर, 9229101124.(RO-398)

सुपरवाइजर/वेटर

आवश्यकता है- होटल (लॉज) हेतु अनुभवी सुपरवाइजर, वेटर, एवं बाई की आवश्यकता है। संपर्क करें:- 9340988312, 9425507504.(RO-325)

हाउसकीपिंग/मैनेजर

आवश्यकता है- होटल में कार्य हेतु हाउसकीपिंग महिला एवं पुरूष एवं मैनेजर, वेटर, सिक्योरिटीगार्ड, कम्प्युटर आपरेटर एवं चैनमशीन आपरेटर एवं रेत खदान में काम करने हेतु युवकों की आवश्यकता है। संपर्क पप्पू मिश्रा मो.79923-26611.(आरो न.-571)

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- लेथ मशीन ऑपरेटर, वेल्डर, और हेल्पर की। पता बाराडेरा, सीआरपीएफ कैंप के पास, मंदिर हसौद, रायपुर संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 7024347173. (RO-2960)

आवश्यकता है- वैल्डर वा हैल्पर की आवश्यकता है परमानेंट नौकरी के लिए सम्पर्क करे गौरव इंजीनियरिंग वर्कस, धमधा रोड बाईपास के पास, दुर्ग Phone no. 9329870104.(आरो नं-276)

हरिभूमि क्लासीफाईड

कुक/मिस्त्री

आवश्यकता है- पंजाबी एवं सिंधी खाना बनाने हेतु अनुभवी बावर्ची महिला/ पुरुष की आवश्यकता है। संपर्क जल विहार कॉलोनी होरिजनल हॉस्पिटल चौक रायपुर (छ.ग.) मोबाइल नंबर- 9098137389, 9926145100. (RO-6471)

आवश्यकता है- न्यू राजेंद्रनगर रायपुर घर में शाकाहारी खाना बनाने महिला कुक की आवश्यकता है। काम का समय सुबह 10.30 से 1 और शाम को 5.30 से 7.30 तक, वेतन 6000/- संपर्क करें 8120289207, 9300201654.(RO-6468)

आवश्यकता है- रेस्टोरेंट में खाना बनाने के लिए मिस्त्री की आवश्यकता है। टिफिन डिलीवरी के लिए लड़के की आवश्यकता है (पार्ट टाइम) टेस्ट ऑफ़ पंजाब Golcha enclave के सामने मारुति residenci रोड Amlidih रायपुर 9826162764.(RO-4449)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- बंगलो एवं ऑफिस मे कार्य हेतु सुरक्षा गार्ड एवं घरेलु नौकर पुरुष की तत्काल आवश्यकता है अनुभव- 5-10 वर्ष उम्र 25-35 वर्ष वेतन योग्यतानुसार अनुभवी ही संपर्क करें:- 9109222000. (RO-2959)

आवश्यकता है- "होटल" जेलरोड, तेलीबांधा रायपुर हेतु सुपरवाइजर 4, सुरक्षा गार्ड 30, लेडी गार्ड 4, मार्केटिंग अधिकारी 2, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर (आवास एक टाइम भोजन फ्री गार्ड हेतु गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन 10000/- से 15000/- संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED 434 चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल नंबर:- 7746000016, 7747000019.(RO-2955)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- कोरबा, रायगढ़, कोरिया, सूरजपुर हेतु Doctor (MBBS) Pharmacist (D/B Pharma), Laboratory Technician (DMLT), Driver (Heavy Vehicle Licence), mmuseclmpcg@gmail.com (RO-6470)

ऑपरेटर/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- उरला बिरगांव में कार्य हेतु आवश्यकता- फ्लेक्सों ऑपरेटर+ कटिंग मशीन ऑपरेटर+ सुपरवाइजर पता- अशोक एंटरप्राइजेस उरला बिरगांव रायपुर मोबाइल 8770676924 संपर्क सुबह 10 से शाम 5 बजे तक (RO-4448)

सेनेटरी/शोरूम कार्य

आवश्यकता है- टाइल्स एवं सेनेटरी के शोरूम में कार्य हेतु युवकों की आवश्यकता है। सम्पर्क मनन इंटरप्राइजेज, विधानसभा रोड , मोवा थाना के सामने, रायपुरः मोबाइल : 9827109679.(RO-233)

ड्रायवर/हमाल

आवश्यकता है- ड्राइवर + हमाल + पैकिंग लड़के, अनुभवी एकाउंटेंट + सेल्स के लिए लड़के, कम्प्यूटर ऑपरेटर। संपर्क करे- गोकुल सुपर बाजार, एलआईसी के सामने, पंडरी, रायपुर। 7489770673, 9826183500. (RO-420)

डाटा कॉलिंग

आवश्यकता है- डाटा कॉलिंग के लिए सिखी हुई लड़कियों की आवश्यकता है। स्थानः-नेहरू नगर भिलाई (ऑफिस) जिला-दुर्ग मो.- 81033-43389.(आरो न.-570)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

कम्प्युटर/ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- शीतला एजेंसी (vehicle spare parts)में कंप्यूटर एवं ऑफिस कार्य हेतु लडको की आवश्यकता है सैलेरी योग्यतानुसार संपर्क 9300229026, 9300629026, भाटागांव चौक न्यू बस स्टैंड रायपुर (RO-1751)

अकाउंटेंट/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- कलेक्शन एजेंसी को भिलाई में (1) अकाउंटेंट पद 05 वेतन- (10000-25000) (2) टेलिकॉलर पद 20 वेतन (7000-12000) (3) फील्ड एग्जीक्यूटिव पद 10 वेतन 10000 +TA. Contact : 9589049626, 6232010617, Mail :egenesis.2023@gmail.com, हेड ऑफिस- इ जेनेसिस फाइनेंसियल सोलूशन्स, 4/16 दक्षिण गंगोत्री, सुपेला, भिलाई.(आरो.-SP/1889)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के, लड़कियों , गृहणियां कमाए (18000-55000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ SMS/ WhatsApp/ करें - 07903284986 (RO-431)

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 7003467406, 7645886307. (RO-432)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

Property
प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- शंकरनगर मेन रोड दुर्ग में स्थित मकान अतिशीघ्र बेचना है। साईज 2000 वर्गफीट संपर्क करे:-मो.- 9893987304, 9993738918.(आरो नं - 6373)

मकान बेचना है- दुर्ग साईनगर चिखली धमधा रोड नवनिर्मत स्वतंत्र नया मकान बेचना है, फालसिलिंग पर्सनल बोर किया हुआ फाइनेंस सुविधा उपलब्ध है। संपर्क करें:- 96916-31036, 91110-08008. (आरो न.-573)

बेचना है - रायपुर VIP सिटी सड्डू अंबुजा मॉल के आगे 1075 वर्गफीट प्लॉट में 2000 न्यू कंस्ट्रक्शन 4 BHK डुप्लेक्स मकान सर्व सुविधा युक्त तत्काल बेचना है संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 9971596624, 8076337667.(RO-2961)

Purchase
खरीदना

ज़मीन खरीदना है- लगभग 5 लाख रुपया एकड़ भाव की 2-4 एकड़ खेती योग्य, डामर रोड टच, गैर आदिवासी, दुर्ग नगर से 50-60 किलोमीटर तक खरीदना है। वाट्सएपः- 9039619131.(आरो नं - 6374)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

क्या आप देना चाहते है...
अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद
"तलाश की नई सुबह"
तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड
Space Available for Ad.
6263818152

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
विधवा महिला 13/12/1977 5'-1" पीजी, पीएचडी, प्रिंसिपल सरकारी सर्विस मासिक आय 97000 सीधा साधा घरेलू वर चाहिए सभी जरूरतमंद मान्य है जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें
9179472796
7440917990

वधु चाहिए

वधु चाहिए
बंगाली कायस्थ अडाणी कार्पोरेट ग्रुप अहमदाबाद गुजरात में एक्जीक्यूटिव सैंक के पद पर कार्यरत मासिक आमदनी 6 अंकों में, उम्र 30वर्ष, कद 5'-9" रंग गोरा सुन्दर सुशील, हेण्डसम, इकलौते लड़के के लिए बंगाली कायस्थ सुन्दर सुयोग्य वधू नोंकरीशुदा या बिना नोंकरी करने वाली वधू चाहिए। बंगाली ब्राह्मण परिवार भी सम्पर्क कर सकते हैं, लड़के के माता पिता शासकीय सेवा से जुड़े हुए है एवं मूलतः बिलासपुर छत्तीसगढ़ में निवासरत है।
सम्पर्क करें
9926159604

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

रायपुर, रविवार, 1 सितंबर 2024 भद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्दशी I वर्ष : 23 I अंक : 45 I पृष्ठ : 12+4 +4= 20, मूल्य : 5 .00** haribhoomi.com

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

दिल्ली में 15 साल का टूटा रिकॉर्ड

वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो अगस्त के दौरान 2010 के बाद से इस महीने में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है। दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग स्थित वेधशाला ने अगस्त में शुक्रवार शाम तक 390.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की, जो अगस्त 2012 में दर्ज 378.8 मिमी वर्षा से अधिक है। इससे पहले भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया था कि पिछले 15 वर्षों में दिल्ली में सबसे अधिक वर्षा 2010 में 455.1 मिमी दर्ज की गई थी।

अगस्त में जमकर बरसे मेघ

उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश ने तोड़ा 23 साल का रिकॉर्ड

अगस्त में उत्तर-पश्चिम भारत में 253.9 मिमी बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नई दिल्ली

देश के अधिकांश हिस्सों में अगस्त माह के दौरान जमकर बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक अगस्त माह के दौरान भारत में सामान्य से 15.7 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। अगस्त में उत्तर-पश्चिम भारत में 253.9 मिमी बारिश हुई जो 2001 के बाद हुई दूसरी सबसे अधिक बारिश है। इस दौरान कुछ राज्यों में सामान्य से कम बारिश भी हुई है। अगस्त में भारत में औसत न्यूनतम तापमान 24.29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कुछ राज्यों में हुई है सामान्य से कम बारिश

मानूसन सीजन में जमकर हुई बारिश

एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि देश में अगस्त में 287.1 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य तौर पर 248.1 मिमी बारिश होती है। कुल मिलाकर, एक जून को मानसून की शुरुआत के बाद से भारत में अब तक 749 मिमी वर्षा हुई है, जबकि इस अवधि में सामान्य तौर पर 701 मिमी बारिश होती है।

हिमालय के तराई क्षेत्रों में कम वर्षा

आईएमडी प्रमुख ने कहा कि हिमालय के तराई क्षेत्रों और पूर्वोत्तर के कई जिलों में सामान्य से कम वर्षा हुई, क्योंकि अधिकांश निम्न दबाव प्रणालियां अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर चली गईं। मानसून का प्रवाह भी अपने सामान्य स्थिति से दक्षिण में बना रहा। उन्होंने बताया कि केरल और महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के साथ-साथ पूर्वोत्तर के कई राज्यों में कम बारिश हुई।

खबर संक्षेप

डोभाल तमिलनाडु के राज्यपाल से मिले

चेन्नई। एनएसए अजीत डोभाल ने शनिवार को यहां तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि से मुलाकात की। राष्ट्रीय सुरक्षा पर सार्थक चर्चा की। राजभवन ने यह जानकारी दी। राजभवन ने कहा कि रवि ने राजभवन में डोभाल का स्वागत किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत तथा उपयोगी चर्चा की।

सुभद्रा योजना के लिए टोल-फ्री नंबर जारी

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने 21 से 60 वर्ष की आयु की महिलाओं के कल्याण से जुड़ी सुभद्रा योजना के तहत लाभार्थियों की मदद के लिए शुक्रवार को एक टोल-फ्री नंबर जारी किया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) और सामुदायिक संसाधन व्यक्ति भी सुभद्रा योजना के लिए आवेदन कर सकती हैं।

वैन-बाइक की टक्कर से तीन की मौत

देवरिया। उप्र के देवरिया जिले के गौरी बाजार थाना क्षेत्र में एक वैन ने तीन मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। रात करीब 10 बजे एक पिकअप वैन ने तीन मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान रत्नेश (24), राजू (28) और साहिल (17) के रूप में हुई है।

वायनाड भूस्खलन के केंद्र के पास फिर भूस्खलन

वायनाड। वायनाड में उस पुंचिरीमट्टम के ठीक ऊपर शनिवार को भूस्खलन हुआ जो 30 जुलाई को हुए उस भूस्खलन का केंद्र था जिसमें जिले के 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। उसने उस क्षेत्र में खोज अभियान और अन्य कार्य में लगे लोगों को सावधानी बरतने को कहा है। वायनाड के मुंदक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में 30 जुलाई को हुए भूस्खलन में 200 से अधिक लोग मारे गए थे तथा 78 लोग अब भी लापता हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की वकालत की

पीएम मोदी बोले-फैसले जितनी जल्दी आएंगे, भरोसा उतना ज्यादा बढ़ेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ेगा। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कोलकाता के एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या तथा महाराष्ट्र के ठाणे में दो किंडरगार्टन (केजी) की लड़कियों पर यौन हमले की पृष्ठभूमि में आई है। मोदी ने कहा कि न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक माना जाता है। सुप्रीम कोर्ट एवं न्यायपालिका ने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है।

संविधान और कानून की भावना की रक्षा में न्यायपालिका की भूमिका का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के लोगों ने कभी भी उच्चतम न्यायालय या न्यायपालिका के प्रति कोई अविश्वास नहीं दिखाया है। प्रधानमंत्री ने आपातकाल लागू किए जाने को एक 'काला' दौर बताते हुए कहा कि न्यायपालिका ने मौलिक अधिकारों को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर कहा कि न्यायपालिका ने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्रीय अखंडता की रक्षा की है। कोलकाता में एक महिला चिकित्सक से बलात्कार एवं उसकी हत्या और ठाणे के एक स्कूल में दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न के मामलों की पृष्ठभूमि में उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बच्चों की सुरक्षा समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं।

जिला अदालतों से 800 से ज्यादा प्रतिभागी हुए शामिल

जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन का प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन

त्वरित विशेष अदालत योजना

पीएम मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानूनों में कड़े प्रावधान किए जाने का जिक्र करते हुए 2019 में शुरू की गई त्वरित विशेष अदालत योजना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों में जितनी तेजी से फैसला सुनाया जाएगा, आधी आबादी को अपनी सुरक्षा के बारे में उतना ही अधिक भरोसा होगा।

सीजेआई बोले-जिला न्यायपालिका कानून का अहम घटक

सीजेआई डी. वाई. चंद्रचूड़ ने शनिवार को जिला न्यायपालिका को न्यायपालिका की रीढ़ करार देते हुए शनिवार को कहा कि जिला न्यायपालिका कानून का अहम घटक है। इसे 'अधीनस्थ' (अदालत) कहना बंद किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने पिछले कुछ वर्षों में जिला न्यायपालिका में शामिल होने वाली महिलाओं की बढ़ती संख्या का जिक्र करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि पेशेवर होने के बावजूद न्यायाधीश "वास्तविकता" से प्रभावित होते हैं और इसके परिणामस्वरूप उनका मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है।

जिला जजों से कही यह बात

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिला न्यायाधीश, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक वाली जिला निगरानी समितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न पहलुओं के बीच समन्वय स्थापित करने में पैनल की महत्वपूर्ण भूमिका की ओर इशारा करते हुए मोदी ने इन समितियों को और अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

अंतरराज्यीय गांजा तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, सरगना समेत 8 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायगढ़

बीते 28 अगस्त को रायगढ़ की जूटमिल पुलिस द्वारा कोड़ातराई के पास गांजा रेड की बड़ी कार्रवाई कर एक महिला समेत 05 आरोपी को पकड़ा गया था, जिनसे 175 किलो गांजा, एक अल्टो कार और एक छोटा हाथी पिकअप वाहन (कुल 43 लाख रूपये की संपत्ति) जप्त की गई थी, गिरफ्तार मुख्य आरोपी संतराम खुंटे सक्ती और इनके साथियों से कड़ी पूछताछ की गई । आरोपियों से प्रारंभिक गिरफ्तारी के बाद गहन पूछताछ की गई और गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके कार्यप्रणाली की जानकारी एकत्र कर रायगढ़ पुलिस एवं बिलासपुर पुलिस की 5 अलग - अलग विशेष टीम बनाई गई ।

72 लाख की संपत्ति जब्त

पूछताछ में कई खुलासे

मुख्य सप्लायर व्योमकेश से गहन पूछताछ करने पर कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं जिसमें उसने जिला बाउत ओडिशा एवं उसके आसपास के जिलों के जंगलों में अवैध गांजा उत्पादन के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है । रायगढ़ पुलिस ने कार्रवाई से उद्धृत सभी महत्वपूर्ण तथ्यों को ओडिशा पुलिस एवं राष्ट्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के साथ साझा किया जा रहा है ताकि गांजा के इस नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके।

पहले पकड़े गए थे पांच आरोपी

28 अगस्त को जूटमिल, जिला रायगढ़ में गिरोह के 05 आरोपी पकड़े जाने के बाद बाकी सभी सतर्क हो गए। इनका पूरा चैनल गिरफ्तारी से बचने अपना-अपना मोबाइल बंद कर सभी संपर्क से कट गए थे । रायगढ़ पुलिस की एकाएक अलग-अलग स्थानों पर रेड की चौतरफा कार्रवाई में आरोपी दबोचे गए हैं।

डॉक्टर पर गलत ढंग से छूने का आरोप झूठा

शाहजहांपुर। यूपी में एक त्वचा रोग विशेषज्ञ पर लगा एक महिला मरीज को गलत तरीके से छूने का आरोप जांच में झूठा निकला। डॉ. रिजवान खान पर एक महिला ने जांच के नाम पर गलत तरीके से छूने का आरोप लगाया था। मामले की तत्काल जांच कराई गई और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण में पाया गया की डॉ. खान केबिन के बाहर से ही मरीज को देख रहे थे। डॉ. खान ने कहा, मंगलवार को एक महिला मरीज त्वचा की समस्या लेकर आई थी, जिसकी केबिन में महिला कर्मचारी द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान महिला का पति भी केबिन में मौजूद था।

केरल में शुरू हुई तीन दिवसीय समन्वय बैठक

संघ की बैठक में राष्ट्र हित के विभिन्न मुद्दों पर मंथन

एजेंसी ▶▶। पलक्कड़

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय समन्वय बैठक केरल के पलक्कड़ में शुरू हुई। यह बैठक 2 सितंबर तक चलेगी। बैठक में राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर मंथन हुआ। इस बैठक में अभी हाल में घटी महत्वपूर्ण घटनाओं पर तो चर्चा होगी ही इसके साथ ही संघ परिवार, भाजपा और मोदी सरकार के बीच में बेहतर तालमेल को लेकर रोडमैप बनाया जाएगा। बैठक की शुरुआत में संघ की तरफ़ से वायनाड में हुए भूस्खलन पर स्वयंसेवकों के द्वारा किए गये सेवा कार्यों के बार में जानकारी दी गई। इसके साथ ही अलग-अलग संगठनों के प्रमुखों द्वारा अपने अपने संगठन की रिपोर्ट भी पेश की गई। इस दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत, संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा और अन्य नेता पहुंचे।

समाज में सामंजस्य को बढ़ाने की होगी कोशिश

एक आरएसएस नेता ने कहा, सामाजिक समरसता के तहत संगठन समाज में एकता और सामंजस्य को बढ़ाने की कोशिश करेगा। परिवार जागरूकता के तहत यह देखेगा कि कैसे परिवारों को मजबूत किया जा सकता है और वे राष्ट्र निर्माण में कैसे योगदान दे सकते हैं।

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भी होगी चर्चा

बैठक के दौरान राष्ट्रीय हित के विभिन्न मुद्दों, हाल की महत्वपूर्ण घटनाओं और सामाजिक बदलाव के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। 2025 में विजयादशमी के दिन जब आरएसएस अपना शताब्दी वर्ष मनाएगा, तब संगठन पांच नई पहलों की शुरुआत करेगा। इनमें सामाजिक समरसता, परिवार जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, आत्म-निर्भरता और नागरिक दायत्व शामिल हैं।

इन मुद्दों पर भी चर्चा

- आरएसएस सितंबर 2025 में होने वाली अपनी 100वीं वर्षगांठ से पहले 'सामाजिक सुधार और राष्ट्र निर्माण के लिए पांच पहल' शुरू करेगा। ये हैं 'सामाजिक समरसता', 'कुटुंब प्रबोधन', 'पर्यावरण संरक्षण', 'स्वदेशी' और 'नागरिक कर्तव्य'
- बांग्लादेश में शेख हसीना को 5 अगस्त को प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया था। इसके बाद हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों पर भी बैठक में चर्चा की जाएगी।
- बैठक के दौरान संघ से प्रेरित संगठनों के कार्यकर्ता अपने-अपने कार्यों के बारे में जानकारी और अनुभवों का आदान-प्रदान करेंगे। बैठक में वर्तमान परिदृश्य में राष्ट्रीय हित के विभिन्न मुद्दों, हाल की महत्वपूर्ण घटनाओं पर चर्चा की जाएगी।

तरकश

- संजय के. दीक्षित

धर्म, आईएएस और खतरे

आईएएस जैसी देश की सर्वोच्च सर्विस के लोग अगर धर्म, जाति देखकर फैसले लेने लगे तो समझा जा सकता है सिस्टम किधर जा रहा है। छत्तीसगढ़ के एक आईएएस ने जो किया, वाकई स्तब्ध करने वाला है। हम बात कर रहे हैं, बिलासपुर के निवर्तमान डिविजनल कमिश्नर की। सरकार ने भले ही एक झटके में उनकी छुट्टी कर दी। मगर विषय इससे कहीं ज्यादा गंभीर है। मिशनरीज संस्था को उन्होंने करीब 1000 करोड़ के मूल्य वाले कब्जे को बिना सोचे-समझे स्टे दे दिया। बताते चले, मध्यप्रदेश के दौरान 1962 में सरकार ने बिलासपुर शहर के प्राइम लोकेशन पर मिशन अस्पताल के लिए साढ़े 10 एकड़ लैंड दिया था। आज की तारीख में इस जमीन की कीमत 20 से 25 हजार रुपए फुट होगी। इतनी कीमती जमीन का 1992 के बाद लीज का रिनीवल नहीं हुआ। अलबत्ता, संस्था के लोग लैंड का कामर्शियल उपयोग कर सालों से लाखों रुपए किराया वसूल रहे थे। दिसंबर 2023 में सूबे में नई सरकार बनने के बाद जिला प्रशासन ने अवैध कब्जे को हटाने की कोशिशें शुरू की। मिशनरीज ने इसके खिलाफ हाई कोर्ट की शरण ली। वहां से याचिका खारिज हो गई। संस्था ने कहीं कोई रास्ता न देख कलेक्टर से कब्जा खाली करने के लिए टाइम मांगा। उसने लगभग 75 परसेंट काम समेट भी लिया था। इसी दौरान अचानक इसमें कमिश्नर की इंट्री हुई और उन्होंने पहली पेशी में ही हजार करोड़ की बेशकीमती जमीन पर संस्था के पक्ष में स्टे दे दिया। छत्तीसगढ़ ब्यूरोक्रेसी के लिए दो-दो आईएएस के जेल जाने से भी ये ज्यादा शर्मनाक घटना होगी। इस पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया तो छत्तीसगढ़ का सामाजिक ताना-बाना बिगड़ेगा।

स्टेराइड का इस्तेमाल

छत्तीसगढ़ में धर्म परिवर्तन की गति बढ़ने पर पहले भी इसी स्तंभ में हम सिस्टम को आगाह कर चुके हैं। मगर अब जो सुनने में आ रहा वह और खतरनाक है। धर्म परिवर्तन के लिए आयोजित की जाने वाली मजलिसों में दुखी, पीड़ितों को स्टेराइड का घोल पिलाया जा रहा है। दरअसल, धार्मिक सभाओं में बीमारी से परेशान लोग भी पहुंचते हैं। धर्म गुरु कुछ मंत्र पढ़कर उन्हें पानी के नाम पर स्टेराइड पिला देते हैं। फिर बताते है, कैसे और किसने किया चमत्कार। इसकी आड़ में अपना मकसद साधा जा रहा है। अभी तक धर्म परिवर्तन के मामले सरगुजा और बस्तर संभागों में ही सुनने को मिलते थे। मगर अब स्थिति इतनी विकट हो गई कि मैदानी इलाकों में भी सभाएं आयोजित की जाने लगी हैं और ओबीसी तथा दलित समुदायों के लोग भी ऐसे तत्वों के मोहपाश के शिकार बनते जा रहे हैं। जांजगीर, सारंगढ़, सराईपाली, बलौदा बाजार, कोरबा, मुंगेली में बड़े स्तर पर धर्म परिवर्तन का खेल शुरू हो गया है। सरकार के लिए यह चिंता का विषय हो सकता है।

टीम अमिताभ

सेंट्रल डेपुटेशन से आईएएस अफसरों का लगातार लौटना जारी है। हफ्ते भर के भीतर डॉ रोहित यादव और रजत कुमार छत्तीसगढ़ लौट आएंगे। 2004 बैच के अमित कटारिया का भी सात साल पूरा हो गया है। मगर वे लौट रहे या अभी वहां रुकेंगे, क्लियरिटी नहीं है। सुबोध सिंह भी आएंगे ही। इनसे पहिले ऋचा शर्मा, सोनमणि बोरा, रीतू सैन, मुकेश बंसल, अविनाश चंपावत छत्तीसगढ़ लौट चुके हैं। अलेक्स पॉल मेनन के भी लौटने की खबरें आ रही हैं। कुल मिलाकर इस साल करीब दर्जन भर आईएएस छत्तीसगढ़ में आमद देंगे। याने अमिताभ जैन की टीम अब मजबूत होने वाली है। अब उनके पास बेस्ट ओपनर के साथ मध्यक्रम के भी मजबूत बैट्समैन का ऑप्शन रहेगा। कुछ प्लेयर एक्स्ट्रा भी उनके पास रहेंगे। आखिर, इतने सारे सचिवों के लिए अमिताभ जैन विभाग कहां से लाएंगे।

कमिश्नर का टोटा

दर्जनों सचिव होने के बाद सरकार के सामने दिक्कत यह है कि ढंग का कमिश्नर नहीं मिल रहा। संजय अलंग को रायपुर के साथ बिलासपुर का चार्ज दिया गया था। घूम-फिर कर अब वहीं स्थिति आ गई है। महादेव कांवरे रायपुर के साथ बिलासपुर संभालेंगे। अलंग के बाद सरकार ने एक को झाड़-पोंछकर बिलासपुर भेजा मगर वे हिट विकेट होकर 28 दिन में ही पैवेलियन लौट गए। दूसरे कमिश्नर का दो घंटे में आदेश बदल गया। बेचारे का आम सहमति का एक पुराना मामला अलग से उखड़ गया। दरअसल, सिकरेट्रीज की फौज तो बड़ी है मगर सरकार आरआर वाले डायरेक्ट आईएएस को कमिश्नर बनाना नहीं चाहती। उसकी सबसे बड़ी वजह है प्रमोटी आईएएस की दुकान छोटी होती है। मगर आरआर वाले शोरूम खोलकर बैठ जाते हैं। कुछ आरआर वालों को सरकारों ने कमिश्नर बनाया मगर उसके अनुभव अच्छे नहीं रहे। फिर जिलों के कलेक्टर भी नहीं चाहते कि उनके ऊपर कोई आरआर वाला आकर बैठ जाए। प्रमोटी कमिश्नर उन्हें भी सुहाता है। आरआर कलेक्टरों के जोर से नमस्ते कर देने भर से प्रमोटी कमिश्नर खुश हो जाते हैं। कलेक्टर जरा सा खुशामद कर ए प्लस सीआर लिखवा लेते हैं। मगर आरआर वालों को झिझाना कठिन होता है।

क्या जरूरी है कमिश्नर सिस्टम?

छत्तीसगढ़ के फर्स्ट सीएम अजीत जोगी खुद ब्यूरोक्रेट रहे थे। वे जानते थे कि राजस्व मामलों में अपील की एक सीढ़ी और होने से आम पब्लिक को परेशानी में डालने के अलावा कोई मतलब नहीं। इसीलिए उन्होंने कमिश्नर सिस्टम खत्म कर दिया था। मगर बाद में बीजेपी सरकार ने कमिश्नर प्रणाली फिर से प्रारंभ कर दिया। तब सरकार का तर्क दिया था कि राजस्व के मामले में पहले कलेक्टर के फैसले पर एक अपीलीय संस्था और होनी चाहिए। दूसरा, कलेक्टरों के खिलाफ कोई शिकायत आए तो उसकी जांच कौन करेगा। इसके लिए कमिश्नर सिस्टम फिर से चालू कर दिया गया। मगर सवाल उठता है कि पिछले 10 साल में किस कमिश्नर ने किस कलेक्टर की जांच कर कोई दोषी ठहराया है। अगर कलेक्टर के खिलाफ कोई मामला आता है तो जीएडी जांच अधिकारी अपाइंट कर सकता है। फिर राजस्व मामलों की कमिश्नर कोर्ट में अपील करने से कितने लोगों को फायदा होता है? कमिश्नर कोर्ट के 95 परसेंट से अधिक मामले हाई कोर्ट जाते है। ऐसे में, न्याय मिलने में और टाइम लगता है। लोगों की जेब पर डाका पड़ता है, सो अलग। सिस्टम को इस पर एक बार विचार करना चाहिए।

छत्तीसगढ़ का अपमान?

छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम अरुण साव और उनके पीडब्लूडी सिकरेट्री डॉ0 कमलप्रीत सिंह दिल्ली में चार दिन प्रतीक्षा कर वापिस लौट आए क्योंकि अमेरिकी एंबेसी ने उन्हें लगातार बुलाने के बाद भी वीजा क्लियर नहीं किया। कायदे से यह राज्य का अपमान है। छत्तीसगढ़ भारत के टॉप टेन राज्यों में शामिल है। अरुण साव की हैसियत भी छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के बाद दूसरे नंबर की है। सरकार को इस बात की जांच करनी चाहिए कि चूक कहां पर हुई। अमेरिका दौरा को प्रायोजित करने वाली एशियाई डेवलपमेंट बैंक ने पहले से अगर वीजा का बंदोबस्त कर लिया होता तो डिप्टी सीएम जैसे शख्सियत को दिल्ली में चार दिन नहीं वेट नहीं करना पड़ता। अरुण साव पीडब्लूडी, नगरीय प्रशासन और पीएचई जैसे बड़े विभाग के मिनिस्टर हैं, कमलप्रीत भी सीनियर सिकरेट्री हैं, मगर अमेरिकी अधिकारियों ने कोई अदब नहीं दिखाई।

बीजेपी-कांग्रेस भाई-भाई

सरकार ने शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण का फैसला वापिस ले लिया है। इस मसले पर बीजेपी और कांग्रेस नेता एक राय हो गए थे। बीजेपी नेता सरकार को पत्र लिख रहे थे, तो कांग्रेस नेताओं का लगातार बयान आ रहे थे। मगर किसी ने यह नहीं सोचा कि सूबे के रिमोट इलाकों में स्थित शिक्षक विहीन उन 5781 स्कूलों का क्या होगा? 13 हजार सरप्लस शिक्षक एक तरफ पैसे और एप्रोच के बल पर बिना पोस्ट के शहर के स्कूलों में कुर्सी तोड़ रहे हैं, और उधर 5781 गांवों के गरीब बच्चे एक अदद शिक्षक के लिए तरस रहे हैं। आखिर उन बच्चों का क्या कसूर? कसूर यही कि वे पिछड़े इलाके में पैदा हुए। सवाल उठता है, उनकी कौन सुनेगा? सुधार के काम में अगर इसी तरह सियासत होगी तो फिर रिफॉर्म की कल्पना मत कीजिए। वैसे भी आम करने से चुनाव नहीं जीता जाता।

सत्ताधारी पाटी को वोट क्यों नहीं

राजनेताओं को इस पर सर्वे कराना चाहिए कि कर्मचारी संगठन सत्ताधारी पार्टी को वोट क्यों नहीं देते। छत्तीसगढ़ में यही देखने में आ रहा। रमन सिंह ने 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले शिक्षाकर्मियों के संविलियन का फैसला किया, तब नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुनिल कुमार ने उन्हें बहुत समझाया कि संविलियन करना ठीक नहीं, इससे आपको वोट नहीं मिलेंगे। मगर रमन सिंह ने कहा, मैंने प्रॉमिस किया है तो इस बार करना ही होगा। और चुनाव हुआ तो 15 साल की सरकार 15 सीटों पर सिमट आई। भूपेश बघेल की सरकार ने भी ओल्ड पेंशन दे दी, तो बाकी कोई कमी नहीं थी। शिक्षाकर्मियों के संविलियन में रमन सरकार ने जो टाइम की शर्त रखी थी, भूपेश सरकार ने उसे भी समाप्त कर सबको मर्ज कर दिया। फाइव डे वीक का फैसला भी उसी सरकार में हुआ। इसके अलावा छुट्टियों की झड़ी लगा दी। डीए भी लास्ट-लास्ट में दिया ही। तब भूपेश बघेल इस गफलत में रह गए कि कर्मचारियों को इतनी छुट्टियां दे दिया है, किसानों को इतने रुपए दे रहे हैं, तो वोट उनके परिवार में ही जा रहा है। मगर रिजल्ट आया तो पासा पलट गया था। राजनेताओं को किसी नेशनल एजेंसी से इस पर काम करवाना चाहिए कि आखिर क्या बात है कि कर्मचारी सत्ताधारी पार्टी को वोट नहीं देते? कहां पर चूक होती है? इससे राजनेताओं को ही फायदा होगा...इससे बड़ा वोट बैंक को साधने का रास्ता भी निकलेगा।

किस्मत अपनी-अपनी

98 बैच रापुसे अधिकारी प्रफुल्ल ठाकुर को आईपीएस अवार्ड हो गया मगर उनके एक रैंक ऊपर राजेंद्र जायसवाल का लिफाफा बंद हो गया। उनके खिलाफ कोई मामला है, जिससे उनको आईपीएस नहीं मिला। प्रफुल्ल के बाद 99 बैच बारी है। इसके बाद 2000 बैच के विजय पाण्डेय का नंबर लग गया। इस तरह प्रफुल्ल और विजय के रूप में छत्तीसगढ़ में दो आईपीएस और बढ़ गए। वैसे रापुसे का 98 बैच किस्मत वाला है। विजय अग्रवाल एसपी के तौर पर चौथा जिला बलौदा बाजार कर रहे हैं। रजनेश सिंह धमतरी, नारायणपुर के बाद बिलासपुर के एसपी हैं। इसी तरह राजेश अग्रवाल, रामकृष्ण साहू का तीसरा जिला चल रहा है। मगर इन सबमें आगे हैं, प्रफुल्ल ठाकुर। वे बिना आईपीएस हुए ही चार जिले के एसपी रह चुके हैं। जबकि, इस बैच के चार आईपीएस को अभी तक कोई जिला नहीं मिला है। चलिये किस्मत अपनी-अपनी।

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या छत्तीसगढ़ में बड़ा प्रशासनिक बदलाव होने वाला है?
2. क्या ये सही है कि छत्तीसगढ़ में अब सहकारिता के कामों में तेजी आने वाला है?

पेज एक के शेष

रायपुर मेडिकल कालेज में...

चिकित्सा शिक्षा संचालनालय से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस बार नीट की परीक्षा में शामिल छात्रों ने ज्यादा ही अंक प्राप्त है किए इसकी एक वजह बोनस अंक मिलना भी है। अंक ज्यादा मिलने की वजह से कटऑफ में भी चालीस से पचास अंक का अंतर आ गया है और इस बार दूसरे राउंड के दौरान 650 से अधिक अंक वाले सामान्य वर्ग के छात्र को ही जेएन कालेज में सीट मिलने के आसार बन रहे हैं। उससे कम स्कोर वालों के चांस कम हैं। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के छात्रों का सपना रायपुर मेडिकल कालेज में प्रवेश पाने का होता है।

कंपटीशन हो गया है हाई : मेडिकल की पढ़ाई की ओर बड़ा वर्ग आकर्षित हुआ है जिसकी वजह इसके लिए प्रतिस्पर्धा भी काफी बढ़ी है। राज्य में दस सरकारी मेडिकल कालेज है जहां एडमिशन लेने के लिए छात्रों के कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। जेएन मेडिकल कालेज में यूआर केटेगरी पहली सीट 695 अंक तथा अंतिम सीट 660 अंक वाले को आवंटित हुआ है। वहीं बिलासपुर मेडिकल कालेज में 659 और अंतिम सीट 647 अंक वाले को अलॉट किया गया है। राज्य में सामान्य वर्ग के लिए अंतिम 598 अंक प्राप्त करने वाले छात्र को महासमुंद का शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मिला है।

एससी-ओबीसी के लिए भी आसान नहीं : मेडिकल की पढ़ाई के लिए कालेजों में प्रवेश एससी और ओबीसी कोटे वालों के लिए भी आसान नहीं है। कटऑफ बढ़ने का असर इन श्रेणी पर भी नजर आ रहा है। पहले राउंड में एससी कोटे का कटऑफ 593 अंक गया है वहीं ओबीसी के लिए अंतिम आंवटन रायगढ़ के शासकीय मेडिकल कालेज में 592 अंक के साथ प्राप्त हुआ है। एसटी के लिए 138 स्कोर वाले को जेएन मेडिकल कालेज तथा 590 अंक के अंतिम अंक के साथ ईडब्लूएस कोटे के लिए रायगढ़ के शासकीय मेडिकल कालेज में सीट आवंटित हुई है।

गांव के स्कूलों में...

शिक्षक संगठनों के विरोध के कारण शिक्षा विभाग इसे फिलहाल लागू करने से पीछे हट गया है।

4077 स्कूलों को मर्ज करने का था प्लान : छत्तीसगढ़ में स्कूलों के युक्तियुक्तकरण के तहत शिक्षा विभाग द्वारा युक्तियुक्तकरण के लिए चिन्हित किए गए 4077 स्कूलों को 16 सितंबर तक मर्ज करने का आदेश दिया गया था। जिला स्तर पर कलेक्टर और तहसील स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है। डीपीआई दिव्या मिश्रा ने सभी डीईओ को पत्र जारी कर 4077 स्कूलों की चल-अचल संपत्ति के साथ ही अभिलेखों के हस्तांतरण के संबंध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए थे।

बस्तर में दर्जनों स्कूलों में शिक्षक हीं नहीं, सैकड़ों में केवल एक : जगदलपुर। बस्तर के सैकड़ों एकल शिक्षक शाला और दर्जनों शिक्षकविहीन शालाओं में नियुक्ति पर सवालिया निशान लग गए। बास्तानार ब्लॉक में 4 ऐसे स्कूल हैं,जहां एक भी शिक्षक नहीं हैं। एक हायर सेकंडरी स्कूल पटेल पारा काकलुर व 3 माध्यमिक व प्राइमरी शाला करका पारा काकलुर,हुंगापारा काकलुर और कांडकीपारा कापानार सम्मलित है। इस बात की पुष्टि बास्तानार के बीईओ निषाद ने की। तोकापाल में कुल 261 स्कूल में 48 शाला एकल शिक्षकीय है और एक प्राथमिक शाला टिकरा धनोरा शिक्षकविहीन है। इसकी पुष्टि बीईओ पूनम सलाम ने की है। लोहंडीगुड़ा ब्लाक के एकलशिक्षकीय शाला की संख्या 16 है। बस्तर ब्लाक में 540 स्कूल में 60 स्कूल एकलशिक्षकीय और 1 शिक्षकविहीन शाला है। इस बात की पुष्टि बस्तर ब्लाक के बीआरसी राजेन्द्र ठाकुर ने की। दरभा में 204 स्कूलों में 52 एकलशिक्षकीय और 11 शिक्षकविहीन स्कूल हैं।

प्राइमरी स्कूलों में...

या आसपास रहना चाहता है। किसी को भी धरमजयगढ़ और लैलूंगा के गांवों में पोस्टिंग नहीं चाहिए। पिछले साल ट्रांसफर के बाद एक ही स्कूल में शिक्षकों की संख्या जरूरत से ज्यादा हो गई तो कहीं जरूरत से कम। इसे अब तक ठीक नहीं किया जा सका है।

सकर्रा में दो के...

रहे। बावजूद इन स्कूलों की और ध्यान नहीं दिया गया और ये एक तरह से शिक्षकों के लिए ही चलाया जा रहा है। पड़ोसी जिला सक्ती के मालखरौदा ब्लाक अंतर्गत शासकीय नवीन प्राथमिक शाला सकर्रा में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या नहीं के बराबर है। यहां 5 कक्षाओं में से दूसरी और तीसरी कक्षा में मात्र एक-एक बच्चे पढ़ रहे है। जबकि उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों की संख्या 3 है। यहां एक प्रधान पाठक के साथ दो सहायक शिक्षक पदस्थ है। ऐसे में देखा जाए तो शासन द्वारा उक्ती तीनों शिक्षकों को हर महीने तकरीबन 1 लाख 20 हजार रुपए का वेतन भुगतान किया जाता है। इस हिसाब से यहां पढ़ने वाले एक बच्चे के पीछे शासन का करीब 60 हजार रुपए महीने का खर्चा हो रहा है। खास बात यह है कि पिछले साल इस स्कूल में मात्र 3 बच्चे भर्ती थे। चौथी और पांचवी की कक्षा खाली थी। वहीं इस साल 1 बच्चे के टीसी ले जाने से यहां की दर्ज संख्या मात्र 2 रह गई है। कमोबेश यही हाल छवारी पाली पूर्व माध्यमिक शाला का भी है। सक्ती जिले के ही डभरा विकासखंड अंतर्गत छवारी पाली पूर्व माध्यमिक शाला में दर्ज संख्या 18 है और उन्हें पढाने पांच शिक्षक पदस्थ हैं। पहले यहां प्रधान पाठक के साथ छह शिक्षक थे, जिनमें से एक शिक्षक की सेवानिवृत्ति पिछले महीने हुई है।

चितावर के स्कूल में...

मिडिल स्कूल संचालित हो रहा है,परंतु विभाग है कि इसकी शुद्ध नहीं ले रहा है। विकासखंड तखतपुर के ग्राम पंचायत चितावर में मिडिल स्कूल खोल तो दिया गया है। परंतु ना तो वहां पर भवन है और ना ही वहां पर शिक्षक है। बच्चों को विद्यालय के नाम पर सामुदायिक भवन में बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। चितावर मिडिल स्कूल में कक्षा छठवीं में 37 और सातवीं में 35 बच्चे अध्यनरत है। इस विद्यालय में मिडिल स्कूल के लिए कोई भी शिक्षक पदस्थ नहीं है। प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों के भरोसे इस विद्यालय का संचालन हो रहा है। प्राथमिक शाला चितावर में 7 शिक्षक पदस्थ है जिसमें से तीन शिक्षकों को मिडिल स्कूल चितावर को पढ़ने के जवाबदारी दी गई है इधर नगर के टिकरीपारा में प्राथमिक शाला संचालित है जहां पर 150 बच्चों के लिए 9 शिक्षक पदस्थ हैं।ऐसा ही हाल पहुंच मार्ग वाले विद्यालय में है जहां पर आवश्यकता से अधिक शिक्षक पढ़ रहे हैं परंतु दुरुस्त क्षेत्र में आज भी शिक्षकों की कमी बनी हुई है। ग्रामीण है कि शिक्षक मांग मांग कर थक गए हैं परंतु उन्हें शिक्षक नहीं मिल पा रहा है।

जामा मिडिल स्कूल में...

हैं। शहर के बीच बौरीपारा वार्ड अंतर्गत प्राथमिक शाला उरांव पारा में 40 बच्चे दर्ज हैं जिन्हें पढ़ाने के लिए 4 शिक्षक पदस्थ किए गए हैं। शहर के विशुनपुर स्थित प्राथमिक शाला में दर्ज 52 बच्चों को पढ़ाने के लिए विभाग ने 6 शिक्षकों को पदस्थ किया है। इसके विपरीत विकासखण्ड लखनपुर अंतर्गत प्राथमिक शाला खुरिया में दर्ज 96 बच्चों को पढ़ाने की जिम्मेदारी एक मात्र शिक्षक को सौंपी गई है। विकासखण्ड मुख्यालय जूनाडीह में दर्ज 6 बच्चों को पढ़ाने के लिए 3 शिक्षक वहीं ग्राम पंचायत जामा स्थित मिडिल स्कूल में दर्ज 6 बच्चों को पढ़ाने के लिए 5 शिक्षक पदस्थ हैं। जिला एवं ब्लॉक मुख्यालयों के स्कूल में बच्चों की संख्या कम होने के बावजूद अधिक शिक्षक पदस्थ किए है यह जानकर हैरानी होगी की दूरस्थ विकासखण्ड ओड़गी की 77 प्राथमिक शालाएं वर्षों से 1 शिक्षक के भरोसे संचालित हो रही है जबकि जिला मुख्यालय सूरजपुर सहित सभी ब्लाक मुख्यालयों के स्कूलों में स्वीकृत सीट से अधिक शिक्षक पदस्थ हैं। इस संबंध में शिक्षा अधिकारी एके सिन्हा ने बताया कि शासन के निर्देश पर सभी स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों एवं दर्ज संख्या की जानकारी मंगाई गई है। शहरी क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षकों की संख्या अधिक है। नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दुर्ग में 12 ऐसे...

लेकिन दुर्ग ब्लाक के शास.प्रा.शा.सुभाष शांतिनगर दुर्ग, शास.प्रा.शा. श्रमिक नगर छावनी, शास. प्रो. शास. न्यू बजरंगनगर उरला, शासकीय प्राथमिक विद्यालय सुभाष बम्बई निवास उरला, शास.प्रा.शा. आबादीपारा जंजगिरी, शास.प्रा.शा. अछोटीभाठ, शास.प्रा.शा. प्रोन्नत मचान्दुर, शास.प्रा.शा. मालूद, शासकीय प्राथमिक विद्यालय बादीपारा पसेगांव., शास.प्रा.शा.मासाभाठ, शासकीय प्राथमिक विद्यालय औद्योगिक क्षेत्र बोराई, शास.प्रा.शा. घुघसीडीह, धमधा शास.प्रा.शाला ढौर (ना.), शासकीय हाईस्कूल गनियारी सहित ऐसे 51 स्कूल हैं, जहां एक ही शिक्षक है।

इन स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं : स्कूल धमधा के प्राथमिक खपारी ब, प्राथमिक शाला अगार, प्राथमिक शाला गाडाघाट शामिल हैं। वहीं पाटन का प्राथमिक शाला अकतई, प्राथमिक शाला जामगांव एम है। वही दुर्ग में हाईस्कूल कोलिहापुरी, हाईस्कूल मोहलाई है। धमधा में हाईस्कूल बिरेझर, हाई स्कूल दनिया, हाई स्कूल सिलतरा, हाईस्कूल पुरदा हाई स्कूल पेड्री शामिल है।

शहर में शिक्षकों की भरमार : प्राथमिक स्कूल संतराबाडी में तीस बच्चों पर चार शिक्षक हैं। तकियापारा प्राथमिक में 130 बच्चों पर 11 शिक्षक हैं। प्राथमिक स्कूल गुरूनानक 48 बच्चों पर चार शिक्षक हैं। प्राथमिक स्कूल मालवीय नगर में 42 बच्चों पर चार शिक्षक, झुग्गीपारा प्राथमिक में 112 बच्चों पर सात शिक्षक, केलाबाडी प्राथमिक में 54 बच्चों पर छह शिक्षक और प्राथमिक पद्नाभापुर स्कूल में 54 बच्चों पर चार शिक्षक काम कर रहे हैं।

दूसरे स्कूल के शिक्षकों से कराएंगे ड्यूटी : जिस स्कूल में शिक्षको की कमी है। वहां दूसरे स्कूल के शिक्षकों से पढाई कराई जा रही है। अतिशेष सूची बनाने के बाद वास्तविक आंकडे सामने आएंगे। - अरविंद मिश्रा, डीईओ, दुर्ग

टीकाकरण के बाद...

देखते मोबाइल ही बंद कर दिया था। जानकारी के अनुसार दो दिन पहले क्षेत्र में टीकाकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान नवजात से लेकर 3 साल के बच्चों का टीकाकरण किया गया। गांव में 7 बच्चों को टीका लगा। दोनों नवजात को पटैता के आंगनबाड़ी केंद्र में टीका लगाया गया था। अधिकारियों के अनुसार मातृत्व सुरक्षा योजना के दौरान पेंटा तथा बीसीजी, खसरा का टीकाकारण कराया गया था। इस दौरान साहिल बेगम पति परवेज अली की 20 दिन की बेबी, सुकृता मानिकपुरी पति नारायण दास की बेबी, तमन्ना की 18 माह, उषा बाई केंवट पति लखन केवट की 2 माह, अनिता केंवट पति आनंद केवट की बेटी गीतांजलि 18 माह, तीज बाई धनवार पति सुखचंद के 2 माह के बेटे सहित पांच बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में ऑब्जरवेशन के लिए रखा गया है। टीकाकरण के बाद दो बच्चों की मौत हो गई है। इसमें से एक सत्यभामा पति रविन्द्र का 2 माह का बेटा और धनेश्वरी पति राकेश गंधर्व के महज 1 दिन के बेटे की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि मृत बच्चों के चेहरे नीले पड़ने के कारण लोग स्वास्थ्य विभाग के टीकाकरण को जिम्मेदार मान रहे हैं।

गांव में छाया मातम : दो मासूम बच्चों की मौत के बाद गांव में मातम छा गया है। इस दौरान लोग स्वास्थ्य अधिकारियों पर अपना गुस्सा निकाल रहे हैं। लेकिन स्वास्थ्य विभाग इसमें पर्दा डालने में लगा हुआ है। अधिकारियों के अनुसार 1 दिन के बच्चे की मौत हुई है। उसे इंफेक्शन था, इसलिए गनियारी में डिलीवरी के बाद भी तत्काल लगाए जाने वाला पेंटा 1 वैक्सीन नहीं लगाया गया था। वहीं दो माह के बच्चे की मौत बुखार की वजह से हुई है। मौत के बाद बच्चों के पालक आक्रोशित हैं।

दावा : निर्धारित प्रोटोकाल किया गया फालो : अस्पताल में टीकाकरण के लिए निर्धारित प्रोटोकाल का अनुपालन किया गया था। स्वास्थ्य विभाग की नर्स ने बताया कि वह 28 साल से टीकाकारण कर रही हैं। बच्चों की मौत कैसे हुई है यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन टीकाकरण के लिए हर तरह के निर्धारित प्रोटोकाल का पालन किया गया है।

विधायक अटल ने कहा-स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही : मामले में कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने कहा कि टीकाकरण में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारियों पर कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए। कोटा क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग लगातार लापरवाही बरत रहा है, जिससे डायरिया, मलेरिया और डेंगू से मौत की घटना सामने आई है। अब टीकाकरण से भी बच्चों की मौत हो रही है।

टीकाकरण में लापरवाही नहीं मिली : कोटा में दो बच्चों की मौत की घटना दुखद है। जानकारी मिलने पर तत्काल दो शिशु रोग विशेषज्ञों को हालत का जायजा लेने भेजा गया था। इस दौरान टीकाकरण में किसी तरह की लापरवाही नहीं पाई गई है। 1 दिन के बच्चे को बर्थडोज नहीं लगा था। जानकारी में सामने आई है कि डिलीवरी के बाद इंफेक्शन के कारण टीकाकरण नहीं किया गया था। वहीं, दो माह के बच्चे को पहले से ही बुखार आ रहा था, लेकिन टीकाकरण के बाद बुखार बढ़ने से मौत हुई है। एहतिहात के तौर पर टीकाकरण का बैच सील किया गया है और इसे जांच के लिए रायपुर भेजा जा रहा है। - डॉ. प्रभात श्रीवास्तव, सीएमएचओ, स्वास्थ्य विभाग

छुही मिट्टी की...

से घायल महिलाओं का उपचार सूरजपुर जिला अस्पताल में चल रहा है। शनिवार की सुबह ग्राम गेतरा में उस समय अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई जब खुटिया नाला के किनारे महिलाओं द्वारा निर्मित छुही मिट्टी की खदान अचानक धसक गई। गनीमत थी कि गेतरा नाला के किनारे अलग-अलग गांवों की एक दर्जन से अधिक महिलाएं छुही मिट्टी खोद रही थी। शोर सुनकर घटनास्थल पर पहुंची महिलाओं ने तत्काल कड़ी मशक्कत कर खदान का मलबा हटा खदान से किसी तरह महिलाओं एवं युवती को बाहर निकाला। मलबा हटाने में विलम्ब होने के कारण दम घुटने से ग्राम सलका महादेवपुर निवासी फूलमेत आ.धनसाय गोड़ (18 वर्ष) की मौत हो चुकी थी जबकि धविन्द्र पति झेलसाय (26 वर्ष) एवं परमेश्वरी पति स्व. रतन सिंह (35 वर्ष) गंभीर रूप से घायल थी।

दीक्षांत समारोह में ...

हमारी सामूहिकता, ज्ञान और संस्कृति के संरक्षक है। वे ऐसे स्थान है जहां इतिहास संरक्षित किया जाता है। साहित्य का विश्लेषण किया जाता है। आप अपनी पढ़ाई के माध्यम से विचार के विविध क्षेत्रों में जुड़ रहें है मानवता के बारे में आपकी विचार को समृद्ध किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि देश विकसित भारत /2047 के संकल्प हेतु क्रियाशील है, हम भी प्रदेश में विकसित छत्तीसगढ़ विजन 2047 के लक्ष्य को लेकर कार्य कर रहे हैं। मैं आश्वस्त हूं कि इस दीक्षांत समारोह के बाद इस संस्थान के प्रतिभाशाली युवा अपनी रूचि के क्षेत्रों में अपना और अपने विश्वविद्यालय का नाम रौशन करते हुए इस संकल्प को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। यह विश्वविद्यालय अपने नवाचारों से एक उदाहरण बनता जा रहा है।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा को मानद उपाधि : दीक्षांत समारोह में 64 विषयों में विद्यार्थियों को 92 गोल्ड मेडल तथा 48 को पी.एच.डी. और 35 हजार 291 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा शामिल हुए। उन्हें भारतीय न्याय व्यवस्था में अमूल्य योगदान पर पी.एच.डी. की मानद उपाधि से विभूषित किया गया।

कांग्रेस नेता ने परिवार...

साथ जहर सेवन कर लिया। घर के बाहर किसी को पता न चले इसलिए सामने दरवाजे पर ताला लगा दिए थे और पीछे के दरवाजे से वापस जाकर वहां का दरवाजा भी अंदर से बंद कर दिए थे।

सबने अपनी मोबाइल बंद कर दिया था। जानकारी के अनुसार पड़ोस की एक लड़की उसके घर हमेशा आती जाती थी। जब दोपहर 12 बजे वह उनके घर गई और ताला बंद देखा तो पीछे से जाकर आवाज लगाई फिर भी किसी ने दरवाजा नहीं खोला तब वह वापस चली गई। वह दो-तीन बार उसके घर जाने के लिए दरवाजे के पास आई और ताला लटकते हुए देखकर लौट गई। उसे कुछ अनहोनी की आशंका हुई तो शाम सात बजे आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी। जब पड़ोसी और उसके स्वजन घर अंदर गए तो सभी गंभीर अवस्था में पड़े थे। उनके मुंह से झाग निकल रहा था और उन्होने उल्टी भी की थी। लोगों की मदद से उन्हें रात लगभग आठ बजे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उनकी गंभीर स्थिति को देखकर रात में ही सिम्स बिलासपुर रेफर किया गया। सिम्स में ही देर रात पंचराम के बड़े बेटे नीरज यादव की मौत हो गई।

जैकेट के शेष

कटघोरा में विराजेंगे ....

हजार मूर्तिया तैयार हो रही है। तीन सौ से अधिक कलाकार इन मूर्तियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए है। सबसे बड़ी मूर्ति करीबन 20 फीट की है, जो गांव के ही राधे चक्रधारी द्वारा तैयार की जा रही है। यह मूर्ति कटघोरा में समिति द्वारा आर्डर देकर बनवाई जा रही है। इस विशालकाय मूर्ति की कीमत तीन लाख रुपए है। मूर्तिकार राधे के पास ही राजधानी रायपुर की भी करीबन दो दर्जन समितियों के आर्डर है, जिनमें 12 से 15 फीट की मूर्तिया शामिल है। खास बात यह है कि इनमें गणपति बप्पा के कई रूप शामिल है, बालरूप से लेकर हनुमान रूपी गणेश प्रतिमा जैसी आकर्षक मूर्तियां तैयार की जा रही है। मूर्तिकार राधे ने बताया कि कोरोना काल के बाद यह पहला अवसर है जब मूर्तिकारों के पास ढ़ेरों आर्डर आए है। अंतिम समय तक समितियां गणेश प्रतिमाएं लेने के लिए पहुंच रही है, लेकिन सीमित संसाधन होने के चलते मूर्तिकार भी अधिक आर्डर नहीं ले पा रहे है। हालांकि इसके बावजूद पूरे थनौद में पांच हजार से अधिक छोटी-बड़ी मूर्तियां तैयार की जा रही है।

चार प्रकार की मिट्टी का उपयोग :मूर्तिकार राधे ने बताया कि गणेश प्रतिमाएं तैयार करने के लिए चार से पांच महीने पहले ही शिवनाथ नदी के किनारे से मिट्टी लाई जाती है। मूर्तियों को ठोस एवं मजबूत बनाने के लिए चार प्रकार की मिट्टी का उपयोग किया जाता है। इनमें काली, लाल, भूरी और रेतीली मिट्टी शामिल है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा भी कई प्रकार की सामाग्री का उपयोग मूर्तियों में आकार देने के लिए किया जाता है।

15 हजार से ....

मूर्ति अंबागढ़ चौकी भेजी जाएगी, यह 15 हजार रुपए की है। वहीं सबसे बड़ी 20 फीट की मूर्ति कटघोरा जाएगी, जिसकी कीमत तीन लाख रुपए करीबन है।

आस्था से खिलवाड़, श्री ....

चार की जगह दो हाथ वाली प्रतिमा देखने को मिली, यहां दो हाथ व अधूरे स्वरूप में गणेश को आदिवासी स्वरूप भी दिया गया है। इसी तरह श्रुति मूर्तिकला केन्द्र में गणेश को पर्वत उठाते हुए हनुमान के साथ अधूरे स्वरूप में दिखाया गया है। इतना ही नहीं, भगवान शिव के स्वरूप में भी गणेश प्रतिमा को आकार दिया गया है।

20 शेड में हो रहा निर्माण : मूर्तिकारों ने बताया कि हम आर्डर पर काम करते हैं। बुकिंग कराने वाली समिति के लोगों को नया लुक देना कितना भारी पड़ सकता है। इसे बताने और समझाने का भी प्रयास किया जाता है। इसके बाद भी लोग नहीं मानते और मूल पूजा के लिए अलग प्रतिमा रखने की बात करके बुकिंग कराते हैं। कलाकारों ने बताया कि माना में छोटे-बड़े मिलाकर 20 जगह कारीगर मूर्ति निर्माण करते हैं। इस बार सभी शेड में मिलाकर करीब 6 सौ से ज्यादा छोटी बड़ी मूर्तियों और झांकी को आकार दिया जा रहा है। इनमें रायपुर ही नहीं, बलौदा बाजार के लिए भी बुक करवाई गई हैं।

अधूरी प्रतिमा ध्यान योग्य नहीं : किसी भी आराध्य देवी-देवता की अधूरी प्रतिमा आराधना एवं ध्यान योग्य नहीं होती है। अगर किसी मूर्तिकार द्वारा आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा, तो इसे बर्दास्त नहीं किया जाएगा। संबंधित मूर्तिकारों की जानकारी दिजिए, ऐसे लोगों के खिलाफ हिन्दू समाज विरोध करेगा। - डॉ. इंदुभवनानंद महाराज, प्रभारी शंकराचार्य आश्रम, बोरियाकला रायपुर

एक दशक बाद ....

अलग-अलग मूर्तिकारों के पास 15 से 20 ऐसी गणेश प्रतिमा देखने को मिलीं, जिनके स्वरूप को पूरी तरह बदला गया है। राजधानी में सात सितंबर से जहां प्रथम पूज्य श्री गणेश की स्थापना के लिए तैयारियों का दौर तेज होने लगा है, वहीं दूसरी तरफ मूर्तियों का निर्माण करने वाले मूर्तिकारों ने अब निर्माण स्थल के।

एक साल पहले .....

एक महिला का उसने अपने हाथों से अंतिम संस्कार किया था वे कौन थे। बताया जा रहा है कि बलरामपुर जिले के पस्ता थाना अंतर्गत ग्राम बासेन निवासी अबुल हसन पत्नी राबिया परवीन और दो बेटियों 6 वर्षीया सिजरा परवीन व 3 वर्षीया गुलस्तां परवीन के साथ रहता था और टेलर का काम करता था। अबुल हुसैन की पत्नी राबिया अपनी दो बेटियों के साथ 3 अगस्त 2023 को बिना बताए घर से चली गई थी। रिश्तेदारों के घर खोजबीन के बाद अबुल हुसैन ने घटना की शिकायत पुलिस से की थी। शिकायत के बाद पुलिस गुमशुदगी की जांच कर रही थी। इस बीच रायगढ़ पुलिस ने 14 अगस्त को एक महिला और दो बच्चियों का शव देहजरी नदी में मिलने की जानकारी पस्ता पुलिस को दी थी। सूचना पर अबुल हुसैन पुलिस के साथ खरसिया पहुंचा जहां उसे महिला व बच्चियों की लाश दिखाई गई। लाश काफी पुराना होने के कारण सही ढंग से पहचान नहीं हो पाई लेकिन लाश राबिया और दोनों बच्चियों की मानकर उसे अबुल हुसैन के सुपुर्द कर दिया गया जिसके बाद अबुल हसन ने तीनों का अंतिम संस्कार किया और फिर वापस बासेन आ गया था। बासेन में टेलरिंग का काम सही नहीं चलने के कारण वह फिलहाल कुसमी में रहकर अपना व्यवसाय कर रहा है। **रायगढ़ पुलिस को दी गई जानकारी** : एक साल पहले जिस पत्नी और बच्चियों की लाश अबुल हसन ने दफन की थी उनके लौटने की जानकारी ग्रामीण ने पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद रायगढ़ पुलिस भी कुसमी पहुंची और उनके जीवित होने की जांच की लेकिन इस घटना ने अब एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर इससे पहले जिस महिला और बच्चियों का अंतिम संस्कार किया गया वो कौन थी। मृत महिला व बच्चियों की पहचान करना अब रायगढ़ पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनने वाली है।

पति से झड़गा के ....

उक्त दलाल ने उसे कंपनी में काम दिलाने का झांसा दिया और अपने साथ राजस्थान ले गया। इस दौरान रास्ते में ही उसका मोबाइल फोन लूट लिया गया। राजस्थान पहुंचने पर महिला से खेत में काम करवाया जाता था।

मी-17 हेलिकॉप्टर से मंदाकिनी नदी में जा गिरा क्षतिग्रस्त क्रिस्टल हेलिकॉप्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

इस साल केदारनाथ यात्रा की शुरुआत में 24 मई को केदारनाथ धाम के पास तकनीकी खराबी की वजह से दुर्घटनाग्रस्त हुआ असैन्य क्रिस्टल हेलिकॉप्टर शनिवार को एक बार फिर से हादसे का शिकार हो गया। यह पूरा वाकया उस वक्त सामने आया जब भारतीय वायुसेना के मी-17वी5 हेलिकॉप्टर के जरिए क्रिस्टल को एयरलिफ्ट कर गौचर हवाई पट्टी की ओर ले जाया जा रहा था। तभी हवा में मी-17 हेलिकॉप्टर का अचानक संतुलन बिगड़ने के बाद पायलट ने खतरे को भांपते हुए क्रिस्टल हेलिकॉप्टर को मंदाकिनी नदी घाटी में एक निर्जन क्षेत्र में गिरा दिया। वायुसेना ने इस घटना की जांच (कोर्ट ऑफ इंक्वायरी) के आदेश दे दिए हैं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में वायुसेना ने यह जानकारी दी। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) का राहत अभियान जारी है। उधर, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने भी इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि सुबह सात बजे हेलिकॉप्टर को एयरलिफ्ट कर गौचर पहुंचाया जाना था। तभी यह हादसा हो गया।

■ जांच करेगी वायुसेना

उड़ान सुरक्षा कारणों से छोड़ा हेलिकॉप्टर

वायुसेना ने 'एक्स' पर बताया कि उत्तराखंड में आज क्षतिग्रस्त हेलिकॉप्टर को एयरलिफ्ट करते समय वायुसेना के मी-17वी5 हेलिकॉप्टर को उड़ान सुरक्षा कारणों की वजह से लोड को नीचे उतारना पड़ा। चालक दल ने लोड को सुरक्षित ढंग से एक निर्जन क्षेत्र में छोड़ा। जिससे जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

राहत दल ने की अफवाह न फैलाने की अपील : हेलिकॉप्टर के यूं मंदाकिनी नदी घाटी में गिरने से आसपास के लोगों में चीख पुकार मच गई थी। लेकिन फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हेलिकॉप्टर को एयरलिफ्ट करने से पहले उसमें लगे हुए जरूरी कलपुर्जे निकाल लिए गए थे।

शब्द पहेली - 5619

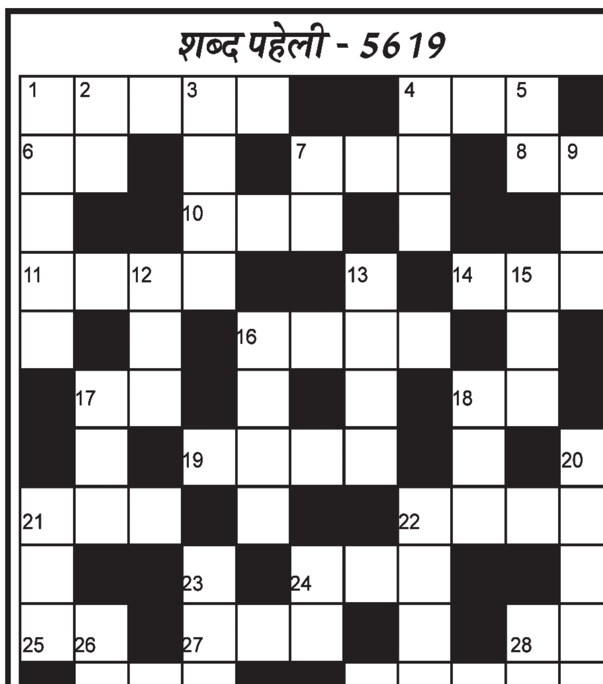

बाएँ से दाए-
1. पदमाकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -5618 का हल

सूडोकू नवताल 5630

★★★ मध्यम

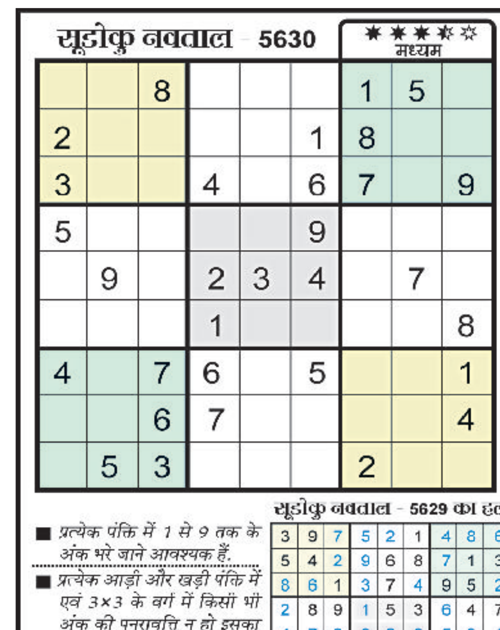

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्गों में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल - 5629 का हल

तन-मन-जीवन में हैं कुदरत की ये सौगातें

आमतौर पर हम अपने पास उपलब्ध चीजों या सुविधाओं के प्रति कृतज्ञ होने के बजाय, कमियों को लेकर दुखी रहते हैं, उनके ना होने का रोना रोते रहते हैं। सच्चाई यह है कि कुदरत ने हम इंसानों के तन-मन में ही ऐसी ढेरों खूबियों की सौगातें दी हैं, जो अनमोल हैं। खुशहाली से जीने का तरीका यही है कि हम इन सौगातों का का मोल समझें और जीवन का भरपूर आनंद लें।

कवर स्टोरी / विवेक कुमार

आप सबने शायद यह बोधकथा सुनी होगी- एक आदमी किसी महात्मा के पास पहुंचा और बोला, 'मैं दुनिया का सबसे गरीब आदमी हूं, मेरी कोई कीमत नहीं है।' महात्मा ने उसकी तरफ थोड़े आश्चर्य और उत्सुकता से देखा और उसे बोलने दिया। जब वह व्यक्ति काफी कुछ बोल चुका, तो महात्मा ने कहा, 'ऐसा करो कि मुझे अपने हाथ की एक अंगुली दे दो, सबसे छोटी अंगुली और मैं तुम्हें एक लाख रुपए दूंगा।' यह सुनकर वह आदमी भौंचक रह गया और बोला, 'अरे, नहीं महाराज मैं अंगुली कैसे दे सकता हूं?' इस पर महात्मा बोले, 'तो चलो तुम मुझे अपना बायां हाथ काटकर दे दो, मैं तुम्हें एक करोड़ रुपए दूंगा। वैसे भी बाएं हाथ की बहुत उपयोगिता भी नहीं होती है।' यह सुनकर तो वह आदमी और परेशान हो गया। वह बोला, 'नहीं-नहीं... महाराज मैं अपना हाथ कैसे दे सकता हूं? इससे तो मैं अपंग हो जाऊंगा।' महात्मा ने कहा, 'जब तुम्हारे पास लाखों की अंगुली, करोड़ों का हाथ और इसी तरह जोड़कर अरबों रुपए का शरीर है, फिर तुम कैसे कहते हो कि तुम दुनिया के सबसे गरीब और अभागे इंसान हो?' यह सुनकर उस आदमी को अपनी भूल का अहसास हो गया।

हममें से अधिकतर लोग कुदरत से मिली उस दौलत की कोई कीमत ही नहीं समझते, जिसका हमारे पास खजाना है। जबकि हम इंसानों के अलावा धरती के किसी भी दूसरे प्राणी के पास ये दौलत नहीं है। हमारे पास सोचने-समझने के लिए विकसित बुद्धि, देखने के लिए आंखें, देखे हुए को एहसास करने के लिए मन, स्पर्श करने के लिए हाथ, बोलने-सुनने की क्षमता, खुशी जाहिर करने के लिए हंसी जैसी कई अनमोल सौगातें हैं, लेकिन हम कभी इनकी कोई कीमत ही नहीं समझते। ये तमाम खासियतें दुनिया के किसी भी प्राणी के पास नहीं हैं। लेकिन हमें कुदरत ने जो अनमोल खजाना दिया है, उसकी कोई कीमत नहीं समझते। आइए जानते हैं कि हमारे पास धरती पर मौजूद लाखों अन्य जीव प्रजातियों से अलग कैसे कुदरत का दिया हुआ अनमोल खजाना है!

खुशी प्रकट करने वाली हंसी

किसी शायर का मशहूर शेर है-
या तो दीवाना हंसे, या तू जिसे तौफीक दे
वर्ना इस दुनिया में आकर मुस्कुराता कौन है।

हंसना भी कुदरत की उन्हीं अनमोल उपहारों का एक हिस्सा है, जो कुदरत ने हमें दिए हैं। हंसना बहुत बड़ी ताकत है, हंसना बहुत बड़ी भाषा है, हंसकर आप बड़ी से बड़ी जंग, जटिल विवाद टाल सकते हैं। हंसकर, हंसाकर आप किसी को इतना सुख, इतनी खुशी दे सकते हैं कि जिसकी कोई कीमत नहीं है। याद रखिए, इंसान के अलावा दुनिया का कोई भी दूसरा जंतु हंस नहीं पाता।

बंदर और वनमानुष हंसने के नाम पर सिर्फ अपने दांतों की बत्तीसी बाहर कर देते हैं। ये हंसना नहीं एक शारीरिक मुद्रा है। हंसना तो वह है, जिससे आंखों में चमक उभर आती है, मन खिल उठता है, सारा तनाव दूर हो जाता है। हंसना हमारा मूड सही कर देता है, हंसना हमें दूसरों के सामने सबसे खुशमिजाज इंसान बना देता है। इसलिए हंसने की अनोखी खूबी के लिए भी हमें कुदरत का आभारी होना चाहिए।

देखने के लिए आंखें

'देखना' यूं तो सभी जंतुओं को कुदरत से मिली एक बहुत बड़ी ताकत है। लेकिन इंसान के लिए तो इसके कुछ अलग ही मायने हैं। इसकी कीमत लोग तब समझते हैं, जब किसी वजह से देखने से वंचित हो जाते हैं या दुर्भाग्य से जन्मजात वंचित होते हैं। कुदरत ने हमें जो दो आंखें दी हैं, अगर ये ना हों तो हमारे लिए दुनिया एक अंधकार से ज्यादा कुछ नहीं है। ये आंखें ही हैं, जो दुनिया की सारी विविधताओं से हमारा परिचय कराती हैं। यही बताती हैं कि कैसा उत्तुंग हिमालय है और कैसा लहराता समंदर होता है। अगर हमारी आंखें ना हों तो हमारे लिए क्या ताजमहल, क्या नियाग्रा का जलप्रपात, सब कुछ सौंदर्यहीन क्योंकि सब कुछ अंधकार लगेगा। दुनिया में मौजूद लाखों किस्म के फूल, असंख्य पेड़-पौधे, कुदरत के नजारे, सब कुछ अंधेरे में डूबे लगेंगे। इसलिए देखने की क्षमता को हमें कुदरत से मिला एक अनमोल उपहार समझना चाहिए।

सुनने के लिए कान

हम बादलों की गड़गड़ाहट, पक्षियों का कलरव, इंसानों की बातें, वाद्ययंत्रों की मधुर धुनें जैसी बेशुमार आवाजों का कभी एहसास ही नहीं कर पाते, अगर हमारे शरीर में कान नहीं होते। कल्पना करिए, आपका कोई अपना जरूरी या भावनाओं से भरी बात कह रहा है और आप उसे सुन ही नहीं पा रहे तो आपके मन पर क्या बीतेगी? आप वो सब सुनने के लिए बेचैन हो उठेंगे। ऐसी स्थिति की कल्पना कर समझा जा सकता है कि सुनना इंसान को मिला कुदरत का कितना कीमती उपहार है।

प्यार करने का एहसास

प्यार करना शायद इंद्रियों की सबसे सरस अनुभूति है। यूं तो वंशवृद्धि के लिए दुनिया का हर जीव अपने साथी के साथ संबंध बनाता है। लेकिन प्यार जैसी अनमोल अनुभूति शायद सिर्फ इंसानों के पास होती है। इंसान के अलावा अगर इसे और किसी के पास प्यार करने की समझ हम मानते हैं तो यह सिर्फ एक अनुमान है। लेकिन इंसान में प्यार करने की जो खूबी है, उसका दुनिया की किसी दौलत, दुनिया के किसी कौशल से मुकाबला नहीं किया जा सकता है। प्यार करना हमें खुशियों से भर देता है। प्यार करना हमें इस कदर रोमांचित कर देता है कि हम दुनिया में खुद को सबसे खास, समझने लगते हैं। प्यार करना एक ऐसा एहसास है, जिसके सामने हम अपने सारे अहंकार, एकाकीपन

और तकलीफों को ऐसे भूल जाते हैं, जैसे वो हमारे पास कभी रहे ही ना हों। प्यार करने के लिए किसी का अमीर होना जरूरी नहीं होता, किसी का छोटा या बड़ा होना जरूरी नहीं होता, किसी का पढ़ा-लिखा होना या गैर पढ़ा-लिखा भी होना जरूरी शर्त नहीं है। प्यार ऐसा एहसास है, जिसमें ये हर चीज अर्थहीन और गैरजरूरी हो जाती है। कुदरत से हमें मिली यह एक ऐसी निधि है, जिसका हम कभी मोल नहीं लगा सकते, क्योंकि प्यार में वह शक्ति होती है कि वो हमारा व्यक्तित्व ही नहीं, पूरा जीवन बदल सकता है।

कहने का सार यही है कि हमें कुदरत ने जो सौगातें दी हैं, उनका मोल हम समझें और इनका एहसास कर जीवन को खुशनुमा बनाएं। *

अनूठी अनुभूति देने वाला स्पर्श

मां जैसे ही रोते हुए अपने शिशु को प्यार से स्पर्श करती है, उसका रोना छूमंतर हो जाता है। प्रेमिका जरा सा हाथ से स्पर्श करती है कि प्रेमी का मन प्यार से भर जाता है। छूना यानी स्पर्श भी एक अवर्णनीय एहसास है। देश-विदेश में कई जगहों पर बड़े-बड़े जटिल रोगों को स्पर्श चिकित्सा (टच थैरेपी) के जरिए दूर किया जाता है। रोते हुए बच्चे को, हौसला तोड़ चुके सिपाही को, हार गए खिलाड़ी को और रूठ गई प्रेमिका को सबसे बड़ी तसल्ली, सबसे बड़ा संबल, उन्हें प्यार भरी भावना, अपनेपन से स्पर्श करने से ही मिल जाता है। इसलिए अगर आप कुछ छूकर अंदर तक सिहर उठते हैं तो शुक्र मानिए, अपने जीवंत मन और तन का कि आपमें यह संवेदना महसूस करने की सौगात कुदरत ने आपको दी है।

स्पेशल: टीचर्स-डे, 5 सितंबर

पारंपरिक शिक्षा पद्धति पर आधारित तो देश में लाखों स्कूल हैं। लेकिन उनमें से कुछ ऐसे हैं, जहां के शिक्षक बच्चों को बहुत अलग-अनूठे ढंग से शिक्षित करते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अनूठी शिक्षा-शिक्षकों वाले देश के ये अनोखे स्कूल

पहल
शिखर चंद जैन

हमारे देश में कुछ ऐसे स्कूल भी हैं, जहां पारंपरिक के बजाय शिक्षा के नए आयाम देखे जा सकते हैं। इन स्कूलों के शिक्षक, शिक्षा को व्यावहारिक, तर्कसंगत, जीवनोपयोगी और देश-समाज-पर्यावरण के लिए उपयोगी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं।

चिराग स्कूल, उत्तराखंड

चिराग स्कूल, उत्तराखंड: किताबी पढ़ाई के साथ-साथ हमारी पुरानी परंपराओं, जीवनमूल्यों और अत्याधुनिक तकनीकी जानकारी की शिक्षा दी जाती है, उत्तराखंड (सिमयाल गांव, कुमाऊं) के चिराग स्कूल में। यहां बच्चों को उपयोगी स्किल्स भी सिखाई जाती हैं। साथ ही स्थानीय संस्कृति के मुताबिक मिट्टी के ईंट बनाने से लेकर माइक्रोचिप जैसी चीज के बारे में सिखाया और पढ़ाया जाता है, जो बच्चों का जीवन सरल, सार्थक और सफल बनाए। यहां विविधतापूर्ण कोर्सेस को, बच्चों को व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करने के हिसाब से तैयार किया गया है। इस स्कूल में बच्चों की व्यक्तिगत क्षमताओं और रुचियों के मुताबिक पढ़ने की शैली पर जोर दिया जाता है।

द हेरिटेज स्कूल, पश्चिम बंगाल: अपने नाम के मुताबिक ही यहां के शिक्षक अपने छात्रों को प्राचीन गुरुकुल परंपराओं से रूबरू करवाने की कोशिश करते हैं। बंगाल के कोलकाता में स्थित इस स्कूल में बच्चों के समग्र विकास के लिए विविध गतिविधियों वाला ऐसा पाठ्यक्रम तैयार किया जाता है, जिससे बच्चों का शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास एक साथ हो सके। यहां के शिक्षकों का मूल उद्देश्य है, जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक तैयार करना। यहां आईसीएसई, आईएससी, आईजीसीएसई और आईबीडीपी जैसे कोर्स शामिल हैं। यह स्कूल कोलकाता सहित कई केंद्रों पर इंटरनेशनल डे बोर्डिंग स्कूल के रूप में ख्याति हासिल कर चुका है।

द यलो ट्रेन स्कूल, तमिलनाडु: तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले में आरासुर में स्थित है द यलो ट्रेन स्कूल। सुंदर खेतों के बीच बसा यह अनोखा स्कूल, जैविक दृष्टिकोण को अपनाता है, जिससे बच्चों के पनपने के लिए प्राकृतिक वातावरण को बढ़ावा

मिलता है। यहां एक ओपन-एयर एंफीथिएटर, एक मंच और एक सामुदायिक सभास्थल के रूप में काम करता है। यह स्कूल शिक्षा के लिए एक वैकल्पिक और सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त दृष्टिकोण प्रदान करता है। यहां के शैक्षिक प्रबंधन को 'एक ऐसी जगह जहां बच्चे अपनेपन का एहसास करते हैं, अपने लिए भविष्य बनाते हैं और दुनिया को कुछ देना सीखते हैं।' के रूप में वर्णित किया जा सकता है।

द फ्यूचर फाउंडेशन स्कूल, राजस्थान: राजस्थान के जयपुर में स्थित महर्षि अरविंद और मां के सिद्धांतों पर आधारित इस स्कूल में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा प्रदान की जाती है। यहां बच्चों को खेल के माध्यम से सीखने के साथ-साथ उन्हें अपनी कल्पनाशक्ति और कलात्मक अभिव्यक्ति को निखारने की शिक्षा भी दी जाती है। यहां थ्योरी के बजाय प्रैक्टिकल शिक्षा पर जोर दिया जाता है। स्कूल में समय-समय पर प्रोजेक्ट तैयार करने, सेमिनार, डिबेट, फील्ड ट्रिप, वर्कशॉप, म्यूजिक जैसे तमाम आयोजन किए जाते हैं। इनमें शामिल होकर बच्चे अपने व्यक्तित्व और प्रतिभा में निखार ला सकते हैं।

नॉर्थ स्टार स्कूल, गुजरात: गुजरात के राजकोट में स्थित यह स्कूल हार्वर्ड के पूर्व छात्र मोहित पटेल द्वारा स्थापित किया गया है। यहां का पाठ्यक्रम अपडेटेड ग्लोबल जानकारियां देने और एक्सपीरियंस लर्निंग पर जोर देने वाला है। यहां विद्यार्थियों को रटना नहीं कॉन्सेप्ट समझना सिखाया जाता है। यहां की शिक्षा रिसर्च पर आधारित है। प्रकृति से जुड़ने के लिए यहां निरंतर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस स्कूल

में परीक्षाओं के बजाय फीडबैक लिया जाता है। प्रशिक्षण के लिए स्कूल ने स्विट्जरलैंड के हाउते ईकोले पेडागोगिक के साथ गठबंधन किया है। यहां हर 7 छात्र पर एक शिक्षक नियुक्त है ताकि बच्चों पर व्यक्तिगत रूप से पूरी तरह ध्यान दिया जा सके।

द वैली स्कूल, कर्नाटक: बैंगलुरु में स्थित इस स्कूल का पाठ्यक्रम मूल रूप से छात्रों को प्रकृति से जोड़ते हुए व्यावहारिक शिक्षा देने के लिए तैयार किया गया है। स्कूल का विशाल परिसर हरियाली से घिरा हुआ है। यहां छात्र प्रकृति की सैर करते हैं, वन्यजीवों को देखते हैं और इकोसिस्टम की बारीकियां और महत्व सीखते हैं। इन्हें जैविक विविधता के फायदे और उपयोगिता बताने के साथ-साथ बागवानी से जुड़ी जानकारियां भी प्रैक्टिकल रूप में दी जाती हैं। यह स्कूल छात्रों के बौद्धिक कौशल के साथ-साथ फिजिकल फिटनेस पर भी जोर देता है। *

कविता
पूजा भारद्वाज

सुख गहरे दुःख में है

अच्छे लगते पेड़ मुझे
प्रेम इनकी घनी छाया से
निर्जन एकांत में खड़े
किसी घने वृक्ष की गोद
सृष्टि का सर्वाधिक सुंदर सुख
हवा-पत्तियों की सुर-ताल
सर्वश्रेष्ठ संगीत
ये शीतल बयार
सबसे प्यारी लोरी
जाना पेड़ तले लेटकर
सुख, प्रकृति में निहित है
आस-पास में छोटी-छोटी बातों में
साधारण-सी चीजों में ठहरा है सुख
किंतु उपभोक्तावाद ने अपने गैरजरूरी
भार से कुचल दिए सुख
सुख, इन दिनों शापित प्रेत की भांति
भटक रहा शांति की तलाश में
कि बाजारवाद ने लापता कर दी
सुख की प्रेयसी शांति
सुख गहरे दुख में है आजकल।

कहानी / आशा शर्मा

एक प्राइमरी स्कूल के शिक्षक के लिए किसी गांव में जाकर बच्चों को शिक्षा देना, बहुत ही चुनौतीपूर्ण काम है। विनोद को शिक्षक के रूप में गांव का जो विद्यालय मिला, वहां एक भी विद्यार्थी नहीं था। लेकिन विनोद ने बच्चों की शिक्षा की ऐसी अलख जगाई, आगे भी गांव ने उसकी विरासत बनाए रखी। शिक्षा के प्रति अपना दायित्व बोध कराती एक शिक्षक की कहानी।

गुरुजी

सरकारी दौरे पर इधर से गुजरा तो विनोद अपने आपको स्कूल की तरफ मुड़ने से नहीं रोक सका। ऊंचे-ऊंचे पेड़ों से घिरा स्कूल का विशाल भवन अपनी भव्यता का इतिहास खुद बयान कर रहा था। विनोद के चेहरे पर मुस्कान छिटक आई। प्रशासनिक अधिकारी विनोद को स्कूल के शुरुआती दिन याद आ गए।

बात लगभग बीस वर्ष पुरानी है, जब विनोद की नई-नई सरकारी नौकरी लगी थी। उसे सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति मिली थी। नौकरी नई थी और जोश भी नया-नया। इनके साथ-साथ समस्या भी नई ही थी। दरअसल, बात यह थी कि विनोद को शहर से बीस किलोमीटर दूर नए खुले प्राथमिक विद्यालय में नियुक्ति मिली थी। पहले ही दिन जोश से भरा विनोद पूरे उत्साह से स्कूल पहुंचा, लेकिन कुछ ही देर में उसकी खुशी का पॉपकॉर्न फट गया, जब स्कूल के तय समय से दो घंटे बाद भी स्कूल में किसी तरह की कोई हलचल दिखाई नहीं दी। घबराए विनोद ने निदेशालय फोन लगाया और अपनी समस्या बताई। उधर से आई ठहाके की आवाज ने उसके आश्चर्य की सीमा को कई गुणा बढ़ा दिया।

'अरे मास्टर जी! स्कूल में बच्चे लाने का काम भी तो आपका ही है। घर-घर जाइए और शिक्षा से वंचित बच्चों का नामांकन कीजिए। फिलहाल आपका यही मुख्य काम है।' क्लर्क ने विनोद को समझाया और प्रवेशोत्सव की जानकारी दी। हालांकि तत्काल तो विनोद की समझ में नहीं आया कि बच्चों को शिक्षा से कैसे जोड़ा जाए, लेकिन वह अंतिम प्रयास तक हार मानने वालों में नहीं था, इसलिए बैठकर योजना बनाने लगा। जब कुछ निर्धारित नहीं हो सका तो उसने स्कूल में ताला लगाया और गांव के सरपंच जी से मिलने उनके घर चल दिया। सरपंचजी घर पर ही मिल गए। विनोद ने बालकों को शिक्षा से जोड़ने में उनसे सहयोग की अपेक्षा की।

'अरे मास्टरजी! इन बच्चों का खाने-पहनने का ही पूरा नहीं पड़ता, इन्हें पढ़ाकर क्या कलेक्टर बना दोगे।' कहते हुए सरपंचजी ने भी विनोद का मजाक उड़ाया। विनोद चुपचाप वहां से उठकर वापस स्कूल आ गया। वह कुर्सी पर बैठा था, लेकिन उसका दिमाग चकरी की तरह घूम रहा था। अचानक चकरी रुकी और विनोद मुस्कुरा दिया।

दूसरे दिन विनोद पैदल ही गांव में घूमने निकल गया। जिन घरों में उसे शिक्षा लायक बच्चे दिखाई दिए, वह उनके माता-पिता से मिला। विनोद ने उन्हें बच्चों की शिक्षा संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी, लेकिन अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा को लेकर उदासीन दिखे। विनोद वापस लौट आया। एक दिन वह एक पेंटर को अपने साथ लेकर आया और स्कूल की बाहरी दीवारों को आकर्षक चमकीले रंग वाले चित्रों से सजवा दिया। दीवारों पर उछलते-कूदते और विभिन्न खेल खेलते बच्चों के चित्र थे, जो सहज ही किसी को भी अपनी तरफ खींचने की क्षमता रखते थे। विनोद अपने साथ एक फुटबॉल भी लेकर आया। कुछ देर बाद विनोद ने बालकों के झुंड को देखा, जो बकरियां चराने के लिए जंगल की तरफ जा रहे थे। विनोद फुटबॉल लेकर मैदान में आ गया और फुटबॉल को उछाल-उछाल कर स्कूल की दीवार पर मारने लगा। उसे अकेले फुटबॉल खेलते देखकर बच्चे हंसने लगे। 'आओ! मेरे साथ खेलो।' विनोद ने उन्हें आमंत्रित किया, लेकिन सकुचाते हुए बच्चे गर्दन झुका कर निकल गए। ऐसा अगले दो दिन भी हुआ। तीसरे दिन जब विनोद अकेला फुटबॉल खेल रहा था तो दो बच्चे आकर उसके पास खड़े हो गए।

'खेलोगे?' विनोद ने पूछा। बच्चों ने गर्दन हिलाकर हामी भरी और फिर स्कूल का मैदान फुटबॉल का खेल मैदान बन गया।

'बच्चों बताओ, आज मेरी टीम ने कितने गोल मारे?' विनोद ने पूछा।

'चार।' कमली ने तुरंत बता दिया।

'बहुत खूब!' कहकर विनोद ने उसे शाबाशी दी। 'आज हम क्रिकेट खेलेंगे। बताओ उसमें कितने खिलाड़ी होते हैं?' विनोद ने एक दिन पूछा। 'ग्यारह।' इस बार जवाब राधे ने दिया।

'वह देखो बच्चों! सामने दूर सड़क पर जो पानी सा भरा तालाब दिख रहा है, वह पानी नहीं है। जानते हो उसे मृग-मरीचिका कहते हैं।' एक दिन विनोद ने बच्चों को इस प्राकृतिक घटना के बारे में विस्तार से बताया तो बच्चों को बहुत रोचक लगा। इसी तरह विनोद की तपस्या चल रही थी। धीरे-धीरे खेलने आने वाले बच्चों की संख्या बढ़ने लगी। विनोद खेल-खेल में उनसे कभी गणित तो कभी विज्ञान के प्रश्न पूछता रहता। बच्चे भी उत्साहित होकर जवाब देते। कभी वह उन्हें कोई कविता-कहानी सुनाता तो कभी हिंदी और अंग्रेजी वर्णमाला की जानकारी देता। एक दिन विनोद ने बच्चों को कक्षा में इकट्ठा किया। 'क्या तुम लोगों को पढ़ने में मजा आ रहा है?' विनोद ने पूछा। बच्चे एक-दूसरे का मुंह देखने लगे।

'लेकिन हम तो यहां खेलने आते हैं।' बच्चों ने एक साथ कहा। विनोद हंसने लगा। 'यही तो पढ़ाई है।' बस तुम लोगों के नाम स्कूल के रजिस्टर में लिख दूं तो हम सब यहां एक साथ बैठकर खेलने के साथ पढ़ाई भी कर सकते हैं।' विनोद ने कहा।

'और हमारी बकरियां, उन्हें कौन चराएगा?' बच्चों ने पूछा।

'अभी कहां हैं तुम्हारी बकरियां?' विनोद ने पूछा तो बच्चों का ध्यान भंग हुआ। वे इधर-उधर देखने लगे। बकरियों को स्कूल के मैदान में ही घास चरते देखा तो वे संतुष्ट हुए। 'हम स्कूल के मैदान में ही घास लगवा देंगे। बकरियां चरेंगी और बच्चे पढ़ेंगे। ऐसा हो जाए तो क्या कहते हो?' विनोद ने फिर पूछा। बच्चे सोच में पड़ गए। विनोद उनकी दुविधा समझ गया। उसने बच्चों से कहा कि वह कल एक-एक कर उन सबके घर आएगा और उनके माता-पिता से उनकी पढ़ाई को लेकर बात करेगा।

विनोद ने अपना वादा निभाया और घर-घर जाकर बच्चों के माता-पिता को अपने बालकों को स्कूल भेजने के लिए तैयार किया। हालांकि पहले-पहल अधिकांश माता-पिता के जवाब ने उसे निराश ही किया, लेकिन अंततः कुछ बच्चों के माता-पिता उन्हें स्कूल भेजने के लिए राजी हो गए और विनोद के स्कूल में चहल-पहल शुरू हो गई। सबने मिलकर स्कूल मैदान के एक हिस्से में घास लगाई और शेष जगह अन्य पेड़-पौधे लगाए गए। हरेक पौधे पर बच्चों के नाम लिखे गए और उन पौधों की जिम्मेदारी उसी बच्चे को सौंप दी गई। बच्चे बहुत उत्साह के साथ पढ़ने और पेड़-पौधों को पोषित करने लगे। कुछ ही सालों के निरंतर प्रयास के बाद स्कूल एक आदर्श स्कूल बन गया, जहां पढ़ने वाले बच्चे अन्य बालकों से अधिक खुश दिखाई पड़ते थे।

इस बीच विनोद बच्चों को पढ़ाने के साथ-साथ स्वयं भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता रहा। जब वह प्रशासनिक अधिकारी के रूप में चयनित होकर इस स्कूल को छोड़ रहा था, तब अनेक आंखें नम थीं। उसने गांव वालों से वादा लिया था कि वे स्कूल की बेहतरी के लिए हमेशा प्रयत्न करते रहेंगे और अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद नहीं करेंगे। उसके बाद व्यस्तताओं के कारण उसका इस गांव में कभी आना नहीं हो पाया, लेकिन यह भी सच है कि वह अपने इस विद्यालय को कभी भूला भी नहीं था। आज उसी स्कूल के वर्तमान स्वरूप को देखकर उसकी आंखें सजल हो गईं। तभी किसी ने आकर उसके पांव छुए तो वह चौंका!

'प्रणाम गुरुजी।' कहता हुआ एक युवक उसके पांवों में झुका हुआ था। विनोद ने उसे पहचानने का प्रयास किया। 'मैं राधे हूं गुरुजी। आपका शिष्य। पढ़ाई करने के बाद यहीं इसी स्कूल में अध्यापक बनकर आया तो धन्य हो गया। आपकी विरासत को संभाल कर रखा है। आशीर्वाद दीजिए।' राधे ने बताया तो विनोद का सीना गर्व से चौड़ा हो गया।

अब राधे उसके कदमों में नहीं बल्कि उसकी बाहों में था। *

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से विशेष साक्षात्कार

देश को जितना नुकसान इन हथियारबंद नक्सलियों ने पहुंचाया है, उतना ही नुकसान इन अर्बन नक्सल ने पहुंचाया है। ये के ऑस, कन्फ्यूजन और कॉन्फिलिक्ट द्वारा अराजकता की स्थिति उत्पन्न करते हैं। इनके ऊपर सुरक्षा एजेंसियां तो कार्रवाई कर ही रही हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों से ऐसा माहौल भी पैदा कर रहे हैं, ताकि लोग इनके झांसों में न आएं और इनके टूलकिट का शिकार न बनें। एक चिंता का विषय यह भी है कि यह तथाकथित अर्बन नक्सल हमारे शैक्षणिक संस्थानों में भी अंदर तक घुस गए हैं और हमारे युवाओ को गलत नरेटिव द्वारा पथभ्रष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं।

मोदी सरकार रुथलैस अप्रोच के साथ वामपंथी उग्रवाद के पूरे ईकोसिस्टम को कर रही है ध्वस्त

सवाल : नक्सलियों का एक बड़ा ईकोसिस्टम है। जो अर्बन नक्सल हैं, वे जंगलों से दूर रह कर इसे चलाते हैं। क्या सरकार उन पर भी शिकंजा कस रही है ?

जवाब : देश को जितना नुकसान इन हथियारबंद नक्सलियों ने पहुंचाया है, उतना ही नुकसान इन अर्बन नक्सल ने पहुंचाया है। ये केऑस,कन्फ्यूजन और कॉन्फिलिक्ट द्वारा अराजकता की स्थिति उत्पन्न करते हैं। इनके ऊपर सुरक्षा एजेंसियां तो कार्रवाई कर ही रही हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों से ऐसा माहौल भी पैदा कर रहे हैं, ताकि लोग इनके झांसों में न आएं और इनके टूलकिट का शिकार न बने। एक चिंता का विषय यह भी है कि यह तथाकथित अर्बन नक्सल हमारे शैक्षणिक संस्थानों में भी अंदर तक घुस गए हैं और हमारे युवाओं को गलत नरेटिव द्वारा पथभ्रष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारी खुफिया और सुरक्षा संस्थाओं की इन पर पैनी नजर है और मैं स्पष्ट कर दूं कि मोदी सरकार इनके खिलाफ सिर्फ लड़ाई नहीं लड़ रही, बल्कि लगातार जीत भी रही है।

सवाल: अब केंद्र और छत्तीसगढ़ दोनों में आपकी सरकार है। क्या इससे नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई को और गति मिलेगी ?

जवाब : पहले तो मैं यह स्पष्ट कर दूं कि यह लड़ाई केंद्र या प्रदेश की नहीं, बल्कि देश की है और मुझे खुशी है कि केंद्र को कमोबेश इस लड़ाई में सभी राज्य सरकारों का सहयोग मिला है। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार होने से समन्वय निश्चित रूप से और बेहतर हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार वामपंथी उग्रवाद से लड़ने के लिए बेहतर केंद्र-राज्य समन्वय पर लगातार जोर देती रही है। हमने प्रभावित राज्यों को बिना भेदभाव के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल बटालियन, हेलीकॉप्टर, प्रशिक्षण, राज्य पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए धन, उपकरण और हथियार, खुफिया जानकारी, फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन का निर्माण आदि के लिए मदद मुहैया करवाई। मोदी सरकार ने सिक्युरिटी रिलेटेड एक्स्पेन्डिचर (एसआरई) योजना, स्पेशल इन्फ्रास्ट्रक्चर स्कीम (एसआईएस) के तहत 10 वर्षों में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों को 3006 करोड़ जारी किए गए। एसआरई के तहत धन के रिलीज़ में पिछले 10 वर्षों में 194% वृद्धि की गई। जल्द ही छत्तीसगढ़ सरकार नई आत्मसमर्पण नीति लाएगी जिससे युवा हथियार छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो सकेंगे।

सवाल: हाल ही में जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस का गठबंधन हुआ, उस गठबंधन को लेकर आपने कांग्रेस पार्टी से 10 सवाल पूछे ? आपको लगता है जम्मू-कश्मीर की जनता इन सवालों से जुड़ेगी ?

जवाब : कांग्रेस ने नेशनल कांफ्रेंस पार्टी के साथ गठबंधन किया है, तो मैं कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहता हूं कि क्या वो नेशनल कांफ्रेंस द्वारा उनके घोषणा पत्र में किए गए वादों से सहमत है? क्या कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में फिर से 'अलग झंडे' के वादे का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस पार्टी आर्टिकल 370 और 35ए को लाना चाहती है? क्या कांग्रेस पार्टी पाकिस्तान के साथ 'एलओसी ट्रेड' शुरू कर बॉर्डर पार से आतंकवाद और उसके ईकोसिस्टम का पोषण करने का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस दलितों, गुज्जर, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को समाप्त कर फिर से उनके साथ अन्याय करने के जेकेएनसी के वादे के साथ है?क्या कांग्रेस कश्मीर के युवाओं के बदले पाकिस्तान के साथ वार्ता का समर्थन करती है? कांग्रेस को इन सवालों का जवाब देकर जनता के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

सवाल: आपकी छत्तीसगढ़ में सहकारिता के विस्तार को लेकर बैठकें हुईं। सहकारिता मंत्री बनने के बाद आपने एक के बाद एक बड़े कदम उठाए। आपको लगता है कि छत्तीसगढ़ और बाकी देश में भी सहकारिता उतना व्याप्त हो पाएगा, जितना गुजरात और महाराष्ट्र में है ?

जवाब : मोदी जी ने अलग से सहकारिता मंत्रालय बनाकर सहकारी क्षेत्र की सभी संभावनाओं को नए पंख दिए हैं। आज सहकारिता मंत्रालय ने 54 से अधिक इनिशिएटिव्स लेकर सहकारिता को टेक्नोलॉजी एवं अन्य आय के अवसरों से जोड़ने का कार्य किया है। आज पीएसीएस को बहुआयामी बनाकर इसकी क्षमता को कई गुना बढ़ा दिया गया है। देश का सहकारिता तंत्र आज किसानों की बीज से लेकर उर्वरक और उत्पादन के निर्यात से लेकर भंडारण तक का कार्य करता है। साथ ही, सहकारी बैंकों को आधुनिक बनाकर, सहकारी चीनी मिलों को एथेनोल ब्लेंडिंग से अतिरिक्त आय के अवसर उपलब्ध करवाकर सहकारिता मंत्रालय सहकारी तंत्र को मजबूत बना रहा है। ये कार्य छत्तीसगढ़ में भी संभव है और यहां तो कृषि और वन उपज की बड़ी विस्तृत प्रणाली है। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले दिनों में छत्तीसगढ़ में सहकारिता बहुत व्याप्त होगा।

सवाल : आपकी सरकार आने के बाद से सैकड़ों माओवादी मारे जा चुके हैं। यह कैसे मुमकिन हुआ ?

जवाब : मोदी सरकार नक्सलियों के खिलाफ रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और उनके पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त कर रही है। हमारे सुरक्षा बलों ने नये-नये इनोवेटिव तरीकों से नक्सालियों को घेरा। पहली बार सुरक्षाबलों ने बूढ़ा पहाड़, चक्रबंधा, और भीमबांध के कठिन क्षेत्रों से माओवादियों को सफलतापूर्वक निकालकर वहां स्थायी कैंप स्थापित किए हैं और 30-40 साल के बाद ये क्षेत्र नक्सलवाद से मुक्त होकर विकास की नई सुबह देख रहे हैं। साथ ही, हमने स्पेशल टास्क फोर्स का गठन भी किया। एसटीएफ की विशेषज्ञता और नॉलेज शेयरिंग की सहायता से केंद्रीय तथा राज्यों के पुलिस बलों में स्पेशल ऑपरेशन टीम्स का गठन किया। इसके अलावा, हमने नवीनतम टेक्नोलॉजी का उपयोग भी किया। माओवादियों का गढ़ समझे जाने वाले क्षेत्रों में सिक्युरिटी वेक्यूम को समाप्त किया और 2019 से 277 नए कैम्पों की स्थापना द्वारा सुरक्षा ग्रिड का विस्तार किया। इसके अलावा, एनआईए में अलग वर्टीकल बनाकर 94 मामलों में जाँच तथा 64 मामलों में आरोप पत्र दाखिल किए गए। यानि, हमने हर उस माध्यम को तलाशा और उसका उपयोग किया, जिससे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को हिंसा से मुक्त किया जा सके।

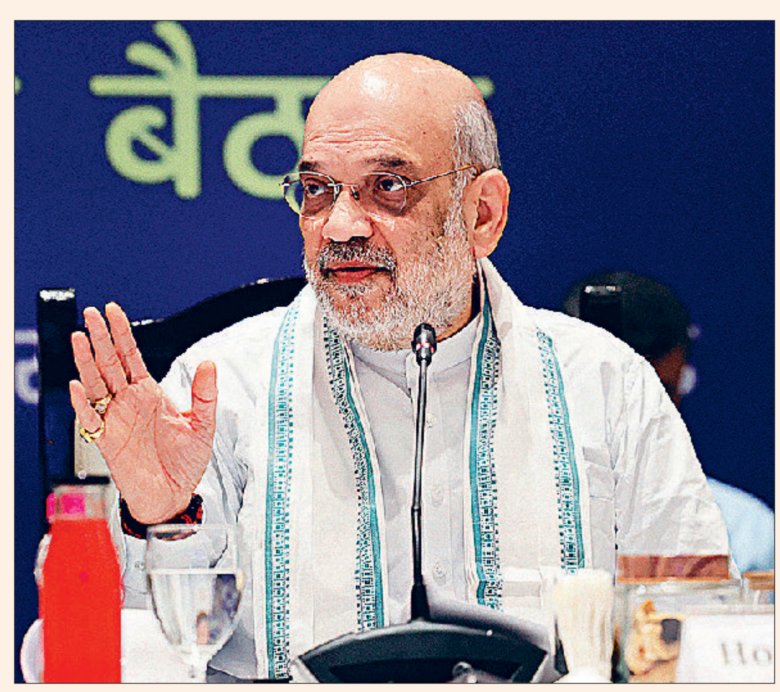

सवाल : नक्सलवाद की जन्मस्थली नक्सलबाड़ी नक्सलमुक्त हो गया, पर देश में नक्सलवाद फैलता रहा। इसके पीछे आप क्या कारण मानते हैं ?

जवाब : देखिए, किसी विचार की जन्मस्थली और अनुयायियों के बीच कोई इन्हेरेंट रिश्ता नहीं होता है। नक्सलबाड़ी में गरीबों पर जुल्म हुए, लोगों ने हथियार उठा लिए, लेकिन उन्हें यह समझ आने लगा कि हिंसा रास्ता नहीं है। वामपंथियों ने उसे एक अवसर के रूप में देखा और सरकार की नाकामी को माध्यम बनाकर अपने उल्लू सीधा किया।

सवाल : अभी नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में कितने कैंप्स सुरक्षाबलों द्वारा बनाए जा चुके हैं ?

जवाब : इस दिशा में लगातार काम जारी है। आंकड़ों की बात करें तो 2019 से लेकर अभी तक प्रभावित क्षेत्रों में 277 नए कैंप स्थापित किए गए हैं। साथ ही, इन क्षेत्रों में 14 नए जॉइंट टास्क फ़ोर्स (जेटीएफ) कैंप खुले हैं और 6 बटालियन को अन्य राज्यों से निकालकर वामपंथी उग्रवाद के कोर क्षेत्रों में रि-डिप्लोयमेंट किया गया है।

सवाल : क्या एजेंसियों का कॉर्डिनेट एप्रोच और सरकार का संकल्प इस सफलता के पीछे प्रमुख कारण है ?

जवाब : हां, यह सच है। लेकिन, ऐसा इसलिए भी संभव हो पाया क्योंकि मोदी सरकार ने एजेंसियों के सशक्तीकरण की प्रक्रिया को बिना किसी भेदभाव के पूरा किया। हमने केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत पिछले 05 वर्षों में कैंप इंफ्रास्ट्रक्चर हेतु 96.55 करोड़ और 6 अस्पतालों के उन्नयन के लिए 12.06 करोड़ तो दिए ही, एलडब्ल्यूई ऑपरेशन हेतु स्पेशल इन्फ्रास्ट्रक्चर स्कीम के अंतर्गत राज्यों के विशेष बलों (एसएफ) और विशेष खुफिया शाखाओं (एसआईबी) को मजबूत करने के लिए 371 करोड़ की परियोजनाएं तथा वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में 620 करोड़ के 250 फोर्टीफाइड पुलिस स्टेशन (एफपीएस) भी मंजूर किए। इतना ही नहीं,एक्स्टेंडेड एसआईएस योजना के अंतर्गत राज्यों के विशेष बलों (एसएफ), विशेष खुफिया शाखाओं (एसआईबी) और जिला पुलिस को मजबूत करने के लिए 610 करोड़ की परियोजनाएं तथा वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में 140 करोड़ के 56 फोर्टीफाइड पुलिस स्टेशन (एफपीएस) मंजूर किए गए हैं। मैं ये आंकड़े इसीलिए बता रहा हूं कि हमने एजेंसियों के बीच समन्वय की केवल बात ही नहीं की, बल्कि हमने एजेंसियों को मजबूत बनाया और एक दूसरे के समकक्ष लाया, ताकि उनके बीच समन्वय आसान हो सके।

सवाल : छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार को लगभग 8 महीने का समय हो गया है। प्रदेश को नया नेतृत्व मिला है। नई सरकार के काम को आप कैसे आंकते हैं? आपके अनुसार इस सरकार की क्या-क्या बड़ी उपलब्धियां रहीं ?

जवाब : छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार शपथ लेते ही एक्शन मोड में आ गई। प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की जोड़ी ने एक के बाद एक जनकल्याणकारी काम शुरू कर दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना को कांग्रेस की राज्य सरकार ने रोककर रखा था,उसे भाजपा सरकार ने आते ही शुरू किया और 18 लाख परिवारों के लिए आवास स्वीकृत किए। 25 दिसंबर 2023 को सुशासन दिवस पर 13 लाख किसानों के बैंक खातों में 3700 करोड़ ट्रांसफर किए गए। कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी की गई। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को हर माह 1 हजार दिए जा रहे हैं। तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक 4 हजार से बढ़ाकर 5500 प्रति मानक बोरा किया गया। युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 50% सब्सिडी पर ब्याज मुक्त ऋण दिए जा रहे हैं। साथ ही योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए 25 दिसंबर 2023 को सुशासन दिवस पर अटल मॉनिटरिंग पोर्टल काशुभारंभ किया गया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 1 करोड़ 51 लाख 84 हजार पौधों का रोपण किया जा चुका है। ऐसे ढेर सारे काम हुए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने मोदी सरकार की सभी योजनाओं का शत-प्रतिशत सेचुरेशन करने के लिए मार्च, 2025 का लक्ष्य रखा है। छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री का माओवादी कमांडर हिड़मा के गांव (पुवर्ती, सुकमा जिला) का दौरा और वहां ग्रामीणों को आधार कार्ड और आयुष्मान भारत कार्ड वितरण करना हमारे दृढ़ निश्चय और मोदी जी के प्रति जनता के विश्वास को दर्शाता है।

सवाल : नक्सल समस्या राजनीतिक ज्यादा है या सामाजिक पिछड़ापन को आप जिम्मेदार मानते हैं ?

जवाब : यह न तो सामाजिक और न ही आर्थिक पिछड़ापन की देन है। यदि ऐसा होता भारत के सभी गरीबों ने हथियार उठा लिए होते। मेरे विचार से गरीबी की आग को बुझाने के लिए विकास के सेफ्टी वॉल्व की आवश्यकता होती है, परंतु दुर्भाग्य से पहले की सरकारों ने विकास का सेफ्टी वॉल्व देने की जगह राजनीति से प्रेरित हो कर इन लोगों की पेट की आग में असंतोष का पेट्रोल डाला। जब कहीं आग लगती है, तो आग बुझाने के बदले दूसरों का घर जला देने के लिए उकसाना ही वह राजनीतिक प्रेरणा है, जिससे नक्सलवाद लगातार बढ़ता गया। अब प्रश्न यह है कि जो पिछड़ा, दलित और वंचित समुदाय जिसको पिछली सरकारों ने जानबूझकर वंचित रखा, उनके मन में नक्सलवाद की विचारधारा को बढ़ने दिया। लेकिन मोदी सरकार के आने के बाद यह परिदृश्य बदला और हमारी सरकार द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे विकास कार्यों से आज उन लोगों में विश्वास जगा है और अब वे भी मुख्यधारा में आ रहे हैं। आज वे अपने बच्चों को बंदूक के बजाय कलम और लैपटॉप दे रहे हैं। यह बदलाव तब संभव होता है जब लोग अपने नेता पर भरोसा करते हैं और उनके द्वारा बनाई गई नीतियों का सीधा लाभ महसूस करते हैं। देश में सामाजिक पिछड़ेपन के शिकार लोगों ने इन 10 सालों में जनकल्याण के जो कार्य देखे हैं, उससे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों पर भी अनुकूल असर पड़ा है।

सवाल : इस बार छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मतदान काफी बढ़ा है। यह कैसे हुआ ?

जवाब : देखिए, लोग नक्सलवाद से बाहर आना चाहते हैं। इन क्षेत्रों में नक्सलवाद के कारण एक भय का माहौल था। जब कहीं उग्रवाद की घटना होती है, तो आसपास उसका एक भय बन जाता है। मोदी सरकार ने इन क्षेत्रों में न सिर्फ नक्सलियों का सफाया किया, बल्कि आम जन के मन से इस आतंक को भी दूर किया। साथ ही, सुरक्षा के लिए जवानों और पुलिस बलों की भी गंभीरता से तैनाती की गई। इस कारण लोग घरों से बाहर आए और मत प्रतिशत में इजाफा हुआ। आज मोदी जी की रणनीति के कारण, चाहे मध्यप्रदेश के चंदामेटा गांव हो या छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के छह गांवों हो, यहां के लोगों ने 40 वर्षों में पहली बार आम चुनाव में मतदान किया। यह सुरक्षा बलों और लोकतंत्र की एक बड़ी जीत है। आज, केंद्रीय बल न केवल माओवादियों से लड़ रहे हैं, बल्कि विकास गतिविधियों की निगरानी भी कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार जल्द ही नई आत्मसमर्पण नीति लाएगी जिससे युवा हथियार छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो सकें

सवाल : जो नक्सलवादी हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आना चाहे, तो उनसे आपकी कोई अपील है ?

जवाब : देखिए, नक्सलवाद का प्रमुख कारण इस देश में सरकारों की नाकामी के लूपहोल्स थे। मैं भ्रमित हुए सभी युवाओं से कहना चाहता हूं कि आज मोदी सरकार आपके और आपकी आने वाली पीढ़ी की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और हर एक मौलिक जरूरत की पूर्ति की दिशा में कार्य कर रही है। यह देश हम सभी का है। आप सब हथियार त्याग कर मोदी सरकार की इस विकास यात्रा में सहभागी बनिए। हिंसा का कोई अंत नहीं है और इसके आग में आपकी पीढ़ियां झुलस गई हैं। अब उपेक्षा और तिरस्कार के दिन लद गए हैं। हमारी सरकार आपकी हर संभव मदद के लिए कटिबद्ध है। आइए, एकसाथ मिलकर आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण करें।

सवाल: जम्मू-कश्मीर में लंबे समय के बाद विधानसभा चुनाव होंगे। भाजपा के सामने क्या-क्या चुनौतियां और संभावनाएं हैं ?

जवाब : जम्मू-कश्मीर के प्रति हमारी सरकार का दृष्टिकोण काफी अलग रहा है। जम्मू-कश्मीर को हम अपनी संभावना और अवसर के लिए नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर वासियों की संभावनाओं और अवसरों के लिए बनाना चाहते हैं। आर्टिकल 370 की समाप्ति कर मोदी जी ने जम्मू-कश्मीर के विकास के सारे बंद रास्ते खोल दिए और प्रदेश को आतंकवाद और पत्थरबाजी से दूर ले जाकर शांति और संभावनाओं के द्वार पर ला खड़ा किया है। हमारी सरकार के प्रयासों से आज जम्मू-कश्मीर में आईआईटी,आईआईएम,एम्स जैसे संस्थान खुले हैं और विकास की नई बयार आई है। आज जम्मू भारत का एकमात्र शहर है जहां आईआईटी,आईआईएम,एम्स हैं। जम्मू-कश्मीर अब शांति की राह पर आगे बढ़ रहा है, बीते 10 वर्षों में आतंकी घटनाओं में 69% की कमी आई है, नागरिकों की मृत्यु में 80% की कमी और सुरक्षा बलों के कर्मियों की मृत्यु में भी 44% की कमी आई है। यही विकास के कार्य इन चुनावों में हमारे कैंपेन का आधार होंगे और हम निश्चित रूप से वहां सरकार बनाएंगे।

सवाल : क्या आपको लगता है कि जम्मू-कश्मीर की जनता इन चुनावों में भाजपा पर विश्वास जताएगी ?

जवाब : आर्टिकल 370 के निरस्तीकरण के बाद से जम्मू-कश्मीर की जनता ने विकास और शांति के नए युग को देखा है। हमारे पिछड़े, दलित, अनुसूचित जातियों, पहाड़ियों, गुज्जर, बकरवाल और स्थानीय निवासियों को अब उनका अधिकार मिल रहा है। युवाओं के लिए रोजगार और शिक्षा के नए अवसर आए हैं। वहां पंचायतों और लोकसभा के चुनाव हुए हैं, जिसमें वहां के निवासियों ने रिकॉर्ड मतदान किया। आज जम्मू-कश्मीर को 3 परिवारों की राजनीति से मुक्ति मिली है और लोकतंत्र की कमान जनता के हाथों में जाने से लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत हुई हैं। जम्मू-कश्मीर की संस्कृति आज एक बार फिर से फलने-फूलने लगी है।

अमेरिकी ओपन : तीन दिन में तीन बड़े उलटफेर

गत चैंपियन जोकोविच का सपना टूटा 28वीं वरीयता प्राप्त पोपिरिन ने हराया

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

कार्लोस अल्कराज के बाहर होने के एक दिन बाद गत चैंपियन नोवाक जोकोविच भी चार सेट तक चले मुकाबले में हारकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रही। अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया के 28वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन ने 6-4, 6-4, 2-6, 6-4 से हराया।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह मेरा अभी तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। यह मैच मेरे लिए किसी दुस्वप्न की तरह था। मैं अपने सर्वश्रेष्ठ के करीब भी नहीं खेल पाया।' यह 2017 के बाद पहला अवसर है जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच साल में एक भी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट नहीं जीत पाए। इससे पहले 2010 में भी ऐसा हुआ था।

22 साल बाद बना शर्मनाक रिकॉर्ड

यह 2002 के बाद पहला अवसर है जबकि टेनिस के तीन दिग्गज खिलाड़ी जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर में से किसी ने भी किसी एक साल में ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी हासिल नहीं की। जोकोविच इससे पहले 2005 और 2006 में अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी 2011, 2015, 2018 और 2023 में यहां चैंपियन बना था।

गॉफ की शानदार वापसी

महिला वर्ग में पिछली चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ पहला सेट गंवाने के बावजूद आगे बढ़ने में सफल रही। अमेरिका की इस खिलाड़ी ने 27वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 3-6, 6-3, 6-3 से हराकर अपने खिताब का बचाव करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। उनका अगला मुकाबला एम्मा नवारो से होगा जिन्होंने तीन सेट तक चले मैच में जीत दर्ज करके अगले दौर में जगह सुरक्षित की। इस 13वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 19वीं वरीय मार्टा कोस्ट्युक पर 6-4, 4-6, 6-3 से जीत दर्ज की। महिला वर्ग में ही आर्यना सबालेंका ने पहला सेट हारने के बाद अच्छी वापसी की और 29वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा को 2-6, 6-1, 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई।

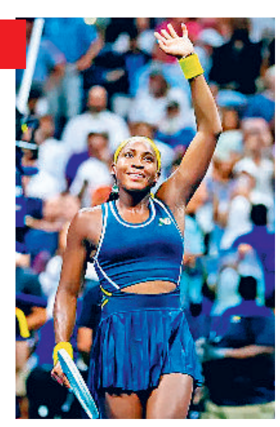

बोपन्ना और भांबरी तीसरे दौर में, बालाजी बाहर

भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी की जोड़ी ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्टिन क्राजिस्क और जीन जूलियन रोजर को हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के तीसरे दौर में जगह बनाई। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अमेरिका के क्राजिसेक और नीदरलैंड के जीन जूलियन रोजर की 15वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। यह केवल दूसरा अवसर है जब भांबरी किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचे हैं। इससे पहले वह 2014 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भी इसी चरण में पहुंचे थे। रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी भी स्पेन के रॉबर्टो कार्बालिस बेना और अर्जेंटीना के फेडेरिको कोरिया पर 6-2, 6-4 से जीत के साथ तीसरे दौर में पहुंच गई है। भारत के एक अन्य खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी और अर्जेंटीना के उनके जोड़ीदार गुइडो आंद्रेओजी दूसरे दौर में न्यूजीलैंड के माइकल वीनस और ग्रेट ब्रिटेन के नील स्कूपस्की से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। भारत और अर्जेंटीना की जोड़ी दूसरे दौर के मैच में 6-7 (4), 4-6 से हार गई।

पेरिस पैरालंपिक

रुबिना को कांस्य, शूटिंग में भारत ने जीता चौथा पदक

एजेंसी ▶▶| शेटराउ

भारत की रुबिना फ्रांसिस ने शनिवार को यहां पेरिस पैरालंपिक में महिलाओं की एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा के फाइनल में कांस्य पदक जीता जिससे देश के निशानेबाजों का मजबूत प्रदर्शन जारी रहा। रुबिना ने कुल 211.1 अंक हासिल कर आठ महिलाओं के फाइनल में तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने क्वालीफिकेशन राउंड में सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। पेरिस पैरालंपिक में यह भारत का निशानेबाजी में चौथा और कुल मिलाकर पांचवां पदक था। शुक्रवार को अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए इतिहास रच दिया था। उन्होंने टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। मोना अग्रवाल ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1) में रजत पदक जीता।

अरशद, ज्योति ने किया निराश

पेरिस। भारतीय साइकिलिस्ट अरशद शेख और ज्योति गडेरिया शनिवार को यहां पेरिस पैरालंपिक में अपनी ट्रैक साइकिलिंग स्पर्धाओं में प्रभावित करने में विफल रहे और क्वालीफिकेशन दौर में बाहर हो गये। पुरुषों के 1,000 मीटर टाइम ट्रायल सी13 के क्वालीफाइंग चरण में शेख 1:21.416 के समय से निराशाजनक निचले (17वें) पायदान पर रहे और फाइनल दौर में जगह बनाने में विफल रहे। वह शुक्रवार को पुरुषों की 3,000 मीटर परस्यूट सी2 स्पर्धा में भी विफल रहे थे। ज्योति भी महिलाओं की 500 मीटर टाइम ट्रायल सी1-3 क्वालीफाइंग स्पर्धा में 49.233 के समय से निचले (11वें) स्थान पर रहीं।

बैडमिंटन : नितेश, सुकांत ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

पेरिस। भारतीय शटलर नितेश कुमार और सुकांत कदम ने शनिवार को पेरिस पैरालंपिक में अपने आखिरी ग्रुप मैचों में सीधे गेम में जीत दर्ज करने के बाद क्रमशः पुरुष एकल एसएल 3 और एसएल 4 श्रेणियों के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। पिछले साल चीन में एशियाई पैरा खेलों में रजत पदक जीतने वाले एसएल 3 वर्ग के खिलाड़ी नितेश ने थाईलैंड के मोंगखोन बुनसुन को 21-13, 21-14 से हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल की और ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। बुनसुन ने ग्रुप ए से पुरुष एकल एसएल4 वर्ग में सुकांत ने थाईलैंड के टीमारोम सिरीपोंग को 21-12, 21-12 से हराकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया और हमवतन सुहास यतिराज के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।

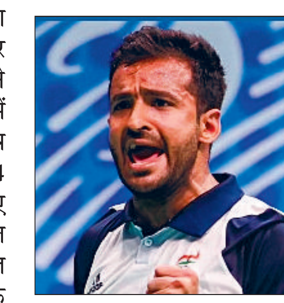

खबर संक्षेप

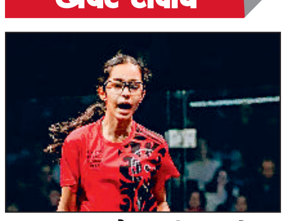

अनाहत और रविन्दु ने जीता स्क्वाश टूर खिताब

कोलकाता। भारतीय किशोरी अनाहत सिंह ने शनिवार को एचसीएल स्क्वाश टूर पीएसए के फाइनल में फिलीपींस की जेमिका अरिबाडो पर 3-0 की शानदार जीत के साथ महिला खिताब अपने नाम किया। अनाहत (16 वर्ष) ने अरिबाडो को 11-5, 11-3, 11-7 से हराया। एशियाई खेलों में टीम कांस्य पदक जीतने वाली अनाहत के लिए यह दोहरी खुशी थी क्योंकि उन्होंने ईस्टर्न स्लैम अंडर 19 लड़कियों का खिताब भी जीता था।

अनिता और नारायण फाइनल बी में पहुंचे

पेरिस। भारतीय नौकाचालक अनिता और नारायण कोंगनापल्ले शनिवार को यहां पेरिस पैरालंपिक की मिश्रित पीआर3 डबल स्कल्स स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहे। यह जोड़ी 7:54.33 सेकंड से यूक्रेन (7:29.24 सेकंड) और ब्रिटेन (7:20.53 सेकंड) से पीछे रही। भारतीय जोड़ी अब फाइनल बी में प्रतिस्पर्धा करेगी जो सातवें से 12वें स्थान के लिए होती है।

मेहदी के 5 विकेट से बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 274 रन पर समेटा

एजेंसी ▶▶| रावलपिंडी

ऑफ स्पिनर मेहदी हसन मिराज ने 61 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे बांग्लादेश को दूसरे और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को पाकिस्तान को पहली पारी 274 रन पर आउट कर दिया। टेस्ट मैचों में मेहदी ने 10वीं बार पांच विकेट चटकाने का कारनामा किया। उन्हें कंधे की चोट से टीम में वापसी कर रहे तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद का अच्छा साथ मिला।

तस्कीन ने 57 रन पर तीन विकेट चटकाकर टेस्ट मैच अपनी वापसी को खास बनाया। बांग्लादेश के क्षेत्ररक्षकों ने चार आसान कैच टपकाए जिससे मैच में पाकिस्तान को वापसी करने का मौका मिल गया। दिन का खेल खत्म होते समय बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 10 रन बना लिए थे। सलामी बल्लेबाज शदमन इस्लाम को पहली ही गेंद पर जीवनदान मिला जब सउद शकील ने मीर हमजा की गेंद पर उनका आसान कैच टपका दिया। श्रृंखला का पहला मैच 10 विकेट से जीतने के बाद बांग्लादेश के पास पाकिस्तान के खिलाफ इतिहास रचने का मौका है।

मुशफिकुर को लगी चोट

बांग्लादेश की टीम हालांकि पहले टेस्ट में 191 रन बनाने वाले मुशफिकुर रहीम के चोटिल होने से चिंतित होगी। दिन के दूसरे सत्र में आउटफील्ड में ड्राइव लगाने दौरान मुशफिकुर का कंधा चोटिल हो गया और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का ऐलान

द्रविड़ का सपना पूरा, समित अंडर-19 टीम में शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के पूर्व कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 21, 23 और 26 सितंबर को पुडुचेरी में होगी जिसमें भारतीय टीम का नेतृत्व उत्तर प्रदेश के मोहम्मद अमान करेंगे।

इसके बाद इन दोनों टीम के बीच चेन्नई में दो चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे। पहला मैच 30 सितंबर से जबकि दूसरा मैच सात अक्टूबर से शुरू होगा। इन दोनों मैच में भारतीय टीम की कप्तानी मध्य प्रदेश के सोहम पटवर्धन करेंगे। ऑलराउंडर समित वर्तमान में बेंगलुरु में चल रही केएससीए महाराजा टी20 ट्रॉफी में मैसूर वॉरियर्स के लिए खेल रहे हैं। इस टूर्नामेंट में समित अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने सात पारियों में 82 रन बनाए हैं जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 33 रन है।

एकदिवसीय अंडर-19 टीम

रुद्र पटेल, साहिल पारख, कार्तिकेय केपी, मोहम्मद अमान (कप्तान), किरण चोरमाले, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह पंगालिया (विकेटकीपर), समित द्रविड़, युधाजीत गुहा, समर्थ एन, निखिल कुमार, चेतन शर्मा, हार्दिक राज, रोहित राजावत, मोहम्मद एनान।

चार दिवसीय अंडर-19 टीम

वैभव सूर्यवंशी, नित्या पंड्या, विहान मल्होत्रा, सोहम पटवर्धन (कप्तान), कार्तिकेय केपी, समित द्रविड़, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह पंगालिया (विकेटकीपर), चेतन शर्मा, समर्थ एन, आदित्य रावत, निखिल कुमार, अनमोलजीत सिंह, आदित्य सिंह, मोहम्मद एनान।

No More जोर
पेट सफा लो हर रोज...
तो आज ही ले आइए
पेट सफा आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स एवं टेबलेट्स
जिसे सेवन करना है बिल्कुल आसान,
परिणाम हैं पहले दिन से और
इसकी आदत भी नहीं बनती।

Dr. Juneja's
पेट सफा
Natural Laxative
Granules & Tablets
कब्ज़
गैस
एसिडिटी
Available at all medical & general stores
24x7 Helpline: 91197 88888 | www.petsaffa.com
Divisa
NO.1 BRAND
20% EXTRA
पेट सफा टेबलेट्स

तानाशाह किम जोंग उन का फरमान, हेयर स्टाइल की एंट्री बैन, सजा भी तय

एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोन उन अपने सनकी फरमानों के लिए जाने जाते हैं। वे दुश्मन देश में प्रचलित प्रथाओं को अपने देश में प्रतिबंध लगाने के लिए जाने जाते हैं। इस बार उनकी इस सूची में एक नया नाम जुड़ गया है। इस बार उन ने अपने दुश्मनों के खिलाफ युद्ध के तहत पोनीटेल पर प्रतिबंध लगा दिया है। इतना ही नहीं, अगर उनके देश में इस हेयर स्टाइल में कोई पकड़ा जाता है तो उसे सजा भी दी जाएगी।

नियमों को एक वीडियो में निर्धारित किया गया

बताया जा रहा है कि यह आदेश तानाशाह किम जोंग उन ने तब दिया है, जिन्होंने अपने पड़ोसी दक्षिण कोरिया के लोगों को इस स्टाइल में बाल रखते हुए देखा था। यह सब नए प्रावधानों के तहत हुआ है। डेली स्टार के मुताबिक, रेडियो फ्री एशिया ने उत्तर कोरिया की चीन सीमा के करीब उत्तरी हैमयोंग में एक अनाम स्त्रोत के हवाले से कहा कि नियमों को एक वीडियो में निर्धारित किया गया था। रेडियो स्टेशन के अनुसार नवीनतम प्रतिबंध इसलिए लागू किए जा रहे हैं, क्योंकि पारदर्शी आस्तीन और पोनीटेल 'समाजवादी व्यवस्था की छवि को धुंधला करते हैं।'

हो सकती है जेल

- किम जोन उन ने दक्षिण में प्रचलित फैशन के चलन को खत्म करने का संकल्प किया है
- उत्तर कोरिया में जींस, रंगे बाल, लंबे बाल, प्रेस किए हुए ट्राउजर और शोल्डर बैग के साथ-साथ ड्रेस और ब्लाउज पर अर्ध-पारदर्शी आस्तीन भी पहले से ही प्रतिबंधित हैं। अब इस सूची में पोनीटेल को भी जोड़ दिया गया है
- अगर कोई पोनीटेल पहने पकड़ा जाता है तो उसके सिर के बाल मुंडवा दिए जाएंगे और उसे छह महीने तक की जेल हो सकती है।

देश को दक्षिण से अलग रखने के लिए बेताब

40 साल के जोंग उन अपने देश को दक्षिण से अलग रखने के लिए बेताब हैं। हाल के सालों में चीन से तस्कर और व्यापारी मेमोरी कार्ड में सहेजे गए दक्षिण कोरियाई फिल्में और टीवी नाटक लाए हैं। चीन की सीमा के पास रहने वाले लोग ऑनलाइन जाने के लिए तस्करी किए गए सिम कार्ड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। सरकार अलग-थलग तानाशाही में विदेशी प्रभाव के निशानों को मिटाने के लिए गुप्त दस्तों को तैनात करती है, जिसमें जन्मदिन की पार्टियां आयोजित करने की आदत भी शामिल है।

आगजनी और हिंसा मामले में 2525 पेज का चालान कोर्ट में पेश

बलौदाबाजार। जिला मुख्यालय में हिंसा केस में पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया। हेमसागर सिदार ने बताया 10 जून को बलौदाबाजार के घटनाक्रम में आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया था। पुलिस कार्यालय और संयुक्त जिला कार्यालय में आगजनी और तोड़फोड़ के मामले में दो मामले में कोर्ट में चालान पेश किया गया है। आगजनी के मुख्य मामले में पुलिस ने 1325 और 1200 पेज का चालान पेश किया गया है। गौरतलब है कि बलौदाबाजार हिंसारू महकोनी गांव में 15 और 16 मई की दरमियानी रात अमर गुफा में जैतखाम काटे जाने के बाद सतनामी समाज का गुस्सा फूट गया। इसके बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, लेकिन समाज के लोग इससे संतुष्ट नहीं हुए और सीबीआई जांच की मांग की। इसी घटना को लेकर 10 जून को बलौदाबाजार के दशहरा मैदान में सभा की गई, जिसमें प्रदेशभर के सतनामी समाज के लोग शामिल हुए। सभा के बाद आक्रामक भीड़ ने बलौदाबाजार एसपी और कलेक्ट्रेट कार्यालय में आग लगा दी। सैकड़ों गाड़ियां फूंक दी गई। हिंसा मामले में 17 अगस्त को भिलाई विधायक देवेन्द्र यादव को गिरफ्तार किया गया था, जिनकी रिमांड अवधि 3 सितंबर तक बढ़ा दी गई है।

- 10 जून को घटनाक्रम में दर्ज किया गया था आपराधिक प्रकरण

चीन में तीन नदियों के संगम पर लेशान विशालकाय बुद्ध की प्रतिमा, पत्थर पर उकेरी गई दुनिया की सबसे बड़ी बुद्ध की प्रतिमा है। इतिहास, आध्यात्म और इंजीनियरिंग यह तीनों क्षेत्रोंके लिए कई तरह के आश्चर्य अपने अंदर समेटे हुए है। लेशान विशालकाय बुद्ध प्रतिमा प्राचीन इंजीनियरिंग और कलात्मकता का एक चमत्कार है।

दुनिया में पत्थर के बुद्ध की सबसे बड़ी प्रतिमा, हजारों साल पुरानी अनूठी इंजीनियरिंग की है खास मिसाल

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

चीन के तांग राजवंश के दौरान सीधे एक चट्टान के चेहरे पर उकेरी गई, यह विशाल मूर्ति एक हजार साल से अधिक समय से तीन नदियों के संगम पर नजर रखती है। 71 मीटर ऊंची यह दुनिया की सबसे बड़ी पत्थर की बुद्ध प्रतिमा है। कई लिहाज से अनोखी ये मूर्ति दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करती हैं।

चीनी शिल्पकला और आध्यात्मिकता का प्रमाण : लेशान की विशालकाय बुद्ध प्रतिमा प्राचीन चीनी शिल्पकला और आध्यात्मिकता का प्रमाण है। चट्टान की सतह पर उकेरी गई यह विशाल प्रतिमा सदियों से पर्यटकों को आकर्षित करती रही है। यह मूर्ति 71 मीटर ऊंची है, जो इसे दुनिया की सबसे बड़ी पत्थर की बुद्ध प्रतिमा बनाती है। इसके कंधे 28 मीटर चौड़े हैं।

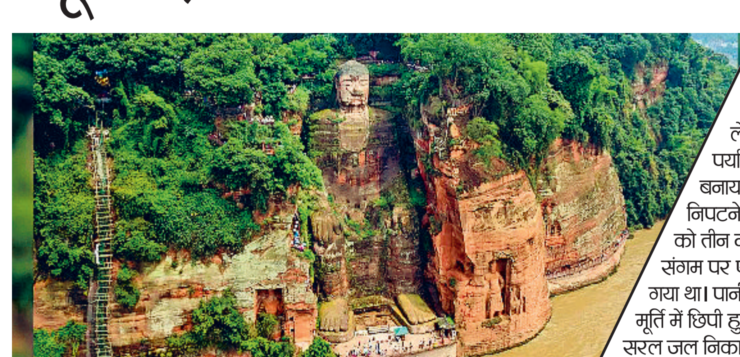

विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल

ऐसी प्राचीन और विशाल संरचना को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासों की जरूरत होती है। लेशान विशालकाय बुद्ध को सालों से बचाए रखाने की कोशिशें होती रही हैं। इस मूर्ति को क्षरण और प्रदूषण से निपटने के लिए, खासकर 20वीं और 21वीं सदी में, कई बहाली परियोजनाओं से गुजरना पड़ा है। 1996 में, लेशान विशालकाय बुद्ध को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया था।

नीचे का पानी हो जाता है शांत

लेशान विशालकाय बुद्ध को पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया था, जो प्राकृतिक तत्वों से निपटने में प्राचीन ज्ञान को दर्शाता है। मूर्ति को तीन नदियों मिन, किंगयी और दादू के संगम पर एक चट्टान के चेहरे पर उकेरा गया था। पानी के नुकसान को रोकने के लिए मूर्ति में छिपी हुई नालियों और चैनलों सहित सरल जल निकासी प्रणालियों को शामिल किया गया था। माना जाता है कि बुद्ध के निर्माण से नीचे का पानी शांत हो जाता है, जिससे क्षेत्र में जहाजों के डूबने की संख्या कम हो जाती है। लेशान विशालकाय बुद्ध सिर्फ़ इंजीनियरिंग का चमत्कार नहीं है; यह कई लोगों के लिए गहरा आध्यात्मिक अर्थ रखता है। यह मूर्ति मैत्रेय का प्रतिनिधित्व करती है, जो एक बोधिसत्व है, जिसके भविष्य में पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने के लिए पृथ्वी पर प्रकट होने की उम्मीद है। तीर्थयात्री और पर्यटक समान रूप से इस स्थल पर अपना सम्मान प्रकट करने और आशीर्वाद लेने आते हैं।

तेंदुए ने सो रहे ग्रामीण पर किया हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नगरी

धमतरी के वनांचल क्षेत्र में तेंदुए की दहशत बनी हुई है। ग्राम धौराभाठा में तेंदुआ ने पहले बच्ची पर हमला कर मारा, फिर रात 11 से 12 बजे वन्य प्राणी ने उसी गांव के बुजुर्ग बुधराम कमार पर हमला किया। तेंदुए ने सो रहे बुधराम को घर से घसीटकर बाहर निकाला। बुधराम व परिजनों के चिल्लाने पर तेंदुआ भाग गया। हमले में बुधराम कमार के सिर में गंभीर चोट आई है। घायल का नगरी सिविल अस्पताल में इलाज किया गया।

वहीं रात को 1 बजे तेंदुआ ने कुत्ते को उठा ले गया। धौराभाटा से 1 किलोमीटर के अंतराल में बसे ग्राम खुदुरपानी में लघुशंका के लिए निकले बिरेंद्र नेताम के सामने से उनके पालतू कुत्ते को शिकार बनाकर जंगल ले गया।

पांच बकरियों का शिकार

शुक्रवार की रात्रि बेलरगांव तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत नवागांव बाधपारा में तेंदुआ ने मोहनलाल मरकाम पिता धनसिंह मरकाम के घर के कोठे में घुसकर पांच बकरियों पर हमला कर अपना भोजन बनाया। तीन बकरी को पूरी तरह मार गिराया। एक बकरी को जख्मी कर उसी जगह छोड़ दिया था। एक बकरी को उठाकर नवागांव से लगे राजामुड़ा बांध की तरफ ले गया। उसका अवशेष मोहन लाल के घर से 200 मीटर की दूरी पर मिला।

हरिभूमि माह अगस्त 2024 का मासिक बिल

दिन	दर	राशि
30 दिन	5.00	150.00
	कुल	150.00

हरिभूमि के सुधि पाठक अगस्त 2024 का अखबार बिल अपने एजेंट के पास 06 तारीख तक जमा कर सहयोग करें।

व्यवस्थापक

बीडीएम कॉलेज के अधिग्रहण की तैयारी, प्रशासन ने भवन में जड़ा ताला

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| कोरबा

पाली स्थित बिसाहू दास महंत कॉलेज भवन को सिविल कोर्ट के संचालन के लिए अधिग्रहण की कार्यवाही किए जाने से कांग्रेसी विरोध में उतर आए हैं। प्रशासन ने कॉलेज के भवन में ताला जड़ दिया है। जबकि भवन के अंदर महाविद्यालय से संबंधित सभी प्रकार की सामाग्रियां रखी हुई हैं।

विकासखंड मुख्यालय पाली में व्यवहार न्यायालय का संचालन वर्तमान में अन्य भवन में किया जा रहा है। कोर्ट के भवन के लिए शासकीय भूमि की तलाश पिछले लंबे समय से की जा रही थी। मुख्यालय में भूमि नहीं मिलने के कारण पाली क्षेत्र में ही अन्य स्थानों में भूमि तलाश की गई, लेकिन प्रशासन को जमीन नहीं मिली। कई बार चयन स्थल में ग्रामीणों की आपत्ति आ जाने के कारण भूमि की तलाश ठंडे बस्ते में जाती रही। कलेक्टर अजीत वसंत ने सिविल कोर्ट के संचालन हेतु जमीन और भवन के लिए गंभीरता दिखाई और स्टेडियम के बाजू में स्थित शासकीय भूमि जिसमें बिसाहू दास महंत स्मृति महाविद्यालय का भवन सहित कई लोगों के आवास व कब्जे हैं को चयनित किया गया। इसके लिए विधिवत प्रक्रिया पूरी की गई, दावा आपत्ति मंगाई गई। आपत्ति भी हुई लेकिन अपर्याप्त दस्तावेज के कारण सिविल कोर्ट के लिए मार्ग प्रशस्त हुआ।

जमीन आबंटन की प्रक्रिया है लंबित

कॉलेज भवन के लिए जमीन आबंटन किए जाने राजस्व विभाग में आवेदन दिया गया था लेकिन हर बार विभाग के द्वारा जमीन आबंटन की कार्यवाही चल रही है की जानकारी दी जाती थी। कॉलेज का संबद्धता शुल्क विश्व विद्यालय को लगातार जमा कराया जा रहा है। साथ ही छात्रों की अंकसूची व अन्य प्रमाण पत्र का सत्यापन भी कॉलेज के कार्यालय से ही किया जाता रहा है। ताला लगने से सभी दस्तावेज भवन के अंदर मौजूद हैं।

प्रशांत मिश्रा, अध्यक्ष, संचालन कमेटी

कोर्ट के लिए शासकीय भूमि का आबंटन

उक्त भूमि में पूर्व में बिना किसी वैध आबंटन के भवन का निर्माण हुआ था। सिविल कोर्ट के लिए शासकीय भूमि का आबंटन विधि पूर्वक किया गया है।

अजीत वसंत, कलेक्टर

शासकीय कॉलेज खुलने के बाद प्रवेश बंद

पाली क्षेत्र में जब महाविद्यालय की सुविधा नहीं थी तब शासकीय कॉलेज की स्थापना की लगातार मांग की जाती रही, लेकिन प्रशासन के द्वारा अनसुना किए जाने के कारण क्षेत्र के आदिवासी बच्चों विशेषकर छात्राओं को 12 वी के बाद पढ़ाई बंद करनी पड़ रही थी। उच्च शिक्षा की जरूरत को देखते हुए सांसद प्रतिनिधि प्रशांत मिश्रा ने पाली स्थित इस शासकीय भूमि पर सांसद मद व एसईसीएल के सीएसआर मद से भवन निर्माण करा कर बीडीएम कॉलेज का संचालन शुरू किया। कॉलेज के आरंभ हो जाने से क्षेत्र के युवा विशेष कर आदिवासी वर्ग की छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ और बड़ी संख्या में स्नातक की बीए, बीएससी, बीकॉम की पढ़ाई होने लगी। इतना ही नहीं यहां परीक्षा केंद्र की भी स्थापना हुई थी।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
- कमर
- जांघ,
- आर्म
- वक्ष स्थल
- शरीर के अन्य हिस्सों का लेजर द्वारा
लाइपोसक्शन
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल
अरबिंदो नेत्रालय के पास, पचपेड़ी नाका, रायपुर
कैंसर का इलाज संभव है
मुंह एवं गले का कैंसर
बच्चेदानी का कैंसर
स्तन कैंसर
रक्त सम्बन्धी विकार
पेट, लिवर, गुदा द्वार का कैंसर
+ उपलब्ध सुविधाएं +
कीमोथेरेपी
सर्जरी
रेडिएशन
इम्यूनोथेरेपी
आयुष्मान भारत योजना से अनुबंधित
अधिक जानकारी एवं सहायता हेतु संपर्क करें:
0771 4280003, 6232143778
#Rajesh

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
ट्रॉमा केयर यूनिट
पॉली ट्रॉमा
मिनिमली इन्वेसिव ट्रॉमा सर्जरी
कूल्हे एवं कमर के फ्रेक्चर
पुराने ना जुड़े/टेढ़े-मेढ़े जुड़े फ्रेक्चर
हड्डियों से मवाद रिसना
ICU एवं क्रिटिकल केयर टीम की सेवा सहित
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल
॥ हर एक जीवन अनमोल ॥
न्यूरोसर्जरी विभाग
निम्न लक्षणों का सफल इलाज
- सिर की चोट (हेड इन्जुरी)
- बच्चों में बड़ा सिर (हाइड्रोसिफेलस)
- लकवा, सियाटिका
- सिर, कमर, हाथ, पैर में दर्द
- पीठ में फोड़ा (मैनिनगोसील)
- रीढ़ की हड्डी की चोट
- स्लिप डिस्क
- ब्रेन ट्यूमर, स्पाईनल ट्यूमर
- माइक्रो एण्डकोस्कोपी
पेपर कटिंग साथ में लाने पर विशेष रियायत दी जाएगी...
डॉ. राजेश जैन M.S., M.Ch., Fellow F.H.U. (Japan) Neuro Surgeon
डॉ. आशु जैन M.S., M.Ch., (Neurosurgery) Neuro Surgeon
डॉ. अक्षय बैद MS, M.Ch (Neurosurgery) Fellowship in Minimal invasive & Endoscopic Brain & Spine Surgery
न्यू राजेन्द्र नगर, अमलीडीह, रायपुर (छ.ग.) फोन: 0771-4222999
हेल्पलाइन नंबर 7880003497
Khanna

एक लीडिंग स्टील मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के डीआरआई (डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन) प्लांट के लिए भर्ती
मेरामंडली, अनुगुल, ओडिशा में डीआरआई प्लांट के लिए इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं. इच्छुक उम्मीदवारों को नीचे दिए गए विवरण के अनुसार वॉक-इन चयन प्रक्रिया के लिए उपस्थित होना होगा.

उपलब्ध पद	योग्यता / अनुभव
डीआरआई ऑपरेटर **पद का विवरण:** · डीआरआई किलन का ऑपरेशन · कंट्रोल रूम ऑपरेशन · मैनेज शिफ्ट ऑपरेशन · इंश्योर सेफ्टी और क्वालिटी · नॉलेज ऑफ ऑपरेटिंग	मेटलर्जी/मैकेनिकल में डिप्लोमा के साथ न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव · सरकारी संस्थानों के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी

इच्छुक उम्मीदवारों को निम्नलिखित विवरण के अनुसार इंटरव्यू सहित चयन प्रक्रिया के लिए उपस्थित होना होगा:
दिनांक: सितम्बर 7th & 8th, 2024, **स्थान:** मैग्रेटो कॉन्क्लेव ऑफिस कांफ्रेंस, रूम, तीसरा मंजिल, मैग्रेटो ओफ़्फ़िज़ो, लाभांडी, एन एच -6, रायपुर, छत्तीसगढ़, पिन-492001, **समय:** सुबह 8 बजे से शुरू
वेतन: कंपनी की लागत (सीटीसी) के आधार पर प्रति वर्ष रु. 2.95 लाख
उम्मीदवारों को निम्नलिखित लाना आवश्यक है: सीवी की 2 कॉपी , आधार कार्ड और पैन कार्ड
उम्मीदवार अपना सीवी recruitment@tstsl.tatasteel.com पर भी मेल कर सकते हैं

नीली जीभ से पहचानी जाती है ये बड़ी छिपकली

लंदन। नीली जीभ वाली स्किंक देखने में खतरनाक लगती है, लेकिन हैरानी की बात ये है इस छिपकली को पाला भी जा सकता है। लेकिन इसे पालना आसान नहीं हैं क्योंकि इसे रखते समय सावधानी बरतनी होती है, क्योंकि यह ऊंगली को भी खाना समझ कर काट सकती है। दुनिया में कई जानवर आकार तो कुछ अपने अजीब से आकृति या रंग के लिए अजीब से लगते हैं। ऐसा ही एक जानवर है नीली जीभ वाली स्किंक। वैसे तो यह एक प्रकार की छिपकली है और दो फुट का आकार इसे अपने आप में खास बनाता है, लेकिन यह अपनी खास और अलग ही तरह की नीले रंग की जीभ से ज्यादा पहचानी जाती है।

ब्रेन व स्पाइन (रीढ़) के ट्यूमर व कैंसर हेतु न्यूरो नेविगेशन सिस्टम एवं न्यूरो माइक्रोस्कोप
अब संजीवनी में
न्यूरो माइक्रो-स्कोप
न्यूरो नेविगेशन सिस्टम
इनके फायदे
यह उपकरण न्यूरोसर्जन को मस्तिष्क और रीढ़ की सटीक छवि देते हैं, जिससे ट्यूमर व कैंसर को बेहतर ढंग से हटाया जा सकता है।
सटीक छवि · कम रक्त स्राव · अत्यधिक सुरक्षित · छोटे से छेद से सर्जरी · इन्फेक्शन का कम खतरा · हॉस्पिटल से जल्दी छुट्टी
मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त
संजीवनी सीबीसीसी कैंसर हॉस्पिटल
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ. ग.)
7389905010, 7389904010, +91 7714081010, 4061010

आयुष्मान कार्ड से कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी एवं सर्जरी की सुविधा
मित्तल हॉस्पिटल
कैंसर विभाग
भिलाई: सूर्या मॉल के पास, फोन: 77228 80844, 0788 2294440
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी, फोन: 93430 79151, 91313 99570
• कैंसर सर्जरी
• कीमोथेरेपी
• रेडियोथेरेपी
द्वारा अनुबंधित
ESIC RAILWAY SECL CGHS TPA
Deepak Advts

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com